THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 256 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु. 7 2079 बुधवार, 30 नवंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पूर्व रूसी मंत्री भारतीय एयरपोर्ट पर गिरफ्तार, सेटेलाइट फोन का है मामला

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। एक पूर्व रूसी मंत्री के पास से देहरादून एयरपोर्ट पर बिना पर्याप्त दस्तावेज़ों का एक सेटेलाइट फोन पाए जाने के बाद, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। एयरपोर्ट या फ्लाइट में बिना पूर्व मंजूरी के सेलेटाइट फोन ले जाने की अनुमति नहीं है। 64 साल के विक्टर सेमेनोव साल 1998 से 1999 के बीच रूस में कृषि और खाद्य मंत्री रहे थे। उन्हें एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सीआईएसएफ) के जवान ने रोका, जो शाम 4: 20 पर सुरक्षा जांच कर रहा था।

एलजीबीटी जज के नाम पर केंद्र को आपत्ति

सौरभ कृपाल के नाम पर फिर विचार करने को कहा, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की थी सिफारिश

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र ने सीनियर एडवोकेट सौरभ कृपाल को दिल्ली हाईकोर्ट के जज के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश पर आपत्ति जताई है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से उनके नाम पर फिर विचार करने के लिए कहा है। इसके अलावा, केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के जजों के रूप में नियुक्ति के लिए भेजे गए कई नाम भी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को वापस भेज दिए हैं।

सौरभ के पिता भारत के पूर्व सीजेआई

सौरभ समलैंगिक हैं और एलजीबीटीक्यू के अधिकारों के लिए मुखर रहे हैं। उन्होंने 'सेक्स एंड द सुप्रीम कोर्ट' किताब को एडिट भी किया है। वह भारत के पूर्व सीजेआई बी एन कृपाल के बेटे हैं। पिछले साल, भारत के तत्कालीन सीजेआई एनवी रमण की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने सौरभ की पदोन्नति की सिफारिश की थी। कॉलेजियम के एक बयान में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 11 नवंबर, 2021 को हुई बैठक में दिल्ली हाईकोर्ट में जज के रूप में सौरभ की पदोन्नति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

2017 में भी भेजा गया था नाम

कृपाल का नाम बार-बार सरकार को भेजा गया है। 2017 में, दिल्ली हाईकोर्ट कॉलेजियम ने सर्वसम्मति से सौरभ कृपाल को दिल्ली हाईकोर्ट के स्थायी जज के रूप में नियुक्ति की सिफारिश की थी। तब मेरिट का हवाला देते हुए सौरभ का नाम आगे नहीं बढ़ पाया था। इसके बाद सितंबर 2018, जनवरी और अप्रैल 2019 में भी सौरभ के नाम पर सहमति नहीं बन पाई।

कहा जाता है कि इंटेलीजेंस ब्यूरो की एक रिपोर्ट सौरभ के पक्ष में नहीं थी। दरअसल, सौरभ के पार्टनर यूरोप से हैं और स्विस दूतावास के साथ काम करते हैं। उनके विदेशी पार्टनर की वजह से सुरक्षा के लिहाज से उनका नाम रिजेक्ट कर दिया गया था। एक इंटरव्यू में सौरभ ने कहा है कि अभी तक जज नहीं बनने की वजह कहीं न कहीं मेरा सैक्सुअल ओरिएंटेशन भी है, क्योंकि अगर मंजूरी मिल जाती है तो कृपाल भारत के पहले गे (समलैंगिक) जज बन जाएंगे।

धारा 377 खत्म करवाने का केस लड़कर चर्चा में आए थे

सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2018 में समलैंगिकता को अवैध बताने वाली आईपीसी की धारा 377 पर अहम फैसला दिया था। कोर्ट ने कहा था कि समलैंगिक संबंध अपराध नहीं हैं। इसके साथ ही अदालत ने सहमति से समलैंगिक यौन संबंध बनाने को अपराध के दायरे से बाहर कर धारा 377 को रद्द कर दिया था। इस मामले में सौरभ कृपाल ने पिटिशनर की तरफ से पैरवी की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सरकार का रवैया निराशाभरा

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की।

कोर्ट ने कहा कि कॉलेजियम के सुझाए हुए जजों के नामों को क्लियर करने में सरकार जितनी देर लगा रही है उससे जजों के अपॉइंटमेंट के तरीके में खलल पड़ रहा है। पूरी प्रक्रिया फ्रस्ट्रेट हो रही है। जस्टिस एसके कॉल और एएस ओका की बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने अपॉइंटमेंट प्रोसेस के पूरे होने की टाइमलाइन तय की थी। ये डेडलाइन इसलिए दी जाती है, ताकि इनका पालन हो सके।

कोर्ट ने पहले भी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम की ओर से अनुशंसित नामों को लंबित रखने के लिए केंद्र से निराशा व्यक्त की है।

शर्मिला की पदयात्रा को हाईकोर्ट ने दी सशर्त हरी झंडी

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने आज वाईएसआरटीपी की संस्थापक अध्यक्ष वाईएस शर्मिला को अपनी पदयात्रा के साथ आगे बढ़ने की अनुमति दी। एचसी ने शर्मिला पर अपनी यात्रा आयोजित करने के लिए कुछ शर्तें लगाईं। इसने शर्मिला को राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर के खिलाफ कोई भी राजनीतिक और सांप्रदायिक टिप्पणी नहीं करने के अलावा अपनी यात्रा के दौरान किसी भी भड़काऊ टिप्पणी से बचने के लिए कहा। इसने शर्मिला को पदयात्रा आयोजित करने के लिए अनुमति प्राप्त करने के लिए पुलिस को नए सिरे से आवेदन करने के लिए कहा। पार्टी के कानूनी प्रकोष्ठ के नेता रवींद्रनाथ रेड्डी ने एचसी से शर्मिला की पदयात्रा आयोजित करने की अनुमति देने का आग्रह किया था। अपनी याचिका में, उन्होंने एचसी को बताया कि राज्य पुलिस ने न केवल उनकी पार्टी की संस्थापक अध्यक्ष को नरसमपेट में गिरफ्तार किया, बल्कि उन्हें पदयात्रा आयोजित करने की अनुमति भी रद्द कर दी।

वाईएस शर्मिला को कार समेत क्रेन से खींचा

वाईएसआर तेलंगाना पार्टी चीफ और सीएम की बहन कार में बैठी थीं, पुलिस आई, क्रेन से उठा ले गई

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बहन और वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला की कार को पुलिस ने क्रेन से उठवा लिया है। जिस वक्त पुलिस उनकी कार को क्रेन की मदद से खींच रही थी वाईएस शर्मिला कार के अंदर मौजूद थी। जानकारी के मुताबिक वाईएस शर्मिला तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के चलते कार के अंदर बैठी हुई थीं।

यह मामला हैदराबाद शहर के सोमाजीगुड़ा इलाके में हुआ है जहां वाईएस शर्मिला ने केसीआर के घर का घेराव करने का ऐलान किया था। इस दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेने की कोशिश भी की थी लेकिन वह गाड़ी से नीचे नहीं आई तो पुलिस ने क्रेन की मदद से गाड़ी को खींचना शुरू कर दिया।

पदयात्रा पर हमले के विरोध में था प्रदर्शन

मंगलवार सुबह वाईएस शर्मिला और उनकी पार्टी के द्वारा जारी किए गए एक नोट में कहा गया था कि वाईएस शर्मिला वारंगल जिले में सोमवार को पदयात्रा के दौरान टीआरएस के लोगों द्वारा उनके और पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ किए गए खूनी हमलों के विरोध में मुख्यमंत्री आवास जाकर प्रदर्शन करेंगी। लेकिन वाईएस शर्मिला एक कारवां के साथ आगे बढ़ीं हैदराबाद पुलिस ने उन्हें रोक दिया और उनके वाहन को एसआर नगर पुलिस स्टेशन तक ले गए। सोमवार को टीआरएस और पदयात्रा में शामिल लोगों के बीच झड़प वारंगल के नरसमपेट में हुई थी।

वाईएस शर्मिला पिछले 223 दिन से पदयात्रा पर हैं। उन्होने इस पदयात्रा को प्रजा प्रस्थानम नाम दिया है। वह अब तक इस यात्रा में 3500 किमी की दूरी तय कर चुकी है। इस दौरान वाईएस शर्मिला 75 विधानसभा क्षेत्र के चार नगर निगमों, 208 मंडलों और 61 नगर पालिकाओं के तहत 1863 गांवों को कवर कर चुकी हैं। सोमवार को उनके काफिले में शामिल पार्टी की प्रचार करने वाली बस को कुछ लोगों ने आग लगाने की कोशिश की थी। घटना वारंगल जिले के चेन्नाराओपेटा मंडल के लिंगागिरी गांव के पास हुई थी।

सबसे ज्यादा चुनावी बॉन्ड मुंबई में बिके आरटीआई में खुलासा, कैशिंग में दिल्ली अव्वल

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। 2018 में चुनावी बॉन्ड योजना की शुरूआत के बाद से अब तक सबसे ज्यादा बॉन्ड मुंबई में बिके हैं। इसके अलावा कैशिंग में दिल्ली पहले नंबर पर है। कमोडोर लोकेश बत्रा (रिटायर्ड) की ओर से इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर आरटीआई दायर की गई थी। इसके जवाब में एसबीआई ने 23 नवंबर, 2022 को ये आंकड़े जारी किए हैं। 2018 में योजना की शुरूआत के बाद से 1 अक्टूबर, 2022 तक भारतीय स्टेट बैंक की मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद ब्रांच में कुल चुनावी बॉन्ड का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा बेचा गया है।

>14

भारत अपने डेटा उपयोग के बारे में पहले से कहीं अधिक जागरूक : जयशंकर

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि देश अब इस बात को लेकर ज्यादा जागरूक है कि उसके डेटा को कहां और कौन प्रोसेस करता है। 7वें वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, जयशंकर ने कहा कि भारत का उदय इसकी तकनीकी प्रगति से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने समकालीन विश्व व्यवस्था में, विशेष रूप से वर्तमान भू-राजनीतिक परिऑश्य में प्रौद्योगिकी के महत्व को भी रेखांकित किया। मंत्री ने आगे कहा कि प्रौद्योगिकी और वैश्वीकरण अनिवार्य रूप से राजनीति विज्ञान के मुद्दे हैं और इसे केवल आर्थिक मुद्दों के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

जयशंकर ने डेटा को नया ऑयल बताते हुए कहा कि तकनीक तेजी से राजनीतिक आयाम ग्रहण कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया यह दिखावा नहीं कर सकती कि तकनीक में कुछ तटस्थ है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी अर्थशास्त्र या किसी अन्य गतिविधि की तुलना में अधिक तटस्थ नहीं है। यह कहा जा सकता है कि इसका डेटा या तेल या नए तेल के रूप में डेटा, यह समझने की जरूरत है कि इसमें एक बहुत मजबूत राजनीतिक अर्थ है।

इमरान खान की मुसीबतें नहीं हो रहीं कम

इस्लामाबाद, 29 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इस बीच, पाकिस्तान की सरकार ने उनके खिलाफ एनएबी और एफआईए में एक साथ अपील दाखिल करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधामंत्री इमरान खान के खिलाफ इस मुद्दे पर कार्यवाही चुनाव आयोग की शिकायत पर शुरू की गई थी। आयोग ने उन्हें चुनाव पत्रों में झूठे बयानों और गलत जानकारी देने का दोषी पाया था। आयोग ने आरोप लगाया था कि पूर्व पीएम इमरान खान ने साल 2017-2018 और 2018-19 के लिए दाखिल किए गए संपत्ति और देनदारियों के ब्योरे में विशेष रूप से वर्ष 2018 और 2019 में तोशखना उपहारों से संबंधित अपनी संपत्ति को जानबूझकर छुपाया था।

पाक के नए आर्मी चीफ बने आसिम मुनीर

स्टिक ऑफ कमांड थामी, इस खास छड़ी के बारे में रोचक बातें जानिए

इस्लामाबाद, 29 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के 16वें आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा 6 साल बाद इस पोस्ट से रिटायर हो गए हैं। उनकी जगह फोर स्टार रैंक पाने वाले आसिम मुनीर ने ले ली है। मंगलवार को बाजवा ने रावलपिंडी जीएचक्यू हेडक्वॉर्टर में बैटन ऑफ कमांड या कमांड स्टिक मुनीर को सौंपी। बैटन ऑफ कमांड लेने के बाद मुनीर फॉर्मली आर्मी चीफ बन गए हैं।

सेरेमनी में लोगों को संबोधित करते हुए बाजवा ने आसिम मुनीर को बधाई दी और उम्मीद जताई की उनके चीफ बनने से पाकिस्तान को फायदा होगा। बाजवा ने मुनीर के साथ अपने काम के 24 सालों को भी याद किया।

रिटायरमेंट डेट से एक दिन पहले सोमवार को जनरल बाजवा ने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से मुलाकात की। शरीफ ने कहा, बाजवा साहब की वजह से ही हम एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट, कोरोना वायरस और बाढ़ जैसे मुश्किल हालात से निकल सके।

चलते-चलते एक रोचक बात जानिए

पाकिस्तानी फौज की परंपरा के मुताबिक, खास मौकों पर पाकिस्तान के आर्मी चीफ को बैटन ऑफ कमांड या कमांड स्टिक साथ रखने की जरूरत होती है। मसलन, जब वो नेशनल फ्लैग को सैल्यूट कर रहा हो, गार्ड ऑफ ऑनर रिसीव कर रहा हो या किसी परेड का इन्सपेक्शन कर रहा हो।

इस मामले में यह जान लेना भी जरूरी है कि कब इस स्टिक को आर्मी चीफ साथ नहीं रखता। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जब प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति से मिलने जाता है तो यह स्टिक उनके साथ नहीं होती। 2013 में पाकिस्तान में यह सवाल उठा था कि अगर किसी वजह से यह स्टिक टूट जाए तो क्या होगा? तब इसका जवाब ये दिया गया था कि इसी तरह की दूसरी स्टिक बनवाई जाए।

फौज में फूट के संकेत

पाकिस्तान की फौज में फूट पड़ने के संकेत हैं। नए आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर के अपॉइंटमेंट से खफा दो सीनियर जनरल ने पद छोड़ने का फैसला किया है। खास बात ये है कि ये दोनों ही जनरल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी हैं।

इनमें से एक लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद इमरान सरकार के दौर में आईएसआई के चीफ थे। उन्हें आउटगोइंग आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा ने इस पोस्ट से हटा दिया था। दूसरे अफसर का नाम लेफ्टिनेंट जनरल अजहर अब्बास है। वो भी इमरान के चहेते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ और सीनियर अफसर भी जल्द ही पद छोड़ सकते हैं।

चीन बॉर्डर पर भारत-अमेरिका की मिलिट्री एक्सरसाइज

एलएसी पर रूसी हेलिकॉप्टर से पहुंचे दोनों देशों के सैनिक

देहरादून, 29 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के औली में चीन बॉर्डर के पास भारत और अमेरिका का मिलिट्री एक्सरसाइज चल रहा है। खास बात ये है कि इस मिलिट्री एक्सरसाइज में रूसी हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। दोनों देशों के सैनिक रूस के एमआई-17वी-5 हेलिकॉप्टर से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पहुंचे।

एमआई-17वी-5 दुनिया का सबसे एडवांस ट्रांसपोर्ट हेलिकॉप्टर है। इसे सेना और हथियारों के ट्रांसपोर्ट, फायर सपोर्ट, रक्षक दल की गश्ती और सर्च-एंड-रेस्क्यू (एसएआर) मिशन में भी तैनात किया जा सकता है। साथ ही एमआई-17वी-5 को कार्गो ट्रांसपोर्ट के लिए डिजाइन किया गया है।

सबसे पहले रूस के एमआई-17वी-5 हेलिकॉप्टर के बारे में जानते हैं

एमआई-17वी-5 रूस में बना एक ट्विन इंजन मल्टीपर्पज हेलिकॉप्टर है। एमआई-17वी-5 (डोमेस्टिक डेजिगनेशन एमआई-8एमटीवी5) हेलिकॉप्टरों के एमआई-8/17 फैमिली का एक मिलिट्री ट्रांसपोर्ट वैरिएंट है। इसे रूसी हेलिकॉप्टरों की सहायक कंपनी कजान हेलिकॉप्टर बनाती है।

इसका उत्पादन रूसी कंपनी मिल मॉस्को हेलिकॉप्टर प्लांट, कजान हेलिकॉप्टर प्लांट और उलान-उडे एविएशन प्लांट में होता है। एमआई-17वी-5 हेलिकॉप्टर एमआई-8 हेलिकॉप्टर का अपग्रेडेड वर्जन है।

जी-20 की अध्यक्षता के मौके को यादगार बनाना चाहती है मोदी सरकार, की जा रहीं ये खास तैयारियां

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। भारत इस साल जी-20 देशों की अध्यक्षता करेगा। इसका एलान पहले ही हो चुका है। वहीं, एक दिसंबर को औपचारिक रूप से भारत जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। इस मौके को खास बनाने के लिए केंद्र ने विशेष तैयारियां की हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया है कि इस अवसर पर देश भर में 100 से अधिक स्मारकों पर जी-20 लोगो को दिखाया जाएगा। इसके लिए विशेष तैयारियां भी गई हैं।

सूत्रों ने बताया कि अध्यक्षता ग्रहण करने के बाद जी-20 शिखर सम्मेलन तक देश भर के 50 शहरों में 200 से अधिक बैठकों की योजना बनाई गई है। इनमें से कुछ बैठकों की मेजबानी करने के लिए देश के उन हिस्सों का चयन किया गया है जिनके बारे में लोगों को बेहत कम जानकारी है। सूत्रों के मुताबिक, इसके पीछे पीएम मोदी का उद्देश्य है कि सभी जिलों और ब्लॉक को जी-20 से जोड़ा जाए और पीएम मोदी के विजन को जनभागीदारी के जरिए जन-जन तक संदेश पहुंचाया जाए।

पीएम मोदी ने किया था लॉन्च :

जी-20 की अध्यक्षता का एलान होने के बाद पीएम मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जी-20 के नए लोगो-थीम और वेबसाइट का अनावरण किया था। इस मौके पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि जी-20 का ये लोगो केवल एक प्रतीक चिन्ह नहीं है बल्कि ये एक संदेश है। ये एक भावना है, जो हमारी रगों में है। ये एक संकल्प है, जो हमारी सोच में शामिल रहा है। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि एक दिसंबर से भारत जी-20 की अध्यक्षता करेगा। भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर है इसलिए आज इस समिट की वेबसाइट, थीम और लोगो को लांच किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

40 से अधिक मिशन प्रमुखों ने अंडमान का किया था दौरा :

वहीं, एक दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने से पहले हाल ही में 40 से अधिक मिशन प्रमुखों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों ने जी-20 कार्यक्रम के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का दौरा किया था। इस दौरान प्रतिनिधियों ने सेल्युलर जेल का दौरा किया जहां लेखक और विचारक वीर सावरकर को अंग्रेजों ने कैद कर रखा गया था।

भारत-चीन सीमा के अंतिम गांव पहुंचे सीएम पेमा खांडू

ईटानगर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सीमांत राज्य के कुरुंग कुमे जिले में भारत के अंतिम गांव दामिन का दौरा किया है। यहां पहुंचने वाले पेमा खांडु पहले मुख्यमंत्री बने। अब तक सड़कों की खस्ता हालात के चलते यहां तक पहुंच पाना बहुत मुश्किल था। इस दौरान उन्होंने कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस यात्रा में उन्होंने बीआरओ द्वारा बनाई गईं सड़कों का भी निरीक्षण किया। अपनी यात्रा के दौरान ग्रामीणों को भारत-चीन सीमा से लगे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस यात्रा में उनके साथ अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री बयाबांग फेलिक्स और स्थानीय विधायक लोकम तस्सर भी थे। पेमा खांडू देश के इस आखिरी सर्किल में जाने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं।

दामिन सर्किल खराब सड़क की स्थिति के कारण मोबाइल नेटवर्क कवरेज और उचित परिवहन सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय विधायक लोकम तस्सर को दामिन सर्किल के उन्नयन की आधिकारिक सूचना एडीसी मुख्यालय को भी सौंपी।

उलेमाओं के बीच डोभाल बोले, इस्लाम का मतलब शांति

कहा आतंकवाद इससे बिल्कुल उलट, कट्टरता धर्म का बिगड़ा रूप

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। इस्लाम में जिहाद का मतलब इंद्रियों और अहंकार के खिलाफ लड़ाई है, न कि निर्दोषों के खिलाफ। अतिवाद और कट्टरता, धर्म का बिगड़ा हुआ रूप हैं। इनके खिलाफ लड़ाई को धर्म विशेष के लिए टकराव के तौर पर नहीं देखना चाहिए।

एनएसए अजीत डोभाल इंडिया ने ये बात इस्लामिक कल्चरल सेंटर में कहीं। वे भारत और इंडोनेशिया में आपसी शांति और सामाजिक सद्भाव की संस्कृति को बढ़ावा देने में उलेमाओं की भूमिका पर बोल रहे थे।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत और इंडोनेशिया दोनों ही आतंकवाद और अलगाववाद के शिकार रहे हैं। काफी हद तक इन चुनौतियों पर काबू पा लिया है, लेकिन सीमा पार से हो रहा आतंकवाद और आईएसआईएस से प्रेरित घटनाएं मानवता के लिए खतरा हैं। उलेमाओं की ये चर्चा हिंसक चरमपंथ, आतंकवाद और कट्टरता के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करेगी।

एनएसए ने इस्लाम की तारीफ करते हुए कहा, इस्लाम कहता है कि जिहाद का सबसे उत्कृष्ट रूप 'जिहाद अफजल' है, यानी किसी का इंद्रियों या अहंकार के खिलाफ जिहाद न कि निर्दोषों के खिलाफ। ऐसा लक्ष्य जिसके लिए अतिवाद, कट्टरता और धर्म गलत इस्तेमाल होता है। वो सही नहीं है, बल्कि धर्म का बिगड़ा रूप है, जिसके खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है। इस्लाम का अर्थ ही शांति और कल्याण (सलामती/अस्सलाम) है। जबकि अतिवाद और आतंकवाद इसके एकदम उलट हैं। ऐसी ताकतों के विरोध को धर्म विशेष के साथ टकराव के रूप में नहीं देखना चाहिए। यह सिर्फ एक चाल है।

डोभाल ने कहा, हमें धर्मों के वास्तविक संदेश पर ध्यान देना चाहिए, जो मानवता, शांति और आपसी समझ सिखाते हैं। पवित्र कुरान भी यही कहती है कि एक आदमी को मारना पूरी मानवता को मारने जैसा है और एक को बचाना, पूरी इंसानियत को बचाने के बराबर है। हमारे लोकतंत्र में हेट स्पीच, प्रोपेगेंडा, हिंसा, विवादों और स्वार्थ पूरा करने के लिए धर्म के दुरूपयोग के लिए कोई जगह नहीं है।

हमारे युवा इस ओर खास ध्यान दें। वे अक्सर कट्टरता का सॉफ्ट टारगेट होते हैं। लेकिन अगर उनकी एजर्नी सही दिशा में लगाई जाए तो वे बदलाव लाने और किसी भी समाज की तरक्की में सबसे आगे आ सकते हैं।

मैंने सालों पहले राहुल गांधी को छोड़ दिया था

अब वो आपके दिमाग में है, राहुल गांधी ने क्यों दिया ये बयान?

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। क्या राहुल गांधी अब बदल गए हैं? क्या भारत जोड़ो यात्रा ने इसमें कोई मदद की है? कांग्रेस ने कई मौकों पर ऐसे दावे किए हैं कि भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी के बारे में लोगों की सोच और धारणा बदल देगा। लेकिन खुद राहुल गांधी इससे इत्तेफाक नहीं रखते। एक मीडिया ब्रीफिंग में राहुल गांधी ने कहा, मैंने कई साल पहले राहुल गांधी को छोड़ दिया था। अब वो आपके दिमाग में है, मेरे नहीं। राहुल गांधी ने ये बातें 'भारत जोड़ो यात्रा' से मिली सीख के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कही। उन्होंने आगे कहा, समझने की कोशिश करो, यही हमारे देश की फिलोसॉफी है। इसे समझो, यह तुम्हारे लिए अच्छा होगा। भारत जोड़ो यात्रा से सकारात्मक परिणाम के बारे में एक अन्य सवाल पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, इसने मुझे बहुत धैर्य सिखाया है।

>14

रावण से पीएम मोदी की तुलना करने पर गुजरात में मचा सियासी तूफान

बीजेपी ने खडगे को यूं दिया करारा जवाब

अहमदाबाद, 29 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात चुनाव की सरगर्मी के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के एक बयान पर सियासी घमासान मच गया है। मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना रावण से कर दी है। खरडे ने कहा कि मोदी हर चुनाव में दिख जाते हैं, क्या उनके रावण की तरह उनके 100 सिर हैं। खरगे के इस बयान पर बीजेपी ने पलटवार करते हुए इसे गुजरात और देश का अपमान बताया है। सिर्फ खडगे ही नहीं, बीजेपी के निशाने पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी हैं।

'यह खरगे के नहीं बल्कि सोनिया और राहुल के शब्द हैं'

खडगे द्वारा पीएम मोदी को रावण कहने पर कड़ा ऐतराज जताते हुए बीजेपी ने आरोप लगाया कि

सोनिया गांधी के कहने पर कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान किया है और गुजरात की जनता कांग्रेस से बदला लेगी। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सोनिया गांधी ने एक समय पर मोदी को मौत का सौदागर कहा था और आज उनके कहने पर उन्ही की पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रावण कहा है। यह खरडे के नहीं बल्कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के शब्द हैं।

'गुजरात की जनता कांग्रेस को आईना दिखाएगी'

उन्होंने कहा, गुजरात में खड़े होकर गुजरात के सपूत के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग करना निंदनीय है और गुजरात की जनता इसका जवाब देकर कांग्रेस को आईना दिखाने का काम करेगी। पात्रा ने गुजरात की सभी जनता से बाहर निकल कर शत प्रतिशत यानी 100 प्रतिशत वोट करने की अपील करते हुए कहा कि गुजरात की जनता को गुजरात के सपूत के अपमान का बदला लोकतांत्रिक तरीके से कांग्रेस से लेना चाहिए। गुजरातियों को इन अपशब्दों को लेकर कांग्रेस को सबक सिखाना चाहिए और अपमान का बदला लोकतांत्रिक तरीके से कांग्रेस से लेना चाहिए।

'आपके रावण के जैसे 100 मुख हैं क्या?

बता दें कि गुजरात में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी के चेहरे पर वोट मांगने पर तंज कंसा। खरगे ने कहा था, "बीजेपी नगरपालिका तक के चुनाव में कहती है मोदी को वोट दो...क्या मोदी यहां काम करने आएंगे। पीएम हर वक्त अपनी ही बात करते हैं..आप किसी को मत देखो मोदी को देख कर वोट दो। तुम्हारी सूरत कितनी बार देखना।

कॉरपोरेशन में भी तुम्हारी सूरत देखना, एमएलए के इलेक्शन में भी तुम्हारी सूरत देखना, एमपी इलेक्शन में भी तुम्हारी सूरत देखना..हर जगह..आपके रावण के जैसे 100 मुख हैं क्या?" उनके इस बयान के बाद से बीजेपी खरडे के साथ सोनिया और राहुल पर भी हमलावर हो गई है।

खडगे, गहलोत ने गुजरात में झोंकी ताकत

गुजरात में चुनाव के पहले चरण के लिए आज शाम 5 बजे प्रचार का शोर थम जाएगा। यहां एक दिसंबर को 89 सीटों पर वोटिंग होगी। प्रचार के आखिरी दिन बीजेपी की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कमान संभाले हुए हैं। नड्डा दाहोद, भावनगर, वडोदरा संभालेंगे वहीं अमित शाह आज दाहोद और खेड़ा के साथ अहमदाबाद में भी प्रचार करेंगे। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोधरा में रोड शो किया है। योगी महीसागर और आणंद में प्रचार करेंगे। कांग्रेस की तरफ खरगे, गहलोत और आप की तरफ से केजरीवाल ने आखिरी ताकत झोंक दी है।

नवजोत सिंह सिद्धू को

गणतंत्र दिवस पर मिल सकती है रिहाईव रोडरेज के मामले में हुई थी जेल

पटियाला, 29 नवंबर (एजेंसियां)। पटियाला जेल में पिछले 6.5 महीनों से रोडरेज के मामले में सजा काट रहे नवजोत सिंह सिद्धू के लिए नए साल का जनवरी का महीना खुशखबरी भरा हो सकता है। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नवजोत सिंह सिद्धू नववर्ष के पहले माह में समय से पहले रिहा हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक सिद्धू को जेल में उनके अच्छे आचरण के लिए गणतंत्र दिवस पर रिहा किया जा सकता है। जेल प्रशासन ने इस साल अच्छे आचरण के चलते जिन कैदियों की रिहाई के लिए नाम भेजे हैं, उसमें सिद्धू का नाम भी शामिल है।

सिद्धू क्लर्क के तौर पर कर रहे जेल में काम

पटियाला जेल में पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व चीफ नवजोत सिंह सिद्धू का आचरण अच्छा पाया गया है। जेल में सिद्धू को क्लर्क के तौर पर कामकाज की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जानकारी के मुताबिक उन्होंने जेल में नियम होने के बावजूद भी कोई छुट्टी तक नहीं ली, जो रियायत के लिए उनकी दावेदारी मजबूत कर रही है। हालांकि, अंतिम फैसला पंजाब सरकार को ही करना है।

साढ़े छह महीनों से पटियाला जेल में हैं सिद्धू

बता दें, सिद्धू बीते साढ़े छह महीनों से पटियाला जेल में हैं। सिद्धू जेल में अपनी बैरक में बैठ के क्लर्क का काम भी कर रहे हैं। आपको बता दें कि नवजोत सिंह सिद्धू को सुप्रीम कोर्ट ने रोडरेज के 34 साल पुराने मामले में एक साल की सजा सुनाई थी। जानकारी के लिए बता दें कि 1988 में पंजाब में हुई रोड रेज की एक घटना में सिद्धू के मुक्के के वार से एक बुजुर्ग की मौत हो गई थी।

पाक के नापाक इरादों को फिर बीएसएफ ने किया नाकाम

अमृतसर में पाक ड्रोन को मार गिराया

अमृतसर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान से पंजाब के अमृतसर जिले में आए एक ड्रोन को मार गिराया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने सोमवार रात को अमृतसर शहर से करीब 40 किलोमीटर उत्तर में चाहरपुर गांव के पास भारतीय क्षेत्र में ड्रोन को घुसते देखा, जिसके बाद उन्होंने उस पर गोलियां चलाईं। बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक बटालियन-136 के जवान सरहद पर फेंसिंग के पास गश्त कर रहे थे तभी उन्हें आसमान में ड्रोन के मंडराने की आवाज सुनाई दी। बीएसएफ ने लगभग 100 गोलियों के अलावा रोशनी बम भी दागे।

ऊंचाई ज्यादा न होने के कारण गोली लगने से ड्रोन जमीन पर गिर गया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान बीएसएफ को छह रोटार वाला मानवरहित हवाई वाहन 'हेक्साकॉप्टर' आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त स्थिति में मिला। उन्होंने बताया कि उसके नीचे सफेद रंग की एक पॉलिथीन में संदिग्ध सामग्री भी मिली है। अधिकारी ने कहा कि ड्रोन में नशीले पदार्थ रखे होने का संदेह है और उसमें मिले सामान की जांच की जा रही है।

कट्टरता और बदले की भावना से ग्रसित भाजपा

कॉलेजियम विवाद पर सुप्रीम टिप्पणी के बाद महुआ का तंज

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। कॉलेजियम द्वारा जजों के प्रस्तावित नामों को रोके जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार पर सख्त टिप्पणी की है। इसके बाद टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने भी सरकार की हमला बोला है। महुआ ने एक ट्वीट में कहा है कि कॉलेजियम की सिफारिशों को रोका जाना भाजपा की कट्टरता और बदले की भावना को दिखाता है। महुआ मोइत्रा ने अपने ट्वीट में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पोस्ट करते हुए लिखा, एक बार कॉलेजियम ने सिफारिश कर दी तो बात वहीं खत्म हो जानी चाहिए। उन्होंने आगे लिखा, केंद्र द्वारा 11 नामों को मंजूरी न देना, महत्वपूर्ण न्यायिक नियुक्तियों में भी भाजपा के होमोफोबिया, कट्टरता और बदले की भावना को दर्शाता है। यह शर्म की बात है।

क्या है मामला

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम के भेजे नाम रोके जाने पर नाराजगी जताई थी। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को नसीहत देते हुए कहा था कि इस रवैये से न्यायिक प्रक्रिया बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में आपको कानून तो मानना ही होगा। जस्टिस एसके कौल और जस्टिस एएस ओका की पीठ ने सोमवार को कहा था कि तीन सदस्यीय पीठ ने जजों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक समयसीमा तय की है। इसका पालन होना ही चाहिए, पर ऐसा हो नहीं रहा। जस्टिस कौल ने कहा, हमने कई बार इसको लेकर नाराजगी भी जताई है।

बिगड़ता है वरिष्ठता का क्रम

पीठ ने कहा था कि कई बार सरकार सिफारिश वाले नामों में से बस एक को ले लेती है। इससे वरिष्ठता का पूरा क्रम बिगड़ जाता है। कॉलेजियम वरिष्ठता को ध्यान में रखकर नामों की सिफारिश करता है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को चेतावनी भी दी थी कि दो महीने से पूरी प्रक्रिया ठप पड़ी हुई है। इस मसले को हल करें। हमें इस पर न्यायिक तौर से फैसला लेने पर विवश न करें।

अखनूरः सेना का सामान ले जा रहे ट्रक में अचानक लगी आग

पुलिस-सुरक्षाबलों ने पाया काबू

अखनूर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अखनूर में चौकी चोरा क्षेत्र के पास मंगलवार को सेना का सामान ले जा रहे एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। एकाएक आग ने ट्रक के पिछले हिस्से में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोग, पुलिस और सेना के जवानों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, एक प्राइवेट ट्रक सेना के सामान को जम्मू से राजोरी लेकर जा रहा था। इस दौरान अखनूर में चौकी चोरा के पास अचानक ट्रक में आग भड़क उठी। जब चालक और सह चालक को इसकी भनक लगी तो किसी तरह उन्होंने अपनी जान बचाई और शोर मचाना शुरू किया।

12 दिसंबर को सुना जाएगा शिवसेना चुनाव चिह्न विवाद

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना चुनाव चिह्न विवाद मामले की पहली सुनवाई 12 दिसंबर होगी। भारत निर्वाचन आयोग इस मामले की सुनवाई करेगा। इसके तहत आयोग ने दोनों पक्षों (उद्धव व शिंदे गुट) को अपने-अपने दस्तावेज व बयान नौ नवंबर शाम पांच बजे तक दाखिल करने का निर्देश दिया है। दरअसल, तीन नवंबर को महाराष्ट्र के अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर उपचुनाव से पहले चुनाव आयोग ने शिवसेना के नाम और चुनाव चिह्न को फ्रीज कर दिया था। इसके बाद दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चिह्न आवंटित किए गए थे।

चुनाव आयोग ने उद्धव गुट को शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नाम आवंटित किया था। इसके साथ ही जलती हुई मशाल

चुनाव चिह्न के रूप में आवंटित की गई थी। वहीं, वहीं एकनाथ शिंदे गुट को बालासाहेबची शिवसेना नाम दिया गया था। इस गुट को चुनाव चिह्न के रूप में दो तलवारें और ढाल आवंटित किया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी याचिका

इससे पहले मामले में 15 नवंबर को हुई सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने उद्धव ठाकरे की याचिका खारिज कर दी थी। इसके साथ ही कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह शिवसेना के दो धड़ों के बीच जारी विवाद पर जल्द से जल्द फैसला करे। अदालत ने कहा था कि चुनाव आयोग का आदेश उपचुनाव के उद्देश्य से था। वह कोई अंतिम निर्णय नहीं है? जब उपचुनाव पहले ही हो चुके हैं, ऐसे में अंतरिम आदेश का अब कोई अस्तित्व ही नहीं बचता। ऐसे में अदालत को चुनाव आयोग का अंतिम विचार का इंतजार क्यों नहीं करना चाहिए?

मंत्री के भाई के घर डकैती मामले में एक लाख का इनामी बदमाश गिरफ्तार, तीन अब भी फरार

देहरादून, 29 नवंबर (एजेंसियां)। देहरादून के डोईवाला में कैबिनेट मंत्री के चचेरे भाई के घर दिनदहाड़े हुई डकैती के मामले में पुलिस ने एक लाख के इनामी बदमाश मेहरबान बावला को रायवाला से गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस अब तक आठ बदमाशों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने लगभग 75 फीसदी ज्वेलरी और 60 फीसदी नगदी बरामद करने का दावा किया है। वहीं, तीन आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। उधर, तीनों पर एक-एक लाख रुपए का इनाम घोषित करने की प्रक्रिया चल रही है।

मुस्लिम छात्र को प्रोफेसर ने 'कसाब' कहा तो भड़के ओवैसी

बेंगलुरु, 29 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के एक कॉलेज में प्रोफेसर ने एक मुस्लिम छात्र की तुलना आतंकी कसाब से की, जिसे लेकर बवाल मचा हुआ है। इसे लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कड़ी आपत्ति जताई है। ओवैसी ने कहा कि देश के हालात में जहर घोल दिया गया है, अल्पसंख्यक समाज के ताल्लुक से नफरत पैदा कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मैं सलाम करता हूं उस बच्चे का जिस तरह से उसने अपनी बात रखी।

'आंख में आंख डालकर सवाल करना पड़ेगा'

एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, बच्चे ने जिस तरह से अपनी बात रखी, वो हम सभी को करना पड़ेगा। यही मिजाज पैदा करना पड़ेगा। जो तुमसे तुम्हारा हक छीन रहा है, उनसे आंख में आंख डालकर सवाल करना पड़ेगा। पत्थर मारने से हक नहीं मिलेगा। ओवैसी ने कहा, अपने मुकद्दर के फैसले करना शुरू करोगे तो दुनिया तुम्हारी इज्जत करना शुरू करेगी। जो आज तुमको आतंकवादी कह रहे हैं वो कल तुम्हारे सामने सिर झुकाकर खड़े रहेंगे और कहेंगे कि बोलो बॉस क्या आदेश है। उन्होंने कहा कि किसी शायर ने बड़ा खूब कहा था, ये खामोश मिजाजी तुम्हें जीने नहीं देगी, इस दौर में जीना है तो कोहराम मचा दो।

'भारत के संविधान का अपमान करने जैसा है'

ओवैसी ने कहा कि उस बच्चे ने जो जवाब दिया, मुझे बहुत खुशी हुई। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे को आतंकवादी कहना भारत के संविधान का अपमान करने जैसा है। ओवैसी ने कहा कि जो दाढ़ी वाला और बुरखा पहनने वाली दिखती है, उसको बोलते हैं कि ये जा रहा है, आतंकवादी जा रहा है, बल्कि हद तो यह हो गई कि कर्नाटक की एक निजी यूनिवर्सिटी में क्लास के अंदर एक प्रोफेसर ने एक मुसलमान बच्चे से पूछा कि तुम्हारा नाम क्या है, तो उसने अपना नाम बताया। ओवैसी ने कहा, इस पर प्रोफेसर ने कहा- तू कसाब है। यानी अजमल कसाब है तू। बताइए नफरत कहां चली गई। दौलतमंदों और गरीबों से निकलकर प्राइवेट यूनिवर्सिटी में चली गई।

मैं उस बच्चे को सलाम करता हूं: ओवैसी

ओवैसी ने कहा, मैं उस बच्चे को सलाम करता हूं कि उसने पूरी हिम्मत के साथ उसने प्रोफेसर से कहा कि आपने मुझे उस नाम से कैसे पुकारा। बार-बार जब उसने यह सवाल उठाया तो प्रोफेसर ने कहा कि तुम मेरे बेटे की तरह हो। इस पर छात्र ने कहा कि क्या आप अपने बेटे को आतंकवादी कहकर बुलाते हो। आप मेरे साथ ऐसा नहीं कर सकते। आप मुझसे ऐसे बात नहीं कर सकते। ओवैसी ने कहा कि हमको देखकर इलजाम लगाने वालों तुमने उस बच्चे को जलील नहीं किया, बल्कि भारत के उस संविधान को जलील और कमजोर करना चाहते हो।

बांग्लादेश है भारत का कैसा पड़ोसी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कही ये बात

कोलकाता, 29 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति में बांग्लादेश का विशेष स्थान है। भारत में नवनियुक्त बांग्लादेश के उच्चायुक्त मुस्तफिजुर रहमान द्वारा सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करने के बाद उन्होंने यह टिप्पणी की। राष्ट्रपति ने कहा, भारत-बांग्लादेश संबंध भाषा, संस्कृति और इतिहास से बंधे हैं और साझा बलिदानों में अद्वितीय संबंध हैं।

बांग्लादेश के दूत का किया स्वागत

राष्ट्रपति मुर्मू ने उल्लेख किया कि बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और मुजीब वर्ष के संयुक्त समारोह, बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की जन्म शताब्दी, बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम की स्वर्ण जयंती और बांग्लादेश-भारत राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50वें वर्ष को भी याद किया। इस दौरान बांग्लादेश के राजदूत का उन्होंने स्वागत भी किया। भारत और बांग्लादेश के पुराने संबंधों का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने सितंबर में नई दिल्ली

और बाद में लंदन में प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ अपनी बैठकों के बारे में भी बताया।

1971 में भारत ने किया था बांग्लादेश का नैतिक समर्थन

बांग्लादेश के दूत ने परिचय पत्र प्रस्तुत करने के अवसर के लिए धन्यवाद दिया और राष्ट्रपति अब्दुल हमीद और प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से बधाई दी। राष्ट्रपति ने शेख मुजीबुर के नेतृत्व में 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान भारत के नैतिक और भौतिक समर्थन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, भारत-बांग्लादेश सहयोग, वास्तव में, 1971 के युद्ध के मैदान में शुरू हुआ। द्विपक्षीय संबंध एक नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं , जिसने इसे 'पड़ोस संबंधों' के एक मॉडल के रूप में वर्णित किया है। उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू को आश्वासन दिया कि वह संबंधों को और विस्तार और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। दूत ने सितंबर 2023 में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में बांग्लादेश को आमंत्रित करने के लिए भारत को धन्यवाद भी दिया।

समुद्र तट पर मध्यप्रदेश की युवती का क्षत-विक्षत शव मिला

पुरी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में समुद्र तट पर 26 नवंबर को 18 वर्षीय युवती का क्षत-विक्षत शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवती मध्यप्रदेश की रहने वाली थी। परिजनों ने रहस्यमय तरीके से हुई मौत को हत्या बताया है और सरकार से उच्च स्तरीय जांच की मांग की। परिजन ने पुलिस पर भी लिपापोती का आरोप लगाया है। पुलिस का अनुमान है कि यह डूबने से मौत का मामला हो सकता है, लेकिन परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसकी हत्या की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी का होटल से अपहरण किया गया और उसके चेहरे पर तेजाब डालकर उसकी हत्या कर दी गई ताकि उसकी पहचान नहीं की जा सके। परिजनों ने कहा कि युवती 23 नवंबर को होटल के कमरे से बाहर गीले कपड़े लाने के लिए निकली और इसके बाद से वह लापता थी तथा उसका शव 26 नवंबर को बरामद किया गया। कान की बाली और नाक में पहने गये आभूषण, हाथ में बंधे लाल धागे और पैर में बंधे काले धागे से पिता ने अपनी बेटी की पहचान की।

मुंबई में नहीं थम रहा खसरा का कहर

11 और मामले आए सामने, एक संदिग्ध की मौत

मुंबई, 29 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में खसरा का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। महानगर में आज फिर एक बार 11 नए मामले सामने आए हैं और एक संदिग्ध की मौत हुई है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी)के अधिकारी ने सोमवार को कहा कि ताजा मामलों के साथ, महानगर में इस साल अब तक संक्रमण की संख्या 303 हो गई है। खसरे से मरने वालों की संख्या आठ हो गई है और संदिग्ध मौतें तीन हैं। बयान में कहा गया कि सोमवार को शहर के पश्चिम में स्थित अंधेरी इलाके में रहने वाली जिस एक वर्षीय बच्ची की मौत हुई है उसका टीकाकरण नहीं हुआ था।

मुंबई में टीकाकरण पर जोर

नागरिक निकाय ने एक बयान में कहा कि मुंबई नौ महीने से पांच साल के आयु वर्ग के 1,34,833 बच्चों को टीका लगाएगा। उन्हें एक दिसंबर से 33 स्वास्थ्य चौकियों में अतिरिक्त खुराक (विशेष खुराक) मिलेगी। 13 स्वास्थ्य चौकियों में छह से नौ महीने के आयु वर्ग के कुल 3,496 बच्चों, जहां नौ महीने से कम आयु वर्ग के खसरे के मामले सामने आए हैं, को भी खसरा-रूबेला के टीके की अतिरिक्त खुराक दी जाएगी। बीएमसी ने अब तक 53,66,144 घरों का सर्वेक्षण किया है और 4,062 बुखार के मामले पाए गए हैं। बीएमसी ने अब तक 53,66,144 घरों का सर्वेक्षण किया तथा बुखार आने और शरीर पर चकत्ते पड़ने के 4,062 मामलों का पता लगाया है।

इन अस्पतालों में खसरा के मरीज

बुलेटिन के अनुसार, मुंबई के 24 सिविक वार्डों में से 10 में 21 स्थानों से खसरा फैलने की सूचना मिली है। खसरे से संक्रमित रोगियों को आठ अस्पतालों - कस्तूरबा अस्पताल, शिवाजी नगर प्रसूति गृह, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर अस्पताल, राजावाड़ी अस्पताल, शताब्दी अस्पताल, कुर्ला भाभा अस्पताल और क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले अस्पताल और सेवन हिल्स अस्पताल में इलाज के लिए अलग या भर्ती कराया गया है।

जम्मू में शहीद हुआ भिवानी का बेटा:ग्रेनेड ड्रिल के दौरान शहीद हुआ कैप्टन निदेश सिंह

भिवानी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू में ग्रेनेड ड्रिल के दौरान कैप्टन निदेश सिंह शहीद हो गए। कैप्टन निदेश भिवानी के गांव नंदगांव के रहने वाले थे। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे उनके पार्थिव शरीर को गांव में लाया जाएगा। राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी। निदेश 2 बहनों के इकलौते भाई थे। उनकी बड़ी बहन एयरफोर्स में डॉक्टर है। वहीं पिता भी सूबेदार

मेजर के पद से रिटायर हुए हैं।

एनडीए के जरिए सेना में भर्ती हुए

26 सितंबर 1998 को गांव नंद गांव में जन्मे कैप्टन निदेश सिंह एनडीए के जरिए 12 दिसंबर 2020 को सेना में भर्ती हुऐ थे। इनके पिता दीवान सिंह आर्मी से सूबेदार मेजर पद से रिटायर्ड हैं। और मां मनोज यादव गृहिणी हैं। शहीद निदेश 2 बहनों के भाई थे। बड़ी बहन मनीषा यादव एयरफोर्स में डॉक्टर हैं। छोटी बहन अल्का यादव दिल्ली की निजी कंपनी में मैनेजिंग डायरेक्टर पद पर कार्य कर रही है। कैप्टन के शहीद होने पर गांव व जिले के लोगों में दुख का माहौल है।

24 साल की उम्र में शहादत

पूर्व सैनिक संघ के भिवानी जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने बताया कि मात्र 24 साल की उम्र में कैप्टन निदेश सिंह शहीद हो गए। उन्होंने बताया कि निदेश की अभी शादी भी नही हुई थीं। उन्होंने बताया निदेश यूनिट 18 सिखलाई इन्फेंट्री के तैनात थे। आज सोमवार को दिन में ग्रेनेड ड्रिल के दौरान ग्रेनेड फट गया और भिवानी का लाल कैप्टन निदेश सिंह शहीद हो गया। उनके पार्थिव शव को भिवानी से गांव नांदगांव तक लेकर जाया जाएगा।

सुविचार: बेकार के कार्यों की अपेक्षा व्यायाम करने से तुम स्वर्ग के अधिक समीप पहुंच सकोगे।

संक्रांति के बाद सभी योग्य लाभार्थियों के मिलेगा 2बीएचके घर : केटीआर

राजन्ना सिरिसिल्ला, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामाराव ने मंगलवार को कहा कि संक्रांति त्योहार के बाद सभी पात्र लोगों को डबल बेडरूम वाले घर स्वीकृत किए जाएंगे। सिरसिल्ला में हो रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि जिले में किसी को भी घर के बिना नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र परिवारों को राजनीतिक सम्बद्धता से इतर दो शयन कक्ष गृह उपलब्ध कराये जायें, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संक्रान्ति तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जिले के सभी मंडलों में बेघर लोगों की सूची तैयार करें. सभी पात्र परिवारों को मकान देने का आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। मंत्री, जिन्होंने अधिकारियों को जिले को स्वीकृत सभी 6,886 घरों को पूरा करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया, ने कहा कि यह सरपंचों, एमपीटीसी, जेडपीटीसी और एमपीपी की जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्वीकृत घरों को जमीन पर उतारें। यह इंगित करते हुए कि सिरसीला खंड की तर्ज पर वेमुलावाड़ा, चौपडांडी और मनकोंडुर निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों को घर स्वीकृत किए जाने चाहिए, उन्होंने कहा कि सिरसिला शहर में वितरण के लिए तैयार घरों को दिसंबर के दूसरे सप्ताह या जनवरी तक वितरित किया जाना चाहिए। ड्रॉ के माध्यम से पारदर्शी तरीके से आवासों का वितरण किया जाना चाहिए।

सिरसिला जिले में 2बीएचके योजना को अन्य जिलों की तुलना में बहुत आगे बताते हुए, रामाराव ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की सराहना की और कहा कि घर का निर्माण और बेटी की शादी करना सबसे कठिन काम था। हालांकि, राज्य सरकार ये दोनों काम गरीबों को आर्थिक बोझ से राहत दिलाने के लिए कर रही है। मंत्री ने मस्तबाद मंडल के चिकोडू और मोरईपल्ली, येल्लारेड्डीपेट मंडल के पडीरा, बंदलिंगापल्ली और अक्कापल्ली और गाम्बिराओपेट और थंगलापल्ली मंडलों के कुछ गांवों में घरों के निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की।

तेलंगाना के लिए तीन महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं को केंद्रीय मंजूरी मिली

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक बड़े घटनाक्रम में, केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने मंगलवार को तेलंगाना में तीन महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी दी। परियोजनाएं बहुप्रतीक्षित मुक्तेश्वर (चिन्ना कालेश्वरम) जयशंकर भूपालपल्ली जिले में लिफ्ट सिंचाई योजना (एलआईएस), आदिलाबाद जिले में चनाका-कोरटा बैराज और निजामाबाद जिले में चौटपल्ली हनुमंत रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना हैं। नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय के सचिव पंकज कुमार की अध्यक्षता में तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की बैठक के दौरान तीनों परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

सिंचाई अधिकारियों के मुताबिक, पिछले साल जुलाई में केंद्र सरकार ने गजट नोटिफिकेशन जारी कर कहा था कि तेलंगाना सरकार द्वारा ली गई तीनों परियोजनाओं को औपचारिक मंजूरी नहीं मिली है। तुरंत जवाब देते हुए, राज्य सरकार ने पिछले साल सितंबर में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) को एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट सौंपी। तदनुसार, सीडब्ल्यूसी में संबंधित सभी निदेशालयों ने प्रस्तावों की जांच की और उन्हें मंजूरी दे दी। बाद में, जीआरएमबी ने इस साल अप्रैल में हुई 13वीं बोर्ड बैठक के दौरान प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की और सीडब्ल्यूसी को अपनी सिफारिश भेजी। आंध्र प्रदेश द्वारा उठाई गई आपत्तियों की समीक्षा करने के बाद, आयोग ने तकनीकी आर्थिक मंजूरी प्रदान करने के लिए टीएसी को अपनी सिफारिशें कीं।

मंगलवार को आयोजित टीएसी की बैठक के दौरान, तेलंगाना के अधिकारियों ने समिति द्वारा उठाए गए चिंता के विभिन्न मुद्दों पर स्पष्टीकरण दिया। इससे संतुष्ट होकर समिति के अध्यक्ष पंकज कुमार ने बैठक की कार्यवाही शीघ्र जारी करने की बात कही।

बंडी संजय ने भैंसा सांप्रदायिक दंगा पीड़ितों के साथ बातचीत की

भैंसा, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज भैंसा दंगों के पीड़ितों से बातचीत की। उन्होंने उन 30 परिवारों के सदस्यों से मुलाकात की, जिन्होंने दंगों में अपना घर खो दिया है। बातचीत के दौरान उन्होंने परिवारों की आर्थिक स्थिति के बारे में जानकारी ली। बातचीत के दौरान पीड़ित भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। संजय ने परिजनों को ढांढस बंधाया। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने पीडी एक्ट के तहत मामले दर्ज किए, हालांकि दंगों में उन्हें बहुत नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि संकट के समय भाजपा और उसके नेता उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार अभी भी उन्हें परेशान कर रही है।

तीन महीने के बच्चे को संजय ने नाम दिया

इस बीच, बंडी संजय ने एक तीन महीने के बच्चे का नाम रखा, जो भैंसा शहर के कोरवागल्ली का है। उन्होंने बच्चे का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर विश्वेश नरेंद्र मोदी येदला रखा। बेबी बॉय कपल येदला महेश और नागा ज्योस्ना का बेटा है। दंपत्ति ने संजय से कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत पसंद करते हैं और कहा कि वे अपने बेटे का नाम मोदी के नाम पर रखना चाहते हैं। संजय ने बाध्य होकर लड़के का नाम रखा।

आम चुनाव में टीआरएस के साथ गठबंधन जारी रखेगी भाकपा : कुनमनेनी

यदाद्री-भोंगिर, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी आगामी आम चुनावों में भी टीआरएस के साथ गठबंधन जारी रखेगी। यादगिरिगुट्टा में एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, संबाशिव राव ने कहा कि आने वाले आम चुनावों में भाकपा और टीआरएस के बीच गठबंधन दोनों दलों की आपसी समझ पर आधारित होगा। उन्होंने देश को भाजपा से बचाने के लिए वैचारिक रूप से समान दलों के बीच एकता की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है और युवाओं को भड़का रही है, जिससे शांतिपूर्ण माहौल खराब होगा। भाजपा राज्य में राष्ट्रपति शासन लाने की साजिश के साथ काम कर रही थी। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने सत्ताधारी पार्टी के चार विधायकों को खरीदकर टीआरएस सरकार को गिराने की कोशिश की थी। भाजपा सरकार विपक्षी दलों के नेताओं को ईडी और आईटी छापों से भी आतंकित करने की कोशिश कर रही थी। सीपीआईतेलंगाना राज्य में टीआरएस नेताओं और मंत्रियों के घरों और कार्यालयों पर ईडी और आईटी के छापे की कड़ी निंदा कर रही है। यह कहते हुए कि नरेंद्र मोदी सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है, उन्होंने कहा कि भारत असमानताओं में 120वें स्थान पर, बेरोजगारी में 100वें स्थान पर और भूख सूचकांक में 107वें स्थान पर है। श्रीलंका जैसी स्थिति आने वाले दिनों में भारत में आएगी और लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विद्रोह करेंगे। कई देश, जो भौगोलिक रूप से भारत से छोटे हैं, ने बेहतर विकास देखा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीतियां देश की संपत्ति को चंद उद्योगपतियों के हाथों में केंद्रित कर देंगी।

टीएसआरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं पर सीपीएम ने सीएम केसीआर को लिखा पत्र

श्रमिक संघों पर से प्रतिबंध हटाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सीपीएम से लेफ्ट पार्टी ने आज राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर को एक खुला पत्र लिखा और उनसे टीएसआरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने का आग्रह किया। उनके वेतन बकाया के अलावा उन पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने का आग्रह किया। निगम की यूनियनों पर पत्र में सीपीएम के राज्य सचिव तम्मिनेनी वीरभद्रम ने कहा कि मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव प्रचार के दौरान आरटीसी कार्यकर्ताओं के सामने आने वाली महत्वपूर्ण समस्याओं को वह पहले ही सामने ला चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने निगम कर्मचारियों की समस्याओं को राज्य के परिवहन मंत्री और टीएसआरटीसी अध्यक्ष के संज्ञान में लाया। उन्होंने कहा कि उन्हें निगम के कर्मचारियों की समस्याओं पर निगम के अधिकारियों द्वारा आयोजित एक बैठक के बारे में पता चला और कहा कि उक्त बैठक एक महीने पहले आयोजित की गई थी। उन्होंने सीएम से कहा कि अधिकारियों की बैठक के एक महीने बाद भी इस मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हुई है और कहा कि निगम कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने में देरी से कर्मचारियों में काफी निराशा हुई है. उन्होंने सीएम से इस मुद्दे में हस्तक्षेप करने और श्रमिक संघों पर प्रतिबंध हटाने, 2017 और 2021 की पीआरसी सिफारिशों को लागू करने, वेतन बकाया का भुगतान करने और सीसीएस को 850 करोड़ का भुगतान तुरंत करने का आग्रह किया।

11वां वेतन बोर्ड : एससीसीएल कर्मचारी व टीबीजीकेएस नेताओं ने किया प्रदर्शन

कोठागुडेम, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बोग्गु गनी कर्मिका संघम (टीबीजीकेएस) के नेताओं ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन 11वें वेतन बोर्ड समझौते को अंतिम रूप देने और इसे लागू करने में बुरी तरह विफल रहे हैं। एससीसीएल के कर्मचारियों, टीबीजीकेएस के नेताओं और सदस्यों ने मंगलवार को कोठागुडेमऔर खम्मम जिलों के सभी क्षेत्रों में खदानों, ओपन कास्ट और विभागों में काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। टीबीजीकेएस के उपाध्यक्ष मोहम्मद रजाक (कोथागुडेम क्षेत्र) और एम सोमी रेड्डी (कॉर्पोरेट क्षेत्र), एम सोमी रेड्डी वीपी कॉर्पोरेट, क्षेत्रीय सचिव के वीरभद्रम, 11 सदस्यीय समिति के सदस्य कापू कृष्णा और अन्य ने विरोध प्रदर्शनों में भाग लिया। मीडिया से बात करते हुए नेताओं ने शिकायत की कि 11वें वेतन बोर्ड समझौते को 18 महीने पहले अंतिम रूप दिया जाना था और इसे चालू करना था लेकिन 18 महीने बीत जाने के बाद भी समझौते को अंतिम रूप दिया गया। यह राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों की सुस्ती के कारण है। रजाक और सोमी रेड्डी ने राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन नेताओं से कर्मचारियों के कल्याण पर ध्यान देने की मांग की। कार्यान्वयन में देरी इसलिए हुई क्योंकि राष्ट्रीय नेताओं के पास पूर्व योजना का अभाव था। राष्ट्रीय नेताओं को कम से कम 11 महीने के लिए अंतरिम राहत पाने की कोशिश करनी चाहिए। वे चाहते हैं कि राष्ट्रीय नेता कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के अधिकारियों पर गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 11वें वेतन बोर्ड समझौते को तत्काल प्रभाव से अंतिम रूप देने के लिए दबाव डालें और यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारियों के वेतन में न्यूनतम गारंटीकृत लाभ (एमजीबी) का प्रतिशत 10वीं वेतन बोर्ड से अधिक होना चाहिए। कोयला उद्योग के लिए 11वीं संयुक्त द्विदलीय समिति (जेबीसीसीआई) की सातवीं बैठक बुधवार को कोलकाता में होने वाली थी, जिसमें एससीसीएल के निदेशक (पीए एंड डब्ल्यू) एस चंद्रशेखर और कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

पासपोर्ट सेवा केंद्र व पीओपीएसके 3 दिसंबर को खुले रहेंगे

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तत्काल / सामान्य श्रेणी के तहत पासपोर्ट आवेदन जमा करने के लिए लंबे नियुक्ति चक्र को नीचे लाने के लिए, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, हैदराबाद ने सभी पांच पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) हैदराबाद में तीन (अमीरपेट, बेगमपेट) और टॉलीचौकी) और करीमनगर और निजामाबाद में एक-एक, और सभी 14 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके), पासपोर्ट आवेदनों को संसाधित करने के लिए शनिवार, 3 दिसंबर को को खोलने का फैसला किया है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पूर्ण नियुक्तियों को 70 प्रतिशत तत्काल और 30 प्रतिशत सामान्य के रूप में जारी किया जाएगा। आवेदकों से अनुरोध किया गया था कि तत्काल श्रेणी के तहत आवेदन प्रक्रिया के लिए प्रस्तुत करने के लिए पात्र दस्तावेजों की सूची के लिए पासपोर्ट सेवा पोर्टल देखें। सामान्य श्रेणी के आवेदनों पर कार्रवाई के लिए सभी 14 पीओपीएसके में पूर्ण नियुक्तियां जारी की जाएंगी। एक या दो दिन में जारी की जाने वाली नियुक्तियां उन लोगों के लिए उपलब्ध होंगी जो पुनर्निर्धारित/प्रीपोन करना चाहते हैं और नए आवेदकों के लिए भी। हालांकि, इस विशेष शनिवार ड्राइव के लिए केवल एक प्रीपोनमेंट/एक रीशेड्यूलिंग की अनुमति होगी और आवेदकों को सलाह दी गई थी कि वे सावधानी से प्रीपोन का निर्णय लें और यदि वे बदलने के एकल अवसर के बाद उपस्थित होने में विफल रहते हैं तो उनके पास रीशेड्यूल/दूसरी तारीख चुनने का कोई अवसर नहीं होगा। सभी आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे या तो www.passportindia.gov.inपोर्टल या mPassportseva ऐप के माध्यम से इस सुविधा का उपयोग करें और संबंधित पीएसके/पीओपीएसके से संपर्क करें जहां स्लॉट बुक हैं।

इसके अलावा, आवेदकों को सूचित किया गया था कि पूर्व नियुक्ति अनिवार्य है और पीएसके में किसी भी तरह के अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, सभी आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पासपोर्ट और पासपोर्ट संबंधी आवश्यकताओं के लिए बिचौलियों/दलालों/दलालों से संपर्क न करें और इस विशेष उपाय का उपयोग करें।

दो बाइक चोर गिरफ्तार, 16 वाहन बरामद

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सीसीएस की विशेष टीम (दक्षिण) ने मंगलवार को चट्रीनाका पुलिस के साथ शहर में दोपहिया वाहनों की चोरी में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से 16 वाहन बरामद किए हैं। गिरफ्तार लोगों की पहचान उप्पुगुड़ा निवासी टी. आकाश और जेडचेरला के मोहम्मद सोहेल के रूप में हुई है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (जासूसी विभाग) ने बताया कि आकाश सार्वजनिक स्थानों पर घूमता रहता था और अच्छी हालत वाले वाहनों की पहचान होने पर डुप्लीकेट चाबी से ताला खोलकर चोरी कर लेता था। वह वाहनों को जेचेर्ला के सोहेल के पास ले गया और उसे सस्ते दाम पर बेच दिया। वाहनों को बाद में बिना किसी दस्तावेज के लोगों को प्री-ओन्ड वाहन बाजार मूल्य से कम कीमत पर बेचा गया। वे छत्रीनाका में पांच मामलों में, शाहइनायतगंज में तीन मामलों के अलावा कामटीपुरा, काचीगुड़ा, मोघलपुरा, मदनपेट और राजेंद्रनगर में एक-एक मामले में शामिल है और दो अन्य मामलों में जहां मालिकों ने पुलिस में कोई शिकायत दर्ज नहीं की है।

स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने में जुटी सरकार

जीएचएमसी विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित करेगा 37 और बस्ती दवाखाना

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित मौजूदा 263 बस्ती दावाखानों की सफलता से उत्साहित, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) विभिन्न स्थानों पर ऐसी 37 और सुविधाएं स्थापित कर रहा है, जो शहरी गरीबों के लिए स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे को और मजबूत कर रही हैं। जीएचएमसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जीएचएमसी की सीमा में 150 वार्ड हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए योजना तैयार की गई है कि 300 बस्ती दावाखाना हैं, यानी प्रत्येक वार्ड में कम से कम दो सुविधाएं हैं, ये क्लीनिक उन लोगों के लिए वरदान बन गए हैं जो कॉर्पोरेट अस्पतालों या निजी क्लीनिकों में महंगा इलाज नहीं करा सकते।

57 प्रकार की चिकित्सा सेवाओं की पेशकश करने वाले इन बस्ती दवाखानों के साथ, वे अपने लॉन्च के बाद से एक त्वरित हिट बन गए हैं, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को इन स्थानों पर मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। बस्ती दवाखानों में बाह्य रोगी (ओपी) सेवाओं की पेशकश के अलावा, कई बुनियादी नैदानिक परीक्षण किए जाते हैं। इन दवाखानों में किए जाने वाले परीक्षणों में गर्भावस्था और शिशु परीक्षण, टीकाकरण, एनीमिया, बीपी, शुगर/मधुमेह और कैंसर परीक्षण शामिल हैं।

बस्ती दवाखानों के कर्मचारियों द्वारा जागरूकता अभियान भी चलाया जाता है ताकि लोग मौसमी बीमारियों और अन्य बीमारियों से खुद को बचा सकें। जीएचएमसी ने कहा कि बस्ती दवाखानों में सर्वोत्तम संभव उपचार प्रदान करने के प्रयास चल रहे हैं और कुछ मामलों को सरकारी अस्पतालों में भेजा जा रहा है।

दमरे ने महबूबनगर-गदवाल के बीच विद्युतीकरण कार्य पूरा किया

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिशन विद्युतीकरण पर जोर देते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे ने 82.8 मार्ग किलोमीटर (आरकेएम) की दूरी के लिए महबूबनगर-गडवाल के बीच विद्युतीकरण कार्य पूरा कर लिया है। इसके साथ, चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल 385 आरकेएम का विद्युतीकरण किया जा चुका है। यह चालू वित्त वर्ष में किए गए विद्युतीकरण के मामले में भारतीय रेलवे के सभी क्षेत्रों में सबसे अधिक है।

महबूबनगर-गदवाल स्टेशनों के बीच के खंड को धोन-कुर्नूल सिटी-महबूबनगर के हिस्से के रूप में सिकंदराबाद-मुदखेड़-मनमाड विद्युतीकरण परियोजना विद्युतीकृत किया गया है। यह परियोजना वर्ष 2015-16 में 900 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 783 किलोमीटर की दूरी के लिए स्वीकृत की गई थी। सिकंदराबाद-महबूबनगर के बीच के हिस्से को अलग परियोजना के हिस्से के रूप में पहले ही विद्युतीकृत किया जा चुका है। गडवाल-रायचूर के बीच के खंड के पहले से ही विद्युतीकृत होने के साथ, यात्री और मालगाड़ियाँ दोनों अब हैदराबाद-रायचूर और उससे आगे विद्युत कर्षण के साथ यात्रा कर सकती हैं।

चालू वित्त वर्ष में विद्युतीकरण का काम तेज गति से चल रहा है, जिसमें अंतिम छोर तक बिजली पहुंचाने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप जोन 1 अप्रैल, 2022 से अब तक 385 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण शुरू कर चुका है। चालू वित्तीय वर्ष में शुरू किए गए खंडों में शामिल हैं, वाशिम-हिंगोली डेक्कन 46.3 किलोमीटर, कलिकिरी-तुम्मानमगुट्टा 49.9 किलोमीटर, खानापुर-लातूर रोड 98.7 किलोमीटर, मनोहराबाद-कामरेड्डी 67.3 किलोमीटर, अरावली-निदादावोलु 32.8 किलोमीटर, भवनपलेम-सत्तुपल्ली 14.3 किलोमीटर के लिए, 3.2 किलोमीटर के लिए गूटी बाईपास लाइन और 72.7 किलोमीटर के लिए महबूबनगर-गडवाल शामिल है।

रेल लाइनों का विद्युतीकरण कर्षण शक्ति में परिवर्तन से बचकर ट्रेनों की निर्बाध आवाजाही प्रदान करने में मदद करता है, कोचिंग और मालगाड़ियों दोनों के मार्ग में अवरोधन को कम करता है और ट्रेनों की औसत गति में सुधार करता है। अनुभागीय क्षमता में वृद्धि के कारण इन खंडों में और अधिक ट्रेनों को शुरू करने की क्षमता है। यह एक ही समय में ईंधन की लागत बचाने के साथ-साथ ट्रेनों को शक्ति प्रदान करने का एक पर्यावरण-अनुकूल साधन भी है।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने विद्युतीकरण कार्यों को अंजाम देने के लिए उत्कृष्ट टीम वर्क और समर्पण के लिए इलेक्ट्रिकल विंग के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

महाप्रबंधक ने यह भी कहा है कि जोन द्वारा विभिन्न खंडों में एक साथ विद्युतीकरण कार्य किया जा रहा है और तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि जोन अपने रेल नेटवर्क में मौजूदा ब्रॉड गेज लाइनों के 100 प्रतिशत विद्युतीकरण की दिशा में तेजी से काम कर रहा है।

कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी ने वाईएस शर्मिला के काफिले पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने आज सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा वाईएसआरटीपी के संस्थापक अध्यक्ष वाईएस के काफिले पर हमले की निंदा की। उन्होंने सीएम केसीआर से पूछा कि क्या वह एक महिला नेता को नहीं देखते हैं एक राजनीतिक दल के अध्यक्ष के रूप में? पुलिस द्वारा शर्मिला को उनकी पदयात्रा निकालने की अनुमति रद्द करने का जिक्र करते हुए उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि जिस यात्रा को लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जा रहा है, उसकी अनुमति कैसे रद्द की जा सकती है। उन्होंने लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी लोगों से पुलिस के कृत्य की निंदा करने को कहा। उन्होंने अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य वाईएसआर के पूर्व सीएम की प्रतिमा को तोड़े जाने की निंदा करते हुए राज्य सरकार से एक बार फिर से वाईएसआर की प्रतिमा बनाने की मांग की. उन्होंने सत्ताधारी दल के नेताओं से पूछा कि वे एक महिला नेता पर अपने हमले को कैसे अंजाम दे सकते हैं? उन्होंने साफ किया कि राज्य में मुफ्त बिजली देने का श्रेय पूर्व सीएम वाईएसआर को जाता है. उन्होंने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना पूर्व सीएम वाईएसआर द्वारा शुरू की गई प्राणहिता चेवेल्ला परियोजना का विस्तार है।

दलित बंधु अच्छी योजना है, किंतु इस पर सत्ताधारी पार्टी के नेताओं का कब्जा : न्यायमूर्ति पद्मनाबा रेड्डी

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यायमूर्ति पद्मनाबा रेड्डी ने मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में कहा कि सीएम के. चंद्रशेखर राव द्वारा शुरू की गई दलित बंधु योजना प्रशंसनीय है। हम तेलंगाना के मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए साहसिक निर्णय का पूरी तरह से समर्थन करते हैं और राज्य सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान 17,700 करोड़ और दलित बंधु पर आने वाले पांच वर्षों में 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। योजना के कार्यान्वयन के संबंध में बहुत सारी प्रतिकूल प्रेस रिपोर्टें हैं। हमने फोरम फॉर गुड गवर्नेंस से वसलामरी गांव (तुर्कपल्ली मंडल) का एक छोटा सा सर्वेक्षण किया जहां पहली बार योजना शुरू की गई थी। हमारे सर्वेक्षण में, हमने पाया कि योजना को धरातल पर उतारने के एक साल बाद भी कोई ठोस परिणाम नहीं देखा जा सका। उन्होंने बताया कि गतिविधियों की ठीक से पहचान नहीं की गई थी। चुनने और चुनने में आसान तरीका अपनाया गया था और चयनित गतिविधियों में ज्यादातर माल वाहन और डोजर हैं। ज्यादातर मामलों में, लाभार्थी या परिवार के अन्य पुरुष सदस्यों के पास वाहन चलाने का लाइसेंस नहीं होता है, इसलिए उन्हें ड्राइवर को काम पर रखने के लिए मजबूर किया जाता है जिससे लागत बढ़ जाती है और बाद में कुछ ने संपत्ति का निपटान कर दिया है। लगभग 14 लाभार्थियों ने मुर्गी पालन का विकल्प चुना। एक साल बीत जाने के बाद भी अभी तक यूनिट शुरू नहीं हुई है। डिमांड सर्वे नहीं हुआ और मार्केटिंग की समस्या होगी।

शिवलिंग पर बयानबाजी मामले में 6 दिसंबर को सुनवाई

कोर्ट ने थाने से तलब की रिपोर्ट, वकील बोले– अखिलेश और ओवैसी को जमानत नहीं मिलेगी

वाराणसी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर स्थित वुजूखाने में गंदगी करने और नेताओं की भड़काऊ बयानबाजी पर आज वाराणसी न्यायालय में सुनवाई हुई। उज्ज्वल उपाध्याय की अदालत ने इस मामले में चौक थाने से आख्या या रिपोर्ट भी तलब की है। साथ ही अगली सुनवाई के लिए 6 दिसंबर की तारीख तय कर दी। अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय ने कहा कि मुकदमा होते ही 24 घंटे में गिरफ्तारी होगी और जमानत भी नहीं मिलेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और एआईएमआईएम के नेशनल प्रेसीडेंट और हैदराबाद संसाद असदुद्दीन ओवैसी की बयानबाजी के खिलाफ चौक थाने में मुकदमा दाखिल करने के लिए सुनवाई चल रही है।

दाखिल वाद में आज एसीजेएम 5th/एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इसके पहले की तारीखों पर एडमिशन अर्जी को सुनवाई योग्य यानी कि पोषणीय पाया है। वहीं, अर्जी पर सुनवाई के लिए 29 नंबर की तारीख दी थी।

हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं पर कुठाराघाट किया

वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय ने कोर्ट में अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह के जरिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप लगाया था कि ज्ञानवापी परिसर में नमाजियों की ओर से वजूखाने में हाथ-पैर धोए जाते है और गंदगी फैलाई जाती है। जबकि, वह स्थान हमारे आराध्य भगवान शिव का है। यह हिंदू समाज के लिए अपमानजनक है।

साथ ही सर्वे में मिली शिवलिंग की आकृति को लेकर असदुद्दीन ओवैसी और सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव आदि ने उल-जुलूल बयान देकर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं पर कुठाराघात किया था। उन्होंने शिव संग मजाक किया था।

एडवोकेट ने कहा कि कोर्ट ने चौक थाने से रिपोर्ट तलब की। अब 6 दिसंबर को पैरोकार के माध्यम से थाना की ओर से रिपोर्ट भेजी जाएगी कि मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। उस स्थिति में कोर्ट धारा 156 बी के तहत थाने को मुकदमा करने का आदेश देगी। संगीन धारा 154 के तहत मुकदमा दर्ज होते ही यह संज्ञेय अपराध बन जाएगा।

अभियुक्तों को तुरंत हिरासत में लेकर 24 घंटे में मजिस्ट्रेट के सामने तलब होंगे। उसके बाद मामला कोर्ट में आएगा और इस धारा में यह जमानतीय अपराध नहीं है। इसलिए, हम लोग जमानत भी नहीं लेने देंगे।

शिवपाल पर सीबीआई का शिकंजा

गोमती रिवर फ्रंट घोटाले में पूछताछ करेगी, शासन से अनुमति मांगी

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। गोमती रिवर फ्रंट घोटाला मामले में सीबीआई ने शिवपाल सिंह यादव से पूछताछ की अनुमति मांगी है। इस पर शासन ने निर्णय लेने के लिए सिंचाई विभाग से संबंधित रिकॉर्ड तलब किया है। शासन के एक अधिकारी ने बताया कि रिकॉर्ड के आधार को देखते हुए सीबीआई को पूछताछ की अनुमति दे दी जाएगी। शिवपाल के साथ ही दो अफसरों से भी पूछताछ होनी है।

बता दें कि 2017 में सत्ता में आते ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोमती रिवर फ्रंट की न्यायिक जांच कराई थी। न्यायिक जांच में भारी घोटाला सामने था। इसके बाद मामला सीबीआई को सौंप दिया गया। सीबीआई कई इंजीनियरों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, दो आईएएस अधिकारी समेत तत्कालीन सिंचाई मंत्री की भूमिका की भी जांच करना चाहती है। गोमती रिवर फ्रंट परियोजना के लिए सपा सरकार ने 2014-15 में 1513 करोड़ रुपए स्वीकृत किए थे। सपा सरकार के कार्यकाल में ही 1437 करोड़ रुपए जारी कर दिए गए थे। स्वीकृत बजट की 95 फीसदी राशि जारी होने के बावजूद 60 फीसदी काम पूरा नहीं हो पाया। न्यायिक जांच में तो परियोजना को भ्रष्टाचार का पर्याय करार दिया गया। सीएम योगी के पेंडुलम बयान पर शिवपाल यादव की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि पेंडुलम पर अखिलेश, अच्छा जवाब दे चुके हैं। मुझे फुटबॉल कहने पर सिर्फ इतना कहूंगा कि जब अच्छा खिलाड़ी होता है, तो वो सीधे गोल मारता है। अब मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में डिंपल का गोल देखिएगा। शिवपाल ने आगे कहा कि अब मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जीत का दायरा और बड़ा होगा। बीजेपी का प्रत्याशी और बुरी तरह से हारेगा। दरअसल, एक दिन पहले मैनपुरी में प्रचार करने के लिए सीएम योगी ने कहा था कि शिवपाल यादव की स्थिति पेंडुलम की तरह हो चुकी है।

योगी ने शिवपाल पर निशाना साधते हुए कहा था, "यहां कुछ लोग फुटबाल बन गए हैं। वे पेंडुलम की तरह घूमते रहते हैं। ऐसे लोगों की कोई पहचान नहीं होती है। उनको कोई भी लात मार कर किनारे कर देता है।"

सीएम योगी के इस बयान पर अखिलेश ने अपने ट्वीट में कहा, शिवपाल सिंह यादव की सुरक्षा श्रेणी को कम करना आपत्तिजनक है। साथ ही ये भी कहना है कि पेंडुलम समय के गतिमान होने का प्रतीक है और वो सबके समय को बदलने का संकेत भी देता है और ये भी कहता है कि ऐसा कुछ भी स्थिर नहीं है जिस पर अहंकार किया जाए। शिवपाल यादव अपने भतीजे अखिलेश के साथ इस वक्त मैनपुरी लोकसभा उप चुनाव में प्रचार कर रहे हैं। प्रत्याशी उनकी बहू डिंपल यादव हैं। राजनीति की इस बिसात पर उन्हें फायदा होगा या नुकसान, ये आने वाला वक्त बताएगा। मगर कुछ साइड इफेक्ट्स पहले ही दिखने लगे है। अखिलेश के करीब जाते ही योगी सरकार ने शिवपाल यादव की जड कैटेगरी की सुरक्षा में कटौती कर दी है। बहू डिंपल के समर्थन के बाद उनकी सुरक्षा वाई कैटेगरी कर दी गई है। सुरक्षा मुख्यालय से आदेश भी जारी हो गया है।

सपा नेता आजम खान ने की जान देने की बात

बोले– जिंदा हूं, क्योंकि खुदकुशी हराम है

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश की रामपुर विधानसभा उपचुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान एक जनसभा को संबोधित करते हुए भावुक हो गए। आजम खान ने सभा के दौरान आंसू पोछते हुआ कहा कि मैं खुदकुशी नहीं कर सकता क्योंकि ऐसा करना हराम है। अब बस एक जुल्म रह गया है कि वह मुझे भारत से बाहर निकाल दें। वह मुझे मार नहीं सकते क्योंकि वह मुझे एड़ियां रगड़-रगड़ कर मारना चाहते हैं। आजम खान रामपुर उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार आसिम राजा के समर्थन में हो रही रैली को संबोधित कर रहे थे।

"मैं तुम्हारे बच्चों को डीएम एसपी बनाना चाहता था"

इस दौरान आजम खान ने कहा कि मुझे तो सजा मिल गयी है लेकिन बचोगे आप भी नहीं, मैंने दुनियाभर से रुपए मांग कर विश्वविद्यालय बनाया लेकिन ईडी जांच कर रही है। हथकड़ियां मेरा इंतेजार और कैद मेरा इंतेजार कर रही है। यह सब मैंने तुम्हारे बच्चों के भविष्य की खातिर किया। मैं तुम्हारे बच्चों को डीएम एसएसपी बनाना चाहता था। क्या यही मेरा गुनाह था?

आगरा को चाहिए छत्रपति शिवाजी, न कि मुगल

सपा पर निशाना साध बोले यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ

आगरा, 29 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार आगरा के लिए 488 करोड़ रुपये की 88 विकास परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए पिछली सरकार पर निशाना साधा और कहा कि पहले आगरा में काम होता था लेकिन उसके पीछे की मंशा अलग थी। संग्रहालय के काम के नाम पर यहां एक तमाशा (नाटक) बनाया गया था। आगरा में एक मुगल संग्रहालय बनाया जा रहा था। हमने कहा कि शहर को छत्रपति शिवाजी महाराज की जरूरत है मुगलों की नहीं। और हमने आगरा में इस संग्रहालय को शिवाजी को समर्पित कर दिया।

"हमने बदली आगरा की तस्वीर"

आगरा के तारघर मैदान में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसी ने आगरा के बदलते चेहरे को देखा है जिसे 2017 से पहले सबसे गंदे शहरों में से एक के रूप में जाना जाता था। आगरा में प्रदूषण इस हद तक था कि सुप्रीम कोर्ट को सारे उद्योग बंद करने पड़े। कोई नया निर्माण नहीं हो रहा था। अराजकता और अव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए तत्कालीन सरकार पर तमाम तरह के प्रतिबंध लगाने पड़े।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत आगरा अब एक नया प्रतिमान स्थापित कर रहा है। इसमें आधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधाएं हैं। मेट्रो प्रणाली का निर्माण चल रहा है। अगले एक साल तक मेट्रो रेल की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। आगरा और उसके आसपास के क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार देने के लिए आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े उद्योगों की स्थापना में प्राथमिकता दी जाएगी।

"माफिया मांग रहे हैं रहम की भीख"

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य में सुरक्षा का बेहतर माहौल मुहैया कराया है और यूपी में बेहतर कानून व्यवस्था के कारण लोगों में डर पैदा करने वाले माफिया अब रहम की भीख मांग रहे हैं। जो माफिया पहले संगठित अपराध करता था वह गरीबों और व्यापारियों का जीवन दयनीय बना देता था। अब पुलिस ने उनका जीना दुश्वार कर दिया है।

माफिया अपने गले में तख्तियां लटकाए सड़कों पर घूम रहे हैं और अपनी जान की गुहार लगा रहे हैं और कह रहे हैं कि वे ठेले पर सब्जियां बेचने को तैयार हैं।

संगमनगरी पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

शंकराचार्य आश्रम में आराधना महोत्सव का करेंगे शुभारंभ, आरएसएस कार्यालय की बढ़ाई गई सुरक्षा

प्रयागराज, 29 नवंबर (एजेंसियां)। आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत आज मंगलवार को संगमनगरी प्रयागराज पहुंच गए हैं। सुबह करीब आठ बजे स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस से प्रयागराज पहुंचे और यहां से सीधे सिविल लाइंस स्थित आरएसएस के कार्यालय आनंदा आश्रम पहुंच गए। उनके आगमन को देखते हुए प्रयागराज जंक्शन और संघ कार्यालय के आस पास की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

संघ प्रमुख दोपहर दो बजे तक संघ कार्यालय पर रहेंगे फिर से यहां से सीधे अलोपीबाग स्थित शंकराचार्य आश्रम पहुंचेंगे। यहां पर ज्योतिष्पीठ के पीठोद्धारक ब्रह्मलीन सरस्वती के 150वें जन्मोत्सव के तहत आयोजित होने वाले आराधना महोत्सव में हिस्सा लेकर इसका शुभारंभ किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती के संयोजन में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम 8 दिसंबर तक चलेगा। दरअसल, डॉ. मोहन भागवत अक्टूबर में 10 दिन के लिए प्रयागराज प्रवास पर थे।

डांस करते हुए अचानक गिर पड़ा शख्स, हार्ट अटैक से हुई मौत

वाराणसी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी में दिल का दौरान पड़ने से एक शख्स की मौत हो गई। यहां पिपलानी कटरा औघड़नाथ तकिया के पास एक कार्यक्रम में नाचते हुए 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई है। मृतक का नाम मनोज विश्वकर्मा बताया जा रहा है। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें दिख रहा है कि मनोज नाचते हुए अचानक जमीन पर गिर पड़ते हैं। जिसके बाद परिजन तुरंत उन्हें पास के अस्पताल ले गए। जहां मनोज को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही पल भर में खुशियां मातम में बदल गई। परिजनों में कोहराम मच गया, सभी का रो रोकर बुरा हाल है। बरेली में एक होटल में आयोजित बर्थ डे पार्टी में डांस करते-करते आईवीआरआई कर्मचारी प्रभात कुमार (45) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई थी।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के

छात्रों ने किया वीसी का घेराव

छात्रनेता अजय यादव का प्रवेश निरस्त होने पर जताई नाराजगी, पुलिस से भिड़े

प्रयागराज, 29 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में मंगलवार को छात्रों ने जमकर हंगामा किया। छात्रनेता अजय यादव सम्राट का प्रवेश निरस्त होने के खिलाफ छात्रों ने कुलपति कार्यालय का घेराव किया। जैसे ही कुलपति प्रो. संगीता श्रीवास्तव विश्वविद्यालय के नॉर्थ हाल के प्रवेश द्वार पर पहुंची। वहां पर पहले से मौजूद तकरीबन 12 से अधिक छात्र नारेबाजी करने लगे। सुरक्षाबलों और पुलिसकर्मियों ने विरोध किया तो छात्रनेता अजय यादव सम्राट कुलपति की गाड़ी के आगे लेट गए।

छात्रनेता अपने दाखिले और पिछले पढ़ाई की मार्क शीट को लेकर कुलपति से वार्ता करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन कुलपति ने कोई जवाब नहीं दिया। मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल की सहायता से सभी छात्रों को बलपूर्वक हटा दिया गया। इसके बाद [प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव को अंदर ले जाया गया। इस दौरान छात्रों ने उनके खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान छात्रों की पुलिस से तीखी झड़प हुई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के चीफ डॉक्टर हर्ष कुमार ने अजय यादव सम्राट के कैंपस में प्रवेश पर रोक लगा दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि अजय यादव सम्राट एमए. में प्रवेश के लिए आवेदन किया था लेकिन न्यूनतम अर्हता पूर्ण नहीं करते लिहाजा उन्हें एमए में प्रवेश नहीं दिया जा सकता। अजय यादव के प्रवेश को लेकर के गठित एडमिशन कमेटी की बैठक 3 जून 2022 को हुई थी। सत्र 2022-23 के लिए गठित एडमिशन कमेटी की बैठक 3 जून को हुई थी। कुलानुशासक की रिपोर्ट के आधार पर अजय यादव को प्रवेश नहीं दिया जा सकता।

छात्रा के साथ दुष्कर्म होता देख हेडमास्टर बना दरिंदा, बचाने की बजाए खुद भी लूटी अस्मत

कैमूर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के कैमूर जिले में एक 14 साल लड़की को लड़कों के एक समूह ने कथित तौर पर अगवा कर लिया और फिर शनिवार को उनमें से एक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। सरकारी प्राइमरी स्कूल के प्रधानाध्यापक ने जब उन्हें देखा तो वो भाग गए। पीड़िता की मदद करने के बजाय हेडमास्टर ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के मुताबिक, घटना उस वक्त हुई जब लड़की शौच के लिए निकली थी। उसी समय चार लड़कों ने उसका अपहरण कर लिया। वो उसे कुछ दूर एक सुनसान जगह पर ले गए, फिर उन लड़कों में से एक ने उसके साथ दुष्कर्म किया और बाकी लड़के खड़े होकर उन्हें देखते रहे।

पुलिस पर पथराव, जवाब में लाठीचार्ज

पासी समाज के पैदल मार्च के दौरान गतिरोध, जेपी गोलंबर पर बवाल

पटना, 29 नवंबर (एजेंसियां)। मंगलवार दोपहर अपनी मांगों के साथ सरकार विरोधी नारे लगाते गांधी मैदान से राजभवन की ओर जा रहे पासी समाज के प्रदर्शनकारियों की जेपी गोलंबर के पास पुलिस से झड़प हो गई।

ट्रैफिक को प्रभावित करने के क्रम में पुलिस से कहासुनी चल ही रही थी कि भीड़ की ओर से कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। देखते ही देखते जेपी गोलंबर के आसपास भगदड़ मच गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए लाठियां भी चटकाईं।

डिलीवरी कंपनी में दिन-दहाड़े लूट

पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद, हेलमेट और मास्क पहने हुए थे सभी

सीतामढ़ी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। सीतामढ़ी शहर के बीचों-बीच दिन दहाड़े लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया गया है। घटना शहर के शांति नगर चौक की है। जहां एक डिलेवरी कंपनी के ऑफिस में घुसकर लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया गया है। बदमाश चार की संख्या में थे, सभी के हाथ में हथियार था। लूट की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह में ऑफिस खुलने के बाद सभी स्टाफ समान मिला रहे थे, तभी दो बाइक पर सवार चार बदमाश पहुंचे और पिस्टल के बल पर सभी स्टाफ को बंधक बना लिया, जिसके बाद सभी अपराधी एक-एक जगह की तलाशी लेकर दो जगहों पर रखे गए 3 लाख रुपए लेकर फरार हो गए। वहीं पैसा लेने के बाद बदमाशों ने सीसीटीवी के एलसीडी स्क्रीन को तोड़ दिया। इसके अलावा अन्य कई समानों को भी तोड़ दिया। इतना ही नहीं घटना के वक्त मौजूद स्टाफ के साथ मारपीट भी की। घटना के बाद इसकी सूचना स्थानीय थाने की पुलिस को दी गई।

सूचना पर सदर डीएसपी सुबोध कुमार और पुनौरा थानाध्यक्ष इम्तेयाज खान समेत अन्य पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचे, जहां स्टाफ और संचालक से पूछताछ के बाद सीसीटीवी फुटेज को देखा, जिसमे तीन बदमाश हेलमेट और एक मास्क लगा रखा, जिसकी वजह से बदमाशों को पहचानने में दिक्कत हो रही है।

बिहार में मिलीं असम, यूपी, पंजाब और बंगाल से लापता 13 नाबालिग लड़कियां

बेतिया, 29 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार पुलिस ने 13 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू किया है। जांच में पता चला कि सभी 13 नाबालिग लड़कियां बिहार के बाहर की हैं। पूछाताछ में जो बातें सामने आयीं उससे पुलिस भी हैरान रह गयी। ये सभी 13 नाबालिग लड़कियां देश में चार राज्यों से यहां लायी गयी थी, जिनके संबंध में विभिन्न थानों में गुमशुदगी के रिपोर्ट दर्ज हैं। असम, बंगाल, यूपी और पंजाब से लापता इन 13 नाबालिग लड़कियों को बेतिया के दो घरों से बरामद किया गया है। इन लड़कियों को बार बाला के तौर पर डीजे और ऑर्केस्ट्रा में नचाया जाता था।

लड़कियों ने कई खुलासे किये

जानकारी के अनुसार असम से लापता एक नाबालिग लड़की की तलाश में पहुंची पुलिस ने बेतिया के दो दो घरों से 13 नाबालिग लडकियों को बरामद किया है। बेतिया के लौरिया थाना क्षेत्र स्थित व्यासपुर चौक इलाके में इन लड़कियों को रखा गया था। मिशन मुक्ति फाउंडेशन की मदद से सभी लड़कियों का रेस्क्यू किया गया। लड़कियों ने कहा कि उनसे ऑर्केस्ट्रा में काम कराया जा रहा था। लड़कियों ने कई ऐसे खुलासे किये जिससे हम हैरान हैं।

13 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू कराया गया

मिशन मुक्ति फाउंडेशन दिल्ली के निदेशक बीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि लौरिया के ब्यासपुर चौक पर दो घरों में छापेमारी की गयी। वहां से 13 नाबालिग लड़कियों को रेस्क्यू कराया गया। ये नाबालिग लड़कियां असम, यूपी, पंजाब और पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे ऑपरेशन में दिल्ली, रक्सौल की एसएसबी बटालियन, बेतिया महिला थाना, चाइल्ड लाइन, लौरिया थाना की पुलिस सभी शामिल थी। संयुक्त रूप से हुई इस छापेमारी के दौरान ऑर्केस्ट्रा संचालक पिछले रास्ते से फरार हो गया, लेकिन उनकी पहचान कर ली गयी है।

बीरेंद्र सिंह ने बताया कि चाइल्ड लाइन, बेतिया की रौशन आरा ने लौरिया थाना में डायमंड म्यूजिकल ग्रुप ऑर्केस्ट्रा के संचालक रंजीत ठाकुर और शक्ति ग्रुप ऑर्केस्ट्रा के संचालक मुस्कान पर मानव तस्करी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करायी है। इधर, सभी नाबालिग लड़कियों को लौरिया थाना लाया गया है। वहां सभी से अलग अलग पूछताछ की जा रही है। एसएसबी के रक्सौल इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि इन लड़कियों को बेतिया महिला थाने में 161 का बयान दर्ज कराया जा रहा है। इसके बाद सभी का मेडिकल कराया जायेगा।

पटना, मगध व सारण प्रमंडल के 214 सीओ को कोर्ट ने बुलाया

पटना/छपरा, 29 नवंबर (एजेंसियां)। पटना हाइकोर्ट ने सार्वजनिक जलाशयों पर अतिक्रमण के मामले में पटना, सारण और मगध प्रमंडल के 214 अंचलाधिकारियों को एक दिसंबर को उपस्थित होने को कहा है। कोर्ट ने सात साल पुराने एक मामले में अंचलाधिकारियों को यह बताने को कहा है कि जलाशयों पर से अतिक्रमण हटाने का जो निर्देश दिया गया था, उसका कितना अनुपालन हुआ।

पूर्वाहन 10.30 बजे उपस्थित होने का निर्देश

रामपुनित चौधरी नामक एक व्यक्ति ने वर्ष 2015 में कोर्ट में याचिका (सीडब्ल्यू जेसी नंबर 9692/2015) दायर किया था, जिसमें कोर्ट नियमित सुनवाई कर रहा है। सभी अंचलाधिकारियों को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के कोर्ट में पूर्वाहन 10.130 बजे उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

एक को होगी सुनवाई ब्योरा मांगा गया

हाइकोर्ट के निर्देश के आलोक में सभी जिलों के जिलाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्राधिकार वाले अंचलों के सीओ को एक ब्योरा भेजा है। इसमें उनसे जलाशयों की संख्या, अतिक्रमण से मुक्त कराये गये जलाशयों की संख्या आदि के बारे में जानकारी मांगी है।

जल क्षेत्र की तस्वीर भी लाने को कहा

हाइकोर्ट ने 16 नवंबर, 2022 के अपने आदेश में सभी अंचलाधिकारियों को व्यक्तिगत शपथ पत्र देने का निर्देश दिया है कि कितनी जगह पर जल क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया गया। सभी सीओ को अपनी रिपोर्ट के अलावे जल क्षेत्र की तस्वीर भी लाने को कहा गया है।

कोर्ट ने दिया है डीएम को मॉनीटरिंग का निर्देश

इसके पहले हाइकोर्ट ने 16 नवंबर को जलाशयों पर अतिक्रमण के मामले में सुनवाई की थी। मुंगेर, तिरहुत और दरभंगा प्रमंडल के सीओ ने शपथ पत्र सौंपा था। कोर्ट ने तीनों प्रमंडलों के सीओ को चार सप्ताह के भीतर अतिक्रमण हटाने को कहा है।

डिंपल यादव के लिए प्रचार करेंगे पूर्व सांसद धनंजय सिंह

पूर्वांचल के भी समीकरण बदलेंगे

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व सांसद धनंजय सिंह भी समाजवादी पार्टी प्रत्याशी डिंपल यादव के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। इस संबंध में जनता दल यूनाइटेड ने समर्थन पत्र जारी कर दिया है। पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ केसी त्यागी भी मैनपुरी पहुंच गए हैं। मैनपुरी में धनंजय सिंह की उपस्थिति के साथ ही पूर्वांचल का सियासी समीकरण भी बदल सकता है।

जनता दल यूनाइटेड ने भाजपा से नाता तोड़ने के बाद बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिलकर सरकार बनाई है। बिहार में हुए सत्ता परिवर्तन का असर मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में भी दिखाई पड़ेगा। जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल ने जारी पत्र में बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद धनंजय सिंह मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव के समर्थन में जनसभा करेंगे।

माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी उन्हें ठाकुर बहुल इलाके में उतारेगी। ऐसी स्थिति में पूर्वांचल का सियासी समीकरण भी बदल सकता है।

एमएलए इरफान की जमानत याचिका खारिज कराने की तैयारी

घर फूंकने की फॉरेंसिक रिपोर्ट और आपराधिक चिट्ठा को आधार बनाएगी पुलिस

कानपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर से फरार चल रहे विधायक इरफान सोलंकी की अग्रिम जमानत याचिका की अगली सुनवाई के लिए पुलिस अफसरों का पैनल तैयारी कर रहा है। जमानत याचिका खारिज कराने के लिए इरफान और उनके भाई अपराधिक चिट्ठा से लेकर एक-एक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जिसे कोर्ट में पेश करके जमानत याचिका खारिज कराने के लिए पुलिस अफसर कोशिश करेंगे। वहीं, दूसरी तरफ फरारी काट रहे विधायक के घर कुर्की करने के लिए भी तैयारी कर रही है। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी की देखरेख में पूरी कार्रवाई की जा रही है।

फरारी काट रहे समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी ने कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। कोर्ट ने 25 अगस्त को सुनवाई के दौरान इरफान के खिलाफ साक्ष्य मांगे थे। अगली तारीख 1 दिसंबर देते हुए कहा था कि अगर पुलिस साक्ष्य पेश नहीं कर सकी तो इरफान को अग्रिम जमानत दे दी जाएगी। पुलिस अफसरों ने विवेचक के छुट्टी पर होने की बात कहते हुए एक सप्ताह का समय ले लिया था।

अब विधायक की जमानत याचिका खारिज कराने के लिए पुलिस अफसरों के साथ ही सीनियर वकीलों की राय से पुलिस अफसर विधायक की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कराने के लिए तैयारी कर रहे हैं। विधायक और उसके भाई का अपराधिक चिट्ठा पुलिस कोर्ट में पेश करेगी। इसके साथ ही घर फूंकने के मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट। जिसमें यह पुष्टि हुई थी कि ज्वलनशील पदार्थ से महिला का घर फूंका गया था। महिला ने विधायक के खिलाफ कब-कब और कहां-कहां शिकायत दर्ज कराई है। कोर्ट में मामला विचाराधीन होने के बाद भी विधायक प्लॉट पर कब्जा करना चाहते हैं। विधायक के भाई के उन्नाव से भू-माफिया होने के साथ तमाम दस्तावेज समेत कई रिपोर्ट पुलिस कोर्ट में पेश करेगी। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी की देखरेख में पुलिस अफसरों का पैनल जमानत याचिका खारिज कराने की तैयारी कर रहा है। विधायक इरफान सोलंकी के घर कुर्की करने की भी तैयारी जाजमऊ पुलिस तेजी से कर रही है। कोर्ट ने विधायक के खिलाफ गैर जमानतीय वारंट पहले ही जारी कर दिया है। अब पुलिस जल्द ही कुर्की की नोटिस चस्पा करने और फिर कुर्की की तैयारी करेगी। जाजमऊ पुलिस कुर्की की कार्रवाई करने के लिए कोर्ट में पैरवी कर रही है।

सीमा विवाद के बीच महाराष्ट्र के गांव के लोगों का प्रदर्शन

कर्नाटक में शामिल होने की दी चेतावनी

मुंबई, 29 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र और कर्नाटक सीमा विवाद फिर भड़कने लगा है. सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और सियासी बयानबाज़ी के बीच कर्नाटक की सीमा के क़रीब महाराष्ट्र के कुछ गांवों में प्रदर्शन शुरू हुए हैं. कर्नाटक के समर्थन में नारे लग रहे हैं. और ग्रामीण, महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दे रहे हैं. हाथों में कर्नाटक का झंडा, कंधे पर झंडे के रंग का स्कार्फ़ टांगे, 'कर्नाटक सरकार की जय' नारे लगाते, मार्च निकाल रहे ये लोग महाराष्ट्र के सांगली ज़िले से हैं. कर्नाटक की सीमा से सटे जत तालुका के तिकोंडी गांव के निवासी हैं, जो आरोप लगाते हैं कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा उन्हें पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाएं उपलब्ध नहीं हो रही हैं. इसलिए इनका गांव कर्नाटक में

शामिल होना चाहता है. आठ दिनों के बाद आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है. सुनील पोतदार, अध्यक्ष, जत तहसील पानी संघर्ष समिति ने कहा,हमने आठ दिनों का राज्य सरकार को अल्टीमेटम दिया है. अगर पानी की समस्या का हल नहीं निकला, मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री ने हमारी समस्या का निदान नहीं किया तो हम कर्नाटक में शामिल होने के लिये आंदोलन शुरू कर देंगे. वहीं अपनी समस्याओं का जिक्र करते हुए एक किसान ने कहा,जत तालुका के 40 गांवों में सुविधाओं का घोर अभाव है. हमारे पास पहली से चौथी कक्षा तक का एक स्कूल है,
लेकिन केवल एक शिक्षक है. यहां चिकित्सा केंद्रों में डॉक्टर नहीं हैं. गांव में सिर्फ 10-15 फीसदी लोगों की मूल भाषा मराठी है, हालांकि, वे भी मराठी नहीं बोलते हैं. अगर महाराष्ट्र सरकार हमें पानी समेत सभी सुविधाएं मुहैया कराती है तो हम उनके साथ कर्नाटक राज्य जाने की जिद क्यों करेंगे. महाराष्ट्र और कर्नाटक में सीमा को लेकर विवाद कोई आज का नहीं बल्कि 50 साल से ज़्यादा पुराना है. ये मामला 18 साल से सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग है. कर्नाटक सीएम बसवराज बोम्मई द्वारा जत तालुका और अक्कलकोट के साथ सोलापुर के कुछ कन्नड़-भाषी क्षेत्रों को अपने राज्य में मिलाए जाने संबंधी दावा करने के बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा मुद्दे पर एक नए सिरे से बहस छिड़ गई है. इधर, पत्रा चॉल घोटाला मामले में जमानत पर बाहर आए संजय राउत पर अब महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर कथित भड़काऊ भाषण देने के मामले में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है. सीमा विवाद को लेकर मार्च 2018 में विवादित बयान देने के मामले में कर्नाटक की बेलगांव कोर्ट ने राउत को समन जारी करते हुए 1 दिसंबर को कोर्ट में हाजिर होने को कहा है. वहीं, कर्नाटक महाराष्ट्र सीमा विवाद पर दोनो ही राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई. 3 दिसंबर को महाराष्ट्र से 2 मंत्रियों का दल बेलगावी जाने वाला है.

मेघालय में एनपीपी व टीएमसी को झटका

तीन विधायकों के इस्तीफे, भाजपा में शामिल होंगे

शिलांग, 29 नवंबर (एजेंसियां)। मेघालय में सत्तारूढ़ नेशनल सत्तारूढ़ नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के और विपक्षी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा झटका लगा। एनपीपी के दो और तृणमूल के विधायक ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। ये तीनों भाजपा में शामिल होंगे। ये पीएम नरेंद्र मोदी को रोल मॉडल मानते हैं। तीनों विधायकों ने सोमवार को 11वीं विधानसभा के सदस्यों के तौर पर इस्तीफा दे दिया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है। ये विधायक हैं- एनपीपी के बेनेडिक्ट मारक और फैरलीन संगमा तथा टीएमसी के विधायक हिमालय मुक्तन शांगप्लियांग। तीनों ने सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष मेटबाह लिंगदोह से राज्य सचिवालय में मुलाकात की और उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया। मेघालय में मेघालय डेमोक्रेटिक अलायंस (एमडीए) की सरकार है। 60 सदस्यीय मेघालय विधानसभा में एनपीपी के 23 सहित गठबंधन के कुल 48 विधायक हैं।
भाजपा अपने दो विधायकों के साथ राज्य में नेशनल पीपुल्स पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी है। एनपीपी के साथ भाजपा के रिश्तों में कुछ दिनों से खटास आ रही है। हालांकि, दलबदलने जा रहे तीनों नेताओं ने सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार पर उंगली उठाने से परहेज किया। शांगप्लियांग ने कहा कि समय आएगा जब हम चुनाव मैदान में जाएंगे और अपनी बातों को लोगों को बताएंगे। हम भाजपा में शामिल हो रहे हैं, क्योंकि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक रोल मॉडल के रूप में देखते हैं। पीएम मोदी चीजों को बदल सकते हैं। हमें लगता है और हमें विश्वास है कि मेघालय के लिए चीजें बदलेंगी। भाजपा में शामिल होने का एलान करते हुए उन्होंने कहा कि हम तीनों राज्य में विकास के इरादे से बहुत जल्द भाजपा में शामिल होने की योजना बना रहे हैं।

जम्मू पांच सालों में अफसरों, राजनीतिज्ञों के खिलाफ 221 मामले लंबित

जम्मू, 29 नवंबर (एजेंसियां)। धोखाधड़ी और संगीन मामलों की जांच में क्राइम ब्रांच जम्मू-कश्मीर की रफ्तार धीमी नजर आ रही है। खासकर रातनीतिज्ञों, पुलिस अफसरों, अफसरशाही और सरकारी कर्मियों के खिलाफ दर्ज मामलों में गति काफी कम है। पिछले पांच सालों में दर्जन मामलों में क्राइम ब्रांच 30 फीसदी की जांच ही पूरी कर पाया है। 221 मामले लंबित हैं। मौजूदा वर्ष की बात करें तो पिछले साल की तुलना में इस साल आधे मामलों की जांच भी पूरी नहीं हो पाई। जानकारी के अनुसार वर्ष 2017 से लेकर अब तक क्राइम ब्रांच के पास 785 मामलों की जांच लंबित पड़ी हुई है। इनमें 393 मामले कश्मीर और 392 मामले जम्मू संभाग के हैं। इनमें राजनीतिज्ञों, अफसरों, सरकारी कर्मियों और पुलिस अफसरों के खिलाफ 221 मामले लंबित हैं। सरकारी अफसरों में कई डीएसपी स्तर के भी शामिल हैं। यहां तक कि क्राइम ब्रांच के डीएसपी खुद जांच के दौरान रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े गए थे। बता दें कि इस साल क्राइम ब्रांच ने अब तक सिर्फ 69 मामलों की जांच पूरी की है, जबकि पिछले साल 120 मामलों की जांच की गई थी। इसके पहले 2020 में 48, 2019 में 79, 2018 में 82 और 2019 में 81 मामलों की जांच पूरी करके चार्जशीट पेश की गई थी। बहुत से मामलों की जांच क्राइम ब्रांच के पास होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने वाईएस विवेकानंद रेड्डी मर्डर केस की सुनवाई

आंध्र प्रदेश से हैदराबाद ट्रांसफर की

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री वाईएस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के ट्रायल को आंध्र प्रदेश से विशेष सीबीआई कोर्ट हैदराबाद में ट्रांसफर कर दिया है. कोर्ट ने माना कि यह आंध्र प्रदेश के अलावा किसी अन्य राज्य में ट्रांसफर के लिए एक उपयुक्त मामला है. जस्टिस एमआर शाह ने कहा, 'यह नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता की आशंका सही नहीं है कि निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो सकती है या बड़ी साजिश है. बल्कि याचिकाकर्ता को न्याय पाने का मौलिक अधिकार है.'
कोर्ट ने कहा कि आंध्र प्रदेश राज्य के अलावा अन्य दूसरे राज्य मे भी स्थानांतरित करने के लिए

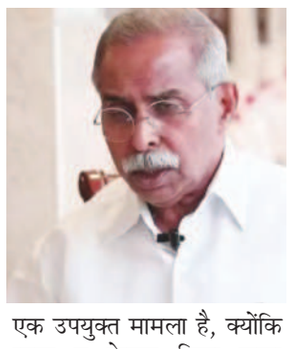

एक उपयुक्त मामला है, क्योंकि न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि दिखना भी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद गवाहों की आसानी के लिए केस को हैदराबाद में सीबीआई की विशेष अदालत में स्थानांतरित किया जाएगा. सारी चार्जशीट और सप्लीमेंट्री चार्जशीट वहीं ट्रांसफर की जाएगी. अदालत ने कहा, 'सीबीआई द्वारा जांच निष्पक्ष और निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए. गवाहों के बयान आदि में आसानी के लिए ट्रायल हैदराबाद में होगा.' सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री वाईएस विवेकानंद रेड्डी की बेटी की याचिका पर ये फैसला सुनाया है. जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस एमएम सुंदरेश की पीठ ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी की चचेरी बहन विवेकानंद रेड्डी की बेटी सुनीता नरेड्डी द्वारा दायर याचिका पर ट्रांसफर का आदेश दिया. विवेकानंद रेड्डी की पत्नी (विधवा), जिनकी मार्च 2019 में कडप्पा जिले के पुलिवेंदुला में उनके आवास पर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, एक सह-याचिकाकर्ता थीं. पीठ ने आदेश में कहा, तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, यह नहीं कहा जा सकता है कि मृतक की बेटी और पत्नी होने के नाते याचिकाकर्ताओं की ओर से आशंका है कि निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो सकती है और आगे की जांच के संबंध में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच नहीं हो सकती है. याचिकाकर्ता मृतक की बेटी और पत्नी होने के नाते पीड़ित के रूप में प्राप्त करने का मौलिक अधिकार है. उनकी वैध अपेक्षा है कि आपराधिक मामलों की सुनवाई निष्पक्ष तरीके से हो.

बुरहानपुर में अतिक्रमणकारी बेखौफ, वन चौकी से लूट ले गए 17 बंदूकें और कारतूस

बुरहानपुर/खंडवा, 29 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर में नेपानगर वन क्षेत्र में अतिक्रमणकारी दिन-ब-दिन उग्र हो रहे हैं। अतिक्रमणकारियो ने अब नेपानगर तहसील की नावरा वन रेंज के ग्राम बाकड़ी में स्थित वन चौकी से बंदूकें और कारतूस लूट लिए। इतना ही नहीं, चौकीदार के साथ भी मारपीट की। घटना की जानकारी मलते ही पुलिस, वन विभाग की टीम सहित प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचे। बुरहानपुर जिले के नेपानगर में नावरा रेंज के जंगल में 200 से अधिक अतिक्रमणकारी हैं, जिन्होंने जंगल पर कब्जा कर रखा है। अतिक्रमणकारी दो महीने से भी ज्यादा समय से जंगल की कटाई कर रहे हैं। उन्होंने नावरा रेंज में पुलिस और वन विभाग की टीम पर पहले भी हमले किए हैं। इस रेंज में अब ड्रोन से निगरानी हो रही है। घटना के बाद 800 से ज्यादा पुलिस, वनकर्मियों और बीएसएफ बल को भी बड़े एक्शन के लिए बुलाया गया है। अतिक्रमणकारियों ने नावरा रेंज में जंगल को पूरी तरह खत्म करने की तैयारी कर ली है। जंगल में घुसकर बैठे अतिक्रमणकारियों को खदेड़ने के साथ ही अतिक्रमण को मुक्त करने के लिए जल्द ही बड़ा अभियान होगा। अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई के लिए बीएसएफ, पुलिस और वन विभाग का 800 से ज्यादा का बल बुलाया गया है। एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने कहा कि सोमवार रात लगभग 9.30 बजे बाकड़ी में स्थित वन चौकी पर लगभग 17 -18 लोगो ने हमला बोला।

केंद्र ने हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति के लिए 20 नामों की फाइल कॉलेजियम को वापस भेजी

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति से जुड़ी 20 नामों की फाइल सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम को वापस लौटा दिया है. सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया से वाकिफ सूत्रों ने बताया कि सरकार ने 25 नवंबर को कॉलेजियम को फाइलें वापस भेजते हुए अनुशंसित नामों के बारे में 'कड़ी आपत्ति' जाहिर की. इस लिस्ट में 9 नाम ऐसे थे जिनकी कॉलेजियम ने दोबारा सिफारिश की थी. जबकि 11 ऐसे नाम हैं जिनकी पहली बार सिफारिश की गई. इस लिस्ट में वकील सौरभ किरपाल का नाम भी शामिल है. पूर्व सीजेआई

बीएन किरपाल के पुत्र वकील सौरभ किरपाल अपनी समलैंगिक स्थिति के बारे में खुलकर बात कर चुके हैं. भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) एनवी रमना की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सौरब किरपाल के नाम की सिफारिश दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए की थी. किरपाल का नाम दिल्ली उच्च न्यायालय कॉलेजियम ने अक्टूबर 2017 में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए कॉलेजियम को भेजा था. बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने उनके नाम पर विचार-विमर्श को तीन बार टाला था. जस्टिस रमना के पूर्ववर्ती तत्कालीन सीजेआई एसए बोबडे ने कथित तौर पर सरकार से किरपाल के बारे में और जानकारी भेजने को कहा था. आखिरकार जस्टिस रमना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने नवंबर 2021 में किरपाल के पक्ष में फैसला लिया.
सूत्रों ने कहा कि सरकार ने विभिन्न उच्च न्यायालयों में नई नियुक्तियों से संबंधित उन सभी नामों को वापस कर दिया है, जिन पर उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम के साथ उसके 'मतभेद' थे. जबकि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए कॉलेजियम से भेजे गए नामों को मंजूरी देने में केंद्र सरकार की देरी पर नाराजगी जताई. जस्टिस एसके कौल और जस्टिस एएस ओका की पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने एक समय सीमा तय की थी, जिसके भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जानी थी.

जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट: केवल एफआईआर दर्ज होना पासपोर्ट जारी न करने का आधार नहीं

जम्मू, 29 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक याचिका में सुनवाई करते हुए कहा कि किसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज है तो उसे नया पासपोर्ट जारी न करने का आधार नहीं बनाया जा सकता है। हाईकोर्ट ने कहा, नया पासपोर्ट तभी रोका जा सकता है, जब जांच के दौरान आरोप तय हो जाएं और मामला कोर्ट में विचाराधीन हो। याची राजेश गुप्ता की दलीलों को स्वीकार करते हुए जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के न्यायाधीश संजीव कुमार ने कहा, महज एफआईआर दर्ज होना या फिर जांच एजेंसी के पास जांच लंबित होना यह आधार नहीं देते कि किसी को नया पासपोर्ट ही जारी न किया जाए। हाईकोर्ट ने कहा, इस मामले में तो सिर्फ एफआईआर दर्ज की गई है।

कर्नाटक: कुख्यात अपराधी सुनील के साथ दिखे बीजेपी नेता

कांग्रेस ने बनाया मुद्दा, मंत्री ने मानी अपनी गलती

बेंगलुरु, 29 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक का सियासी पारा सोमवार को काफी गर्म दिखा. यहां विपक्षी दल खासकर कांग्रेस ने कुख्यात अपराधी 'साइलेंट' सुनील के साथ मंच साझा करने पर बीजेपी नेताओं की तीखी आलोचना की. दरअसल, रविवार को सांसद पीसी मोहन और तेजस्वी सूर्या के अलावा विधायक उदय गरुड़हर सहित भाजपा के कई नेता एक रक्तदान शिविर में सुनीला के साथ नजर आए थे. इस तस्वीर को लेकर कांग्रेस ने मुद्दा बनाया और बीजेपी पर हमला बोला. कांग्रेस ने एक के बाद एक कर कई ट्वीट किए और सत्तारूढ़ भाजपा पर अपराधियों के साथ संबंध होने का आरोप लगाया. कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र से सवाल किया कि क्या उन्होंने पुलिस को कार्रवाई करने से रोका था. कांग्रेस ने सवाल किया, 'राज्य में अपराध कैसे कम हो सकता है, जब अपराधियों के साथ भाजपा के संबंध हैं. ज्ञानेंद्र, क्या आपके विभाग में अपराधियों को पकड़ने की क्षमता नहीं है या आपने स्वयं पुलिस को रोका है?' इस संबंध में पत्रकारों ने जब गृह मंत्री ज्ञानेंद्र से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि इस तरह की किसी भी घटना की जानकारी नहीं है. पहले वह इस संबंध में जानकारी एकत्र करेंगे, उसके बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देंगे.

मंत्री ने जताया दुख

वहीं, बेंगलुरु सेंट्रल के सांसद पीसी मोहन ने सोमवार को कहा कि 'रविवार को रक्तदान शिविर में उन्हें सुनील के साथ मंच साझा करने पर काफी दुख है. जहां तक मेरा संबंध था, यह सिर्फ एक रक्तदान शिविर था लेकिन वहां जाने के बाद मुझे अहसास हुआ कि यह एक गलती थी. तेजस्वी और मुझे इसका पछतावा है.'

कौन है साइलेंट सुनील

साल 2000 के अंत में सुनील कुमार की जुर्म की दुनिया में गैंगस्टर के रूप में एंट्री हुई थी. वह पुलिस प्रशासन की नजर में साल 2005 तक बचा रहा. वह कई साल तक पुलिस की नजर से दूर रहा. इसके पीछे का कारण उसका शांति से वारदात को अंजाम देना और चुपचाप अंडरग्राउंड होना था. स्थानीय पुलिस के मुताबिक सुनील कॉन्ट्रैक्ट किलर के तौर पर काम करता था.

सिंचाई घोटाले में विजिलेंस के सामने पेश नहीं हुए शरणजीत ढिल्लों और सर्वेश कौशल

चंडीगढ़, 29 नवंबर (एजेंसियां)। करोड़ों रुपये के सिंचाई घोटाले में मंगलवार को विजिलेंस द्वारा समन किए जाने के बाद भी सीनियर अकाली नेता शरणजीत सिंह ढिल्लों और पूर्व मुख्य सचिव सर्वेश कौशल अदालत में पेश नहीं हुए। विजिलेंस के एआईजी मनमोहन शर्मा ने बताया कि उनकी तरफ से दोनों को समन भेजे गए थे। यहां तक उनके व्हाट्सएप पर भी मैसेज छोड़ा गया था। शरणजीत सिंह ढिल्लों की तरफ से जवाब आया है कि वह किसी काम में व्यस्तहैं , इसलिए वह शुक्रवार को उनके समक्ष पेश हो जाएंगे जबकि सर्वेश कौशल पहले से ही विदेश में हैं। इससे पहले इस मामले में पूर्व आईएएस अधिकारी काहन सिंह पन्नू से विजिलेंस पूछताछ कर चुकी है। उनकी तरफ से अपना जवाब विजिलेंस के सामने दाखिल कर दिया गया था। विजिलेंस ब्यूरो द्वारा अगस्त 2017 में गिरफ्तार घोटाले के मुख्य आरोपी ठेकेदार गुरिंदर सिंह ने शपथ पत्र देकर कहा था कि सिंचाई घोटाले में तीन पूर्व आईएएस अधिकारी, दो पूर्व मंत्री और उनके निजी सचिव शामिल हैं। शपथ पत्र में ठेकेदार ने कहा कि काम दिलाने, बिल पास करने और टेंडर के नियम व शर्तों को

उसके मुताबिक बनाने के लिए उक्त मंत्रियों, अफसरों ने उससे मोटी रकम हासिल की। इन बयानों के आधार पर विजिलेंस ने उक्त अफसरों और नेताओं से पूछताछ के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और चरणजीत सिंह चन्नी ने अनुमति मांगी थी।

कार में जा रहे अकाली कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या, बटाला में देर रात हुई वारदात

बटाला, 29 नवंबर (एजेंसियां)। बटाला के नजदीकी गांव शेखुपुरा में एक अकाली कार्यकर्ता की सोमवार देर रात कुछ अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक अजीत पाल सिंह निवासी शेखुपुरा की पत्नी पूर्व ब्लॉक समिति मेंबर है। जानकारी के अनुसार अजीत पाल सिंह अपने किसी दोस्त के साथ कार में बैठकर गांव जा रहा था। गांव घसीटपुर के पास कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी कार को रोका और उन पर गोली चला दी। गोलियां लगने से अजीत पाल सिंह बुरी तरह से घायल हो गए, उन्हें अमृतसर रेफर कर दिया गया। जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

खूबसूरती की मिसाल है 170 एकड़ में फैला राष्ट्रपति का 'आशियाना'

देहरादून, 29 नवंबर (एजेंसियां)। चार साल के बाद राष्ट्रपति का देहरादून स्थित आशियाना फिर गुलजार होगा। इससे पहले वर्ष 2018 में यहां तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रात्रि विश्राम किया था। राजपुर रोड के द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड एस्टेट स्थित आशियाना राष्ट्रपति के शिमला स्थित आवास के विकल्प के तौर पर चुना गया था। शुरू में कई साल तक यह वीरान रहा। वर्ष 1998 में तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन यहां ठहरे थे। इसके बाद वर्ष 2016 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी यहां ठहरे। फिर वर्ष 2018 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने यहां रात्रि विश्राम किया था। अब करीब चार साल बाद फिर आशियाना में रौनक दिखने लगी है। सफाई का सिलसिला तेज हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के रात्रि विश्राम के लिए पूरी तैयारियां चल रही हैं। द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड

आशियाना में आम और लीची के बागीचों के बीच प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है। इसमें नए लॉन, हेजेज, सजावटी पौधे, फूलों वाले वृक्ष और झाड़ियों का प्रयोग किया गया है। नहरों से सिंचाई की पुरानी व्यवस्था को भी यहां पुनर्जीवित किया गया है। 170 एकड़ भूमि में बने आशियाना में आठ कमरों के साथ सुरक्षाकर्मियों के रहने के लिए दो बैरक हैं। घोड़ों लिए एक अस्तबल है। भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजीमेंट प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड की स्थापना वर्ष 1773 में भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स ने की। वर्ष 1859 में इसे वायसराय बॉडीगार्ड नाम दिया गया जिसे बाद में द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड में तब्दील कर दिया गया। राष्ट्रपति के अंगरक्षकों की घोड़ा गाड़ी के लिए दून में पहली बार वर्ष 1938 में ग्रीष्मकालीन शिविर स्थापित किया गया। हालांकि, इससे पहले 1920 में यहां राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के कमांडेंट का बंगला स्थापित कर दिया गया था। आजादी के बाद करीब 175 एकड़ में फैला यह क्षेत्र द प्रेसीडेंट बॉडीगार्ड एस्टेट के रूप में जाना गया। दून की आबोहवा को देखते हुए हुए वर्ष 1975-76 में तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन ने ग्रीष्मकालीन दौरे के लिए दून का चुनाव किया। तब कमांडेंट बंगले का जीर्णोद्धार कर इसका नाम आशियाना रखा गया। तभी से राष्ट्रपति दून में इसी आवास में ठहरते थे।

इजराइली फिल्मकार पर भड़के एमपी के गृहमंत्री

बोले-जाके पैर न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई

भोपाल, 29 नवंबर (एजेंसियां)। गोवा में आयोजित हुए 53वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में जूरी के हेड ने फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' पर सवाल उठाए हैं। जूरी हेड और इजराइल के फिल्ममेकर नादव लैपिड ने इस फिल्म को प्रोपेगेंडा बताया है। साथ ही उन्होंने इसे 'भद्दी' फिल्म कहा है। फेस्टिवल की क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान लैपिड ने यह बातें कही थी। इसे लेकर सोशल मीडिया पर लोग जमकर गुस्सा निकाल रहे हैं। नादव लैपिड की टिप्पणी पर मध्यप्रदेश के गृहमंत्री

नरोत्तम मिश्रा ने शर्मनाक बताया है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि जाके पैर न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई। उन्होंने कहा कि मैं कश्मीरी फाइल्स फिल्म पर टिप्पणी करने वाले फिल्म निर्माता नादव लैपिड के लिए यह बात कह रहा हूं। मिश्रा ने कहा कि 90 के दशक में घरबार, कारोबार और अपनों को छोड़ने का जो दंश कश्मीरी हिंदुओं ने झेला है, उस पीड़ा और दर्द को हर भारतवासी के सामने सजीव रूप से फिल्म कश्मीर फाइल्स के माध्यम से पहुंचाया गया है। काश, टिप्पणी करने वाले महोदय एक बार रूबरू पीड़ित कश्मीरी पंडितों से मिले होते और उनके दर्द का शतांश भी महसूस किया होता। गृहमंत्री ने कहा कि आपका बयान अलगाववादी और टुकड़े-टुकड़े मानसिकता वाली गैंग के लिए दिया गया प्रतीत होता है। आपके इस शर्मनाक बयान से पूरा देश आहत है।

हरियाणा के पूर्व मंत्री अवतार सिंह भड़ाना पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

चंडीगढ़, 29 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मंत्री अवतार सिंह भड़ाना के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। उनके ऊपर आरोप है कि एक संपत्ति सौदे में कथित तौर पर दो भाइयों से पांच करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। अदालत के निर्देश के बाद धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है।

पांच करोड़ रुपये का सौदा किया

पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्व मंत्री अवतार सिंह भड़ाना के खिलाफ मामल दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता जवाहर बंसल ने कहा कि उन्होंने और उनके भाई कैलाश बंसल ने कृषि भूमि खरीदने के लिए भड़ाना के साथ पांच करोड़ रुपये का सौदा किया । भडाना 1988-89 में छह महीने तक स्थानीय निकाय विभाग के मंत्री थे।जवाहर ने कहा कि एक लाख रुपये की टोकन राशि का भुगतान किया गया।शिकायतकर्ता ने कहा कि बिक्री पत्र के निष्पादन के दौरान उन्हें पता चला कि संपत्ति राजनेता के भाई करतार के नाम पर रजिस्टर थी।

शिकायत के बाद मामला दर्ज

उनके वकील दीपक गेरा ने बताया कि बंसल बंधुओं ने पूर्व मंत्री को 2.5-2.5 करोड़ रुपये दिए। गेरा ने कहा कि भड़ाना ने एक हलफनामें पर हस्ताक्षर किए थे कि जब-तक भूमि का स्वामित्व बंसल को हस्तांतरित नहीं किया जाता, तब तक वह बैंक में चेक जमा नहीं करेंगे। हालांकि, उन्होंने इस हलफनामे का उल्लंघन किया । शिकायत के बाद रविवार को भड़ाना के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात), 420 (धोखाधड़ी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार,30 नवंबर, 2022

पीटी उषा की चुनौतियां

ओलंपिक संघ को बने पंचानबे साल हो गए लेकिन पीटी उषा के रूप में पहली बार कोई महिला अध्यक्ष बनी है जो प्रत्येक भारतवासी के लिए गर्व की बात है। उडनपरी के नाम से विख्यात पीटी उषा इस पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं। उनके सम्मान में किसी और ने पर्चा तक नहीं भरा। इस तरह तमाम खेल संघों ने उनके प्रति सम्मान दर्शाते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। भारतीय ओलंपिक संघ की कमान पीटी उषा के हाथों में आने से स्वाभाविक ही खिलाड़ियों, खेल संघों और खेल प्रेमियों में एक नया उत्साह देखा जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पीटी उषा बहुत सारी महिला खिलाड़ियों और लड़कियों के लिए प्रेरणास्रोत रही हैं। खेल के प्रति इनके समर्पण ने सबका मनोबल बढ़ाया है। यह इस मायने में भी उत्साहजनक है कि इसमें किसी प्रकार की राजनीतिक दखलंदाजी नहीं रही। जैसा कि बहुत पहले से ही आरोप लगते रहे हैं कि खेल संघों में राजनेताओं के काबिज रहने से खेलों में वह प्रदर्शन नहीं दिखाई दे रहा था जिसकी अपेक्षा की जाती रही है। राजनेताओं के खेल संघों में होने से उनमें भ्रष्टाचार के आरोप भी लगते रहे हैं। खिलाड़ियों के चयन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने की शिकायतें तो आम हो चली थीं। पीटी उषा के चयन से ओलंपिक संघ के साफ-सुथरे ढंग से काम करने का भरोसा बढ़ा है। आखिर कौन नहीं जानता कि पीटी उषा खुद ओलंपिक में भारत का नाम रौशन कर चुकी हैं, उड़न परी नाम उन्हें ओलंपिक से ही मिला था। खेल से संन्यास लेने के बाद भी वे इस संघ से जुड़ी रही हैं और प्रतिभा संघ के सदस्यों की अध्यक्ष भी रही हैं। उन्होंने ओलंपियाड परीक्षा भी आयोजित कराया है। इस तरह उनमें ओलंपिक खेलों के लिए अपने देश की खेल प्रतिभाओं को निखारने का जज्बा समझा जा सकता है। पिछले ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने काफी सराहनीय प्रदर्शन किया। उससे उम्मीद और बढ़ गई है कि अगर खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण और खेल का वातावरण मिले, तो वे दुनिया में भारत का नाम रोशन कर सकती हैं। पीटी उषा के ओलंपिक संघ का अध्यक्ष बनने के बाद अब उनसे ये अपेक्षाएं और ज्यादा जुड़ गई हैं। कई उपलब्धियों के साथ ही अब उनके सामने चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। खासकर खिलाड़ियों के चयन को लेकर जो विवाद खड़े होते हैं उससे भी उन्हें जूझना पड़ेगा। पिछले ओलंपिक के वक्त भी एक खिलाड़ी ने अपने चयन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाए जाने को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसी तरह उनके प्रशिक्षण, जरूरी साजो-सामान, खानपान, खेल वातावरण आदि को लेकर शिकायतें रहती हैं। इन सबके लिए राजनीतिक संघर्ष करना भी जरूरी है। हालांकि पीटी उषा भी सत्तापक्ष की तरफ से राज्यसभा की सांसद हैं, इसलिए उन पर राजनीतिक प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर उनकी प्रतिबद्धता खेलों के प्रति है, इसलिए सक्रिय राजनीति से आए लोगों की तरह उनसे पक्षपातपूर्ण रवैए की उम्मीद करना बेमानी होगी। पिछले ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के उत्साहजनक प्रदर्शन के बाद केंद्र सरकार ने अगले ओलंपिक खेलों के लिए तैयारियों पर विशेष जोर दिया था। खुद प्रधानमंत्री ने पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से बात कर उनका मनोबल बढ़ाया और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया था। ऐसे में पीटी उषा से सरकार के इरादे के अनुरूप ओलंपिक संघ के संचालन की उम्मीद की जाती है। उन्हें धन और संसाधन की भी कोई कमी नहीं होने वाली। इसके बावजूद देखना है कि यह संघ कैसे प्रतिभाओं की पहचान करके उन्हें तैयार करता है। कहने को देश भर में खेल संघ हैं, जिला स्तर पर खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने का तंत्र है, लेकिन उनमें से बहुत सारे अवसर न मिल पाने की वजह से उपेक्षा और कुंठा का शिकार हो जाते हैं। ओलंपिक संघ को तमाम खेल संघों के साथ तालमेल बिठा कर काम करना और निष्पक्ष तरीके से खिलाड़ियों को तैयार करना किसी बडी चुनौती से कम नहीं। इससे वे कैसे पार पाएंगी, देखना दिलचस्प होगा।

खबरों की खबर

रेखा शाह आरबी

हमारा देश खिलाने पिलानो वालों का देश माना जाता है यहां मेहमानों को ईश्वर स्वरूप माना जाता है किसी की क्षुधा तृप्ति का साधन बनने पर खुद को सौभाग्यशाली समझा जाता है, भूखे को भोजन करवाना या शांति से करने देना हम लोगों को बचपन से घुट्टी के तरह घोट कर पिलाया जाता है। किसी खाते हुए इंसान के खाने के बीच में व्यवधान डालना बेहद बैड मैनर्स माना जाता है और उसकी रोटी या उसके थाली को निहारना यह तो नजर लगाने वाली बात मानी जाती है। यह भी एक प्रताड़ना की श्रेणी में ही आना चाहिए, इस देश में जब सभी खा रहे हैं तो कोई आपत्ति नहीं तो किसी एक के खाने पर ही क्या आपत्ति करना, जिसकी जैसी पाचन शक्ति होगी वह वैसा खाएगा बल्कि खा रहा है। हमारे देश के बुद्धू बक्से से दिनभर फालतू की खबरें और प्रवचन झाड़ने वाले खबर नवीसो के दिमाग पर आजकल ताले पड़ चुके हैं कहा जाता है खाते समय कुत्ते को भी परेशान नहीं किया जाता है बल्कि उसे भी भरपेट खाने तक परेशान नहीं किया जाता है खाने के बाद भले उसको दुत्कार दिया जाता है लेकिन यह खबर नवीस आजकल हद ही कर रहे हैं जाने कहां-कहां से खबरें निकालकर लाने वाले यह खबर नवीस बंदीगृह के खाते हुए कैदियों की प्लेट से खबर निकाल ला रहे हैं इसके लिए इन्हें जरूर ऑस्कर अवार्ड से या नोबेल पुरस्कार से सम्मानित करना चाहिए आखिर देश की सबसे बड़ी खबर है सारी अर्थव्यवस्था इस खबर के द्वारा चलनी है तभी तो न्यूज़ चैनलों के प्राइम टाइम पर यह खबर दिखाया जा रहा है जनता को यह समझना चाहिए । जो समझती बिल्कुल नहीं है और इन लोगों को मेहनत करना पड़ता है। तो यह न्यूज़ चैनल वाले ऐन केन प्रकारेण जिस भी तरह एक दिन एक बंदे के जेल में से.. लगे उसके खाने का लाइव दर्शन करवाने, जहां घाम ना बतास वहां क्या मधुमास अब बताइए भला एक तो जेल में बंद दुखी आदमी दूसरे उसके खाने पर भी हजार तरह के सवाल उठाने वाले यह न्यूज़ चैनल.. इन पत्रकारों की चलती तो यह प्लेट में से गाजर के स्लाइस उठा उठा कर जनता के मुंह में चखा-चखा कर दिखाते--- देखिए इस इंसान को कैसे यह लाल लाल एकदम ताजी-ताजी गाजर का स्वाद जेल के अंदर लूट रहा है जिस देश में देश की जनता को सड़ी गली बासी रोटी खाने के लाले पड़े हुए हैं उस देश में सरकारी मेहमान नवाजी में ताजे ताजे गाजर और ड्राई फूड खिलाने का सबसे घोर अपराध हो रहा है जो गैरकानूनी है कानूनन बहुत बड़ा जुर्म है इस पर सरकार को तुरंत एक्शन लेना चाहिए।

लेकिन रुकिए रुकिए वह लोग ड्राई फूड्स नहीं बोलते.. वो लोग काजू किसमिस बोलते .. क्योंकि बात हर व्यक्ति तक पहुंचानी है और यह इंग्लिश और हग्लिश का झमेला भी अलग चीज है जिनको इंग्लिश समझ में आती है वह तो सब पहले से ही समझ कर ही इंग्लिश समझने लायक बने हैं तभी तो सब समझते हैं और जिनको हग्लिश समझ में आती है असल बात तो उनके ही समझने की है उनमें से कितने तो ड्राई फूड्स सुनकर कंफ्यूजिया जाते होंगे । इसलिए कम से कम अनपढ़ गवार जनता काजू किसमिस का नाम तो सुनी ही होगी भले खाने को नसीब ना हुआ हो कभी... लेकिन सुना तो गरीब से गरीब ने भी होगा और सुनकर जीभ पर पानी आ जाए तो बात बहुत देर तक याद रहती अच्छे से याद रहेगा ।

अंतरिक्ष की दुनिया में भारत का परचम

योगेश कुमार गोयल

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) एक के बाद एक नया इतिहास रच रहा है। बीते कुछ वर्षों में इसरो के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष की दुनिया में कई बड़े मुकाम हासिल किए हैं। अब 26 नवम्बर को इसरो ने अंतरिक्ष की दुनिया में एक बार फिर कमाल करते हुए सफलता की नई इबारत लिखी है।आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से इसरो ने महासागरों के वैज्ञानिक अध्ययन और चक्रवातों पर नजर रखने के लिए तीसरी पीढ़ी के ओशनसैट सैटेलाइट का प्रक्षेपण किया। इसरो ने 44.4 मीटर लंबे अपने विश्वसनीय पीएसएलवी-54 रॉकेट से ईओएस-06 मिशन के तहत कुल 321 टन भार के साथ उड़ान भरी और ओशनसैट-3 सैटेलाइट के अलावा भूटान के एक उपग्रह सहित 8 नैनो उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण किया। यह इस वर्ष का इसरो का पांचवां और आखिरी कामयाब मिशन है। इसरो के पीएसएलवी (पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल) रॉकेट का यह 54वां तथा पीएसएलवी-एक्सएल प्रारूप का 24वां मिशन था। इसीलिए इसरो इस मिशन को पीएसलीवी सी-54 नाम दिया। पीएसएलवी-सी54 ने ईओएस-06 को पृथ्वी से 742 किलोमीटर की ऊंचाई पर अपनी कक्षा में प्रक्षेपण के बाद 17 मिनट में पहुंचाया और अन्य सभी 8 उपग्रह भी अपनी निर्धारित कक्षाओं में करीब 528 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थापित किए गए तथा कुल दो घंटे के उड़ान समय में मिशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इसरो के लिए यह मिशन बेहद खास इसलिए था क्योंकि इसरो के वैज्ञानिकों द्वारा पहली बार दो कक्षाओं में उपग्रह प्रक्षेपित किए गए, जिसमें ऑर्बिट चेंज थ्रस्टर्स (ओसीटी) उपयोग हुए। ओशनसैट को 742 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचाने के बाद पीएसएलवी-सी54 रॉकेट को नीचे की ओर लाया गया और बाकी 8 उपग्रह 513 से 528 किलोमीटर पर स्थापित किए गए। इसरो के अंतरिक्ष की अलग-अलग कक्षाओं में स्थापित किए उपग्रहों की विशेषताओं की बात करें तो आनंद और थायबोल्ट निजी स्पेस कम्पनियों के भारतीय उपग्रह हैं, जिनमें पिक्सल कम्पनी के आनंद उपग्रह का कुल वजन 16.51 किलोग्राम है, जो व्यावसायिक उपग्रह क्षमता और तकनीक के प्रदर्शन के लिए अंतरिक्ष में भेजा गया है। 'आनंद' एक हाइपरस्पैक्ट्रल नैनो सैटेलाइट है, जिसमें 150 से अधिक तरंगदैर्ध्य हैं, जो इसे आज के गैर-हाइपरस्पैक्ट्रल उपग्रहों (जिनकी तरंग दैर्ध्य 10 से अधिक नहीं है) की तुलना में अधिक विस्तार से पृथ्वी की तस्वीरें लेने में सक्षम बनाएंगी। पिक्सल के सीईओ के मुताबिक 'आनंद' उपग्रह विस्तृत रूप से पृथ्वी का अवलोकन कर सकता है और पिक्सेल के उपग्रहों से ली गई तस्वीरों का उपयोग कीटों की अधिक संख्या में मौजूदगी तथा तेल पाइपलाइन में रिसाव का पता लगाने में किया जा सकता है। पिक्सेल अपना तीसरा हाइपरस्पैक्ट्रल उपग्रह प्रक्षेपित करने को भी तैयार है। स्टार्टअप ध्रुव स्पेस कम्पनी के दो उपग्रहों थायबोल्ट-1 और थायबोल्ट-2 का कुल वजन 1.45 किलोग्राम है। एस्ट्रोकास्ट के रूप में तकनीकी प्रदर्शन के लिए अमेरिका की स्पेसफ्लाइट की ओर से भेजे गए 17.92 किलोग्राम वजनी चार उपग्रह इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) तकनीक में उपयोग होंगे। भूटानसैट भारत और भूटान का ज्वाइंट सैटेलाइट है, जो एक टैक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर है और स्पेस के क्षेत्र में भूटान को भारत द्वारा दिए जा रहे

सहयोग का प्रदर्शन है। भूटान का 30 सेंटीमीटर क्यूबिक नैनो सैटेलाइट 'आईएनएस-2बी' 18.28 किलो वजनी है, जिसमें दो उपकरण नैनोएमएक्स और एपीआरएस-डिजिपीटर लगे हैं। नैनोएमएक्स अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र द्वारा विकसित एक मल्टीस्पैक्ट्रल ऑप्टिकल इमेजिंग पेलोड है जबकि एपीआरएस-डिजिपीटर पेलोड संयुक्त रूप से भूटान के सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार विभाग तथा बेंगलुरू के यूआर राव सैटेलाइट सेंटर द्वारा विकसित किया गया है। इस सैटेलाइट के माध्यम से भूटान ने अंतरिक्ष में पहला कदम रखा है, जिसमें उसे भारत ने मदद दी है। भूटानसैट में रिमोट सेंसिंग कैमरा लगे हैं और यह सैटेलाइट रेलवे ट्रैक बनाने, ब्रिज बनाने जैसे विकास संबंधी कार्यों में मदद करेगा तथा भारत और भूटान दोनों ही देशों को कवर करेगा। आईएनएस-2बी के उपकरणों के जरिये भूटान में प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन होगा तथा शौकिया तौर पर रेडियो उपयोग करने वालों को भी सेवाएं मिलेंगी। इसरो के इस मिशन में शामिल भूटान के उपग्रह आईएनएस-2बी को लेकर भारत के विदेशमंत्री एस जयशंकर का कहना है कि भूटान तथा भारत ने इस मिशन से एक ऐतिहासिक पड़ाव पार किया है और अंतरिक्ष तथा तकनीक में हासिल उपलब्धियों के जरिये दोनों देशों का सहयोग 21वीं सदी में प्रवेश कर चुका है।

जहां तक ओशनसैट-3 की बात है तो ओशनसैट श्रृंखला के सैटेलाइट 'अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट' है, जो समुद्र विज्ञान और वायुमंडलीय अध्ययन के काम आते हैं और समुद्री मौसम का पूर्वानुमान करने में भी सक्षम हैं। ओशनसैट सीरीज का पहला सैटेलाइट 'ओशनसैट-1' पहली बार 1999 में अंतरिक्ष में स्थापित हुआ था, जिसके बाद ओशनसैट-2 2009 में अंतरिक्ष में स्थापित किया गया था। 2016 में ओशनसैट-2 के स्कैनिंग स्केटरोमीटर खराब हो गए थे, जिसके बाद स्कैटसैट-1 लांच किया गया था। अब अंतरिक्ष में स्थापित किए गए ओशनसैट-3 सैटेलाइट को भारत के लिए बेहद अहम माना जा रहा है क्योंकि आधुनिक तकनीक और कैमरों से लैस ओशनसैट-3 की मदद से समुद्री घटनाओं का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है, जिससे किसी भी समुद्री तूफान या चक्रवात का पहले ही पता लगाया जा सकता है। इसकी मदद से न केवल समुद्री सतह के तापमान को नापा जा सकेगा बल्कि इससे समुद्री इलाकों में क्लोरोफिल, फाइटोप्लैंकटन, एयरोसोल तथा प्रदूषण की भी जांच करने में मदद मिलेगी। कलर मॉनिटर, स्कैटरोमीटर तथा सी-सरफेस टेम्परेचर मॉनीटर से लैस यह सैटेलाइट समुद्र और पृथ्वी की बारीकी से निगरानी और रिकॉर्ड करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ के मुताबिक पीएसएलवी-सी54 द्वारा ओशनसैट-3 सैटेलाइट को सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जा चुका है और अब यह सैटेलाइट करीब 5 वर्ष तक समुद्र और उससे जुड़ी जानकारी देगा। इसरो की स्पेसक्राफ्ट डायरेक्टर थेनमोझी सेल्वी का कहना है कि ओशनसैट-3 सैटेलाइट का उपयोग मछली पकड़ने के क्षेत्रों की पहचान, सामुद्रिक सुरक्षा, मौसम के पूर्वानुमान तथा कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में भी किया जा सकेगा।

इसका लक्ष्य महासागर का अध्ययन और डाटा संग्रह, मौसम के बदलावों व चक्रवातों पर नजर रखना तथा हवा के बहाव का डेटा जुटाना है। बहरहाल, अंतरिक्ष की दुनिया में इसरो जिस प्रकार लगातार सफलता का परचम लहरा रहा है, उससे अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में विश्वभर में भारत का दबदबा निरन्तर बढ़ रहा है। इसरो के ऐसे सफल मिशनों की बदौलत भविष्य में इसरो को आर्थिक लाभ तो होगा ही, अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में पूरी दुनिया भारतीय वैज्ञानिकों का दम भी देखेगी और इससे दुनिया के छोटे देश भी अपने अभियानों के लिए भारत की ओर आकर्षित होंगे, जो निश्चित रूप से भारत की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है।

क्या गुजरात मॉडल यूपी में भी होगा प्रभावी ?

डॉ. अजय कुमार मिश्रा

उत्तर प्रदेश की कई बड़ी समस्यायों में से एक बड़ी समस्या बिजली की रही है । योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने पहले कार्यकाल में इस विषय पर सकारात्मक कार्य किया परन्तु खामियां भी विद्यमान रही । योगी सरकार के पुनः सत्ता में आने के पश्चात बिजली विभाग की जिम्मेदारी तत्कालीन आई.ए.एस. और वर्तमान राजनैतिक नेता श्री ए. क. शर्मा को प्रदान की गयी है । इसके अतिरिक्त उन्हें नगर विकास की जिम्मेदारी भी प्रदान की गयी है । यदि दोनों विभागों की कार्य और आवश्यकता को देखा जाए तो प्रत्येक व्यक्ति और घर से इसका सीधा सम्बन्ध है, जहाँ हर कोई स्वतंत्र है कार्यो की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए । आम जनता का मूल्यांकन सिर्फ बातों से ही नहीं बल्कि ईवीएम का बटन दबा करके भी दर्शाया जाता है ।

आधुनिकीकरण, तकनीकी का उपयोग और वैश्वीकरण ने परम्परागत तकनीकी को समाप्त करके मशीनरी और कंप्यूटरीकृत प्रणालियों का न केवल प्रचार प्रसार किया है बल्कि इनकी पहुँच घर-घर कर दिया है । आज प्रदेश के कोनें कोनें में इनका उपयोग किया जा रहा है । इन सभी के सफल उपयोग के लिए उर्जा अब आवश्यकता ही नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन अनिवार्यता भी बन गया है । उदहारण के तौर पर मोबाइल के जरिये आज पलक झपकते ही लोग ऐसी जानकारियां प्राप्त कर लेते है जिसे आज के कई दशक पहले जानना लगभग असंभव था । ऐसे में उर्जा विभाग की गहरी भूमिका न केवल बड़े स्तर पर बल्कि तकनीकी के नवीनतम उपयोग की प्रतिबद्धता को भी अनिवार्य बना रहा है । यदि हम दूसरे पहलूँ की बात करें तो आज जिस आसानी से बिजली का कनेक्शन लोगों को मिल पा रहा है, या शिकायतों का त्वरित निवारण हो पा रहा है उसका सीधा श्रेय विभाग के मुखिया श्री ए.के. शर्मा को ही जाता है । जनता के बीच नियमित क्षेत्र में रहकर न केवल संवाद कर उनकी समस्या का समाधान करते है बल्कि स्वयं विभाग की शिकायत निवारण प्रणाली के अतिरिक्त सीधे प्लेटफार्म आम जन के लिए दे रखा है जहाँ आप किसी भी तरह की शिकायत को उन तक पहुंचा सकतें है । ये बातें यह भी दर्शाती है की गुजरात मॉडल में इनके द्वारा अदा की गयी भूमिका कोई तुक्का नहीं थी । हाल ही में चलायें गए एक मुश्त ब्याज माफ़ी योजना की स्वीकार्यता बड़े पैमाने पर प्रदेश के सभी कोने में रही और रिकॉर्ड लोगों ने इसका लाभ लेकर अपने बकाये बिजली के बिल का न केवल भुगतान किया बल्कि कनेक्शन को भी नियमित कराया है । बिजली के लिए गर्मियों में आम जन के बीच बढ़ी मांग की पूर्ति न होने पर गावों के अतिरिक्त शहरों में भी हाहाकार मचता दिखाई पड़ने पर स्वयं श्री ए.के. शर्मा ने मोर्चा सम्भाल करके स्थिति में बड़ा बदलाव करके निर्धारित मानकों से अधिक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित किया है । आज निर्बाध रूप से बिजली सभी को प्राप्त हो रही है साथ है बड़ी बात यह भी है की बिजली की दरों में बढोत्तरी के बजाय इनके नेतृत्व में कमी की गयी है जिससे जनता में खुशियाँ विद्यमान है । किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए सबसे जरुरी होती है आपकी योग्यता, अनुभव और समझ जिसके आधार पर आम लोगों के जीवन में प्रकाश लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखातें है । पूर्व आई.ए.एस. होने और जनता की मूल समस्यायों को गहराई से समझने, आम लोगों से जुड़े रहने और समस्याओं को निस्तारित करने की मजबूत इच्छा शक्ति के साथ हमेशा जनता के बीच पाए जाने वाले नेता के रूप में उत्तर प्रदेश में श्री ए.के. शर्मा एक अमिट छाप छोड़ रहें है । दो दशक से अधिक समय तक गुजरात में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करके उपलब्धि से सभी को न केवल चौकाया बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में लगातार कार्य करके जनता का दिल भी जीता है । इन्ही उपलब्धियों की वजह से आज उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहें है । यदि आपको बिजली विभाग में जमीनी बदलाव देखना हो तो आप वर्तमान में प्राप्त और पहले प्राप्त सेवाओं का स्वयं मूल्यांकन कर सकतें है । इन परिवर्तनों में गुजरात मॉडल की झलक आपको देखने को जरुर मिलेगी । लखनऊ समेत जब पुरे प्रदेश में डेंगू का प्रकोप बढ़ा और हर तरफ परेशानियाँ उत्पन्न हो गयी तब स्वयं मोर्चा सम्भालतें हुए मैदान में उतर कर दिन और रात लगातार व्यवस्थाओं में बड़ा सुधार करके जनता की जमीनी आवश्यकता की न केवल पूर्ति की बल्कि साफ-सफाई पहले से कही अधिक बेहतर सुनिश्चित किया है । आज हर गली मोहल्ले में न केवल स्वच्छता दिख रही है बल्कि आम आदमी का जीवन बेहतर हो रहा है । प्रधानमंत्री जी के विज़न की पूर्ति के लिए प्रतिबद्ध और दो महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी लेकर श्री ए.के. शर्मा चल रहें है । विगत अपने 8 माह के कार्यकाल में उन्होंने हर क्षेत्र में जाकर अधूरी योजना परियोजना का न केवल जानकारी प्राप्त की बल्कि उनमे से कई पर कार्य करके परिणाम भी दिया है और अन्य पर लगातार कार्य चल रहा है । जिन बातों के लिए बिजली विभाग बदनाम था आज उन बातों से लगभग मुक्त हो चुका है ईमानदारी पूर्वक कार्य सभी पदों पर देखने को मिल रहा है तथा नियंत्रण के साथ-साथ सफल उत्पादकता भी अब प्रदर्शित हो रही है । श्री ए.के. शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की इन दो विभागों पर किये जा रहें कार्यो से आप अवश्य ही रूबरू विभिन्न माध्यमों से होतें रहें है । फिर चाहें न्यूज़ पेपर, टीवी चैनल, वेब न्यूज़ या सोशल मीडिया या फिर आम जन का स्वयं का संवाद ही क्यों न हो । प्रदेश के कोने-कोने से इनके कार्यो की सराहना देखने और सुननें को मिल रही है । पर जैसा की एक आम अवधारणा है अधिकांश आम जन के द्वारा पूर्ण हुए कार्यों की अपेक्षा अधुरें कार्यों की पूर्ति की चर्चा ज्यादा की जाती है ऐसे में श्री ए.के. शर्मा को और अधिक सतर्कता के साथ उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्य करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा की उनके साथ-साथ विभाग के लोग आम जन के लिए ईमानदारी से कार्य कर रहें है और जन समस्यायों का निस्तारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है ।

हिंदी के नाम पर आत्महत्या क्यों ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत के संविधान दिवस पर तमिलनाडु के एक व्यक्ति ने यह कहकर आत्महत्या कर ली कि केंद्र सरकार तमिल लोगों पर हिंदी थोप रही है। आत्महत्या की यह खबर पढ़कर मुझे बहुत दुख हुआ। पहली बात तो यह कि किसी ने हिंदी को दूसरों पर लादने की बात तक नहीं कही है। तमिलनाडु की पाठशालाओं में कहीं भी हिंदी अनिवार्य नहीं है। हां, गांधीजी की पहल पर जो दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा बनी थी, वह आज भी लोगों को हिंदी सिखाती है। हजारों तमिलभाषी अपनी मर्जी से उसकी परीक्षाओं में भाग लेते हैं। आत्महत्या करनेवाले सज्जन चाहते तो वे इसका भी विरोध कर सकते थे लेकिन विरोध का यह भी क्या तरीका है कि कोई आदमी अपनी या किसी की हत्या कर दे। जो अहिंदी भाषी हिंदी नहीं सीखना चाहें, उन्हें पूरी स्वतंत्रता है लेकिन वे कृपया सोचें कि ऐसा करके वे अपना कौन सा फायदा कर रहे हैं? क्या वे अपने आप को बहुत संकुचित नहीं कर रहे हैं? सिर्फ तमिल के जरिए क्या वे तमिलनाडु के बाहर किसी से कोई व्यवहार कर सकते हैं? यदि 10-15 प्रतिशत तमिल लोग अंग्रेजी सीख लेते हैं तो वे नौकरियां तो पा जाएंगे, क्योंकि केंद्र की सभी सरकारें अभी भी गुलामी का जुआ धारण किए हुए हैं लेकिन वे लोग खुद से पूछें कि भारत की आम जनता के साथ वे किस भाषा में बात करेंगे? इसमें शक नहीं कि भारत की प्रत्येक भाषा उतनी ही सम्मानीय है, जितनी कि हिंदी है लेकिन प्रत्येक भाषाभाषी को यदि अखिल भारतीय स्तर पर काम करना है तो वह हिंदी की उपेक्षा कैसे कर सकता है? जब ह.द. देवेगौड़ा भारत के प्रधानमंत्री बने तब वे हिंदी का एक वाक्य भी ठीक से बोल नहीं पाते थे लेकिन उन्होंने मुझसे आग्रहपूर्वक हिंदी सीखी और सारे उत्तर भारत के कार्यक्रमों में वे अपना भाषण हिंदी में पढ़कर देने लगे। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के बीच कोई विरोध नहीं है। राजनीतिक बहकावे में आकर कोई भी अतिवादी कदम उठाना उचित नहीं है। अब तो संविधान दिवस पर कानून मंत्री किरन रिजिजू ने घोषणा की है कि अब अदालतों के फैसलों का अनुवाद क्षेत्रीय भाषाओं में करवाने की भी व्यवस्था की जा रही है। मैं तो चाहता हूं कि अदालतों की बहस भी हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में की जाए ताकि लोग ठगे न जाएं। हिंदीभाषियों को चाहिए कि वे कम से कम एक अन्य भारतीय भाषा का कामचलाऊ ज्ञान तो प्राप्त करें ताकि अहिंदीभाषियों को लगे कि हम उनकी भाषाओं का भी पूरा सम्मान करते हैं। भारत सरकार को चाहिए कि नेहरु-काल के त्रिभाषा सूत्र की बजाय वह अब द्विभाषा सूत्र लागू करे और यदि कोई विदेशी भाषा पढ़ना चाहे तो उसे अल्पावधि प्रशिक्षण की भी सुविधा दी जाए।

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र का सशक्त संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत

संजीव ठाकुर

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण संवेदनशील एवं शाश्वत सिद्धांत है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है। जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित है। धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है। इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है।इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं । धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है । भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है। भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है। भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें। भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है। धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता है। भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है । हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें। आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था। स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं। और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती है। भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का है । भारत में अल्पसंख्यक भी इसी देश के निवासी हैं और इनको विश्वास दिलाने तथा इनकी रक्षा करने का मार्ग प्रशस्त धर्मनिरपेक्षता के अस्त्र के रूप में किया गया है। भारत देश निरंतर विकास के सोपान की तरफ अग्रसर है और एक वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में प्रशस्त भी है। इन परिस्थितियों में विश्व के समक्ष धर्मनिरपेक्ष था की एकता का आदर्श स्थापित करने की परम आवश्यकता है।

नंदा सप्तमी आज से

इस तिथि पर प्रकट हुए थे मित्र नाम के सूर्य

इनकी पूजा करने से उम्र बढ़ती है और दोष भी दूर होते हैं

बुधवार को नंदा सप्तमी व्रत किया जाएगा। अगहन महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी होने से नारद पुराण में इस दिन सूर्य के लिए 'मित्र व्रत' करने का विधान बताया गया है। इस तिथि पर उगते सूरज को जल चढ़ाने के साथ दिनभर व्रत रखकर ब्राह्मण भोजन करवाना चाहिए। ऐसा करने से उम्र बढ़ती है और बीमारियों से मुक्ति मिलती है। हर तरह के दोष भी खत्म हो जाते हैं। इस व्रत से आत्मविश्वास बढ़ता है और सफलता मिलती है।

उगते सूरज को जल चढ़ाने की परंपरा

अगहन महीने की सप्तमी तिथि पर सूर्योदय से पहले उठकर उगते सूरज को जल चढ़ाना चाहिए। दिनभर श्रद्धानुसार दान, व्रत और ब्राह्मण भोजन करवाना चाहिए।

भगवान सूर्य के 12 नामों का जाप करते हुए पूजा करने का विधान है।

सप्तमी पर तांबे के लोटे में जल, चावल और लाल फूल डालकर उगते हुए सूरज को जल चढ़ाएं। जल चढ़ाते वक्त ऊँ घृणि सूर्याय नमः मंत्र बोलते हुए शक्ति, बुद्धि और अच्छी सेहत की कामना करें। जल चढ़ाने के बाद धूप और दीप से सूर्य देव की पूजा करें। इस तिथि पर तांबे का बर्तन, पीले या लाल कपड़े, गेहूं, गुड़, माणिक्य, लाल चंदन का दान करें। इस दिन व्रत करें। एक समय फलाहार कर सकते हैं लेकिन दिनभर नमक न खाएं। नारद पुराण में बताया है कि कश्यप ऋषि के तेज और अदिति के गर्भ से मित्र नाम के सूर्य प्रकट हुए। जो असल में भगवान विष्णु की दाई आंख की शक्ति ही थी। इसलिए इस तिथि पर शास्त्रोक्त विधि से उनका पूजन करना चाहिए। सूर्य के मित्र रूप की पूजा करके सात ब्राह्मणों को भोजन करवाना चाहिए। फिर उन्हें श्रद्धा अनुसार दक्षिणा देनी चाहिए। इसके बाद खुद भोजन करें। इस तरह व्रत करने से मनोकामना पूरी होती है।

सप्तमी तिथि के स्वामी सूर्य

ज्योतिष ग्रंथों में सप्तमी तिथि के स्वामी सूर्य बताए गए हैं। इसलिए शुक्लपक्ष की सप्तमी पर उगते हुए सूरज को जल चढ़ाने की परंपरा पुराणों में बताई गई है। भविष्य पुराण में भी श्रीकृष्ण के पुत्र सांब द्वारा सूर्य पूजा करने का जिक्र है। इस सूर्य पूजा से सांब को दिव्य ज्ञान मिला। श्रीकृष्ण ने भी खुद सूर्य पूजा का जिक्र किया है।

समुद्र मंथन से निकली इन चीजों को घर में रखने से वैभव

ऐश्वर्य और धन में होती है वृद्धि

हिंदू धर्म में कई पौराणिक कथाएं आज भी प्रचलित हैं, जो प्रमाण देती हैं कि प्राचीन काल में देवताओं और असुरों के बीच कई युद्ध हुए। सबसे ज्यादा प्रचलित कथाओं में से एक समुद्र मंथन की कथा को भी माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार, महर्षि दुर्वासा के श्राप से स्वर्ग में वैभव, ऐश्वर्य और धन समाप्त हो गया था। सभी देवी-देवता श्री हरि विष्णु के पास पहुंचे। तब भगवान विष्णु ने समुद्र मंथन का उपाय बताया था। आइए भोपाल निवासी ज्योतिष एवं पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से जानते हैं। वह कौन सी पांच वस्तु हैं जिन्हें घर में रखने से तिजोरी हमेशा भरी रहेगी।

अमृत कलश : समुद्र मंथन के दौरान सबसे अंत में जो अमूल्य वस्तु निकली थी वह था अमृत कलश। यह कलश भगवान धन्वंतरी बाहर लेकर आए थे। समुद्र मंथन से अमृत कलश निकलने के बाद देवता और असुर दोनों ही इसे पाना चाहते थे जिसके कारण इससे विवाद निर्मित हो गया था। तभी से हर मांगलिक और शुभ कार्य में अमृत कलश स्थापना की परंपरा शुरू हो गई। पिता के अनुसार जिस घर में अमृत कलश होता है वहां रोग और दुख, तकलीफें नहीं आती।

पांचजन्य शंख : पौराणिक कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन से 14 बहुमूल्य रत्न निकले थे। इन रत्नों में से एक पांचजन्य शंख भी माना जाता है। यह शंख भगवान विष्णु की किसी भी तस्वीर में उनके हाथों में आप देख सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस शंख को घर के मंदिर में रखना बेहद शुभ और लाभकारी माना जाता है।

पारिजात के पुष्प देवताओं और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन से पारिजात का वृक्ष भी निकला था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि घर के भगवान को पारिजात के पुष्प अर्पित किए जाते हैं तो यह बेहद शुभ माना जाता है। पारिजात के पुष्प की खुशबू मनुष्य के जीवन में कामयाबी और सफलता के रास्ते खोलने में अहम भूमिका निभाती है।

उच्चैः श्रवा घोड़ा समुद्र मंथन में निकले 14 रत्नों में से एक उच्चैः श्रवा घोड़ा भी है। यह सफेद रंग के घोड़े को असुरों के राजा बलि को दिया गया था। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह घोड़ा आसमान में उड़ता था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन से निकले इस घोड़े की तस्वीर यदि कोई मनुष्य अपने घर में लगाता है तो उसके घर से नेगेटिव एनर्जी कोसों दूर चली जाती है।

ऐरावत हाथी : ऐरावत समुद्र मंथन में निकला 14 रत्नों में से एक है। ये देवताओं के राजा इंद्र का वाहन है जो उड़ भी सकता है। सफेद रंग का ये हाथी घर में रखना बेहद शुभ माना जाता है। यदि आप क्रिस्टल या सफेद रंग का हाथी घर में रखते हैं तो आपके घर में सुख समृद्धि की बढ़ोत्तरी होगी।

आत्मविश्वास बढ़ाता है सूर्य का यह रत्न

धारण करने से होते हैं अनेक लाभ

जीवन की परेशानियों को कम करने और सुख-समृद्धि के लिए लोग रत्न धारण करते हैं। रत्नशास्त्र में रत्नों का विश्लेषण किया गया है। सभी रत्नों में नवरत्न का विशेष महत्व होता है। प्रत्येक रत्न एक विशेष ग्रह से संबंध रखता है और उसी के अनुरूप परिणाम देता है। माणिक्य रत्न को अंग्रेजी में कहते हैं। रूबी यानी माणिक्य रत्न का संबंध सूर्य ग्रह से माना गया है।लाल रंग के चमकीले माणिक्य रत्न को धारण करने से व्यक्ति का आत्मविश्वास सूर्य के समान बढ़ता है। चलिए जानते हैं माणिक्य रत्न किसे धारण करना चाहिए और इसके लाभ क्या हैं।

माणिक्य रत्न के हैं अनेक लाभ

रत्नशास्त्र के अनुसार, माणिक्य का संबंध सूर्य ग्रह से होता है, इसलिए इसे धारण करने से तेज, यश, बल व शक्ति की प्राप्ति होती है। रूबी यानी माणिक्य रत्न धारण करने से व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ने लगता है। जीवन में सुख-समृद्धि के साथ ही तरक्की के सभी द्वार खुलने लगते हैं। माणिक्य रत्न हृदय रोग, आंख से संबंधित रोगों में भी लाभकारी होता है। माणिक्य रत्न पहनने से नौकरी संबंधित परेशानी खत्म होती है और व्यापार में लाभ होता है।

किसे पहनना चाहिए माणिक्य रत्न

शास्त्रों के अनुसार, माणिक्य रत्न को राशियों के हिसाब से पहनना चाहिए। किसी जातक की कुंडली में सूर्य कमजोर हो तो माणिक्य पहनना लाभदायक होता है। इसी तरह सिंह, मेष व धनु लग्न में माणिक्य धारण करना शुभ होता है। दशम, नवम, पंचम, एकादश भाव में सूर्य होने की दशा में माणिक्य रत्न धारण कर सकते हैं, लेकिन, कन्या, मकर, मिथुन, तुला व कुंभ लग्न के लोगों को माणिक्य रत्न धारण करने से पहले ज्योतिष की सलाह लेनी चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

ज्योतिषियों के अनुसार, माणिक्य रत्न धारण करने से पहले कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें।

जैसे माणिक्य रत्न लाल या गुलाबी रंग का ही धारण करना चाहिए।

माणिक्य को सोने या तांबे की धातु में पहनना चाहिए, जिसका वजह 6 से सवा 7 रत्तनी होना चाहिए।

रविवार के दिन माणिक्य रत्न को अनामिका उंगली में धारण करना शुभ होता है।

रिश्तों में घुल जाएगी मिठास

अपनाएं पान के पत्तों के ये सरल उपाय

सनातन धर्म में पूजा-पाठ के लिए कई सारी वस्तुओं का उपयोग किया जाता है और इन सभी सामग्रियों का अपना एक महत्वपूर्ण स्थान है। इन्हीं सामग्रियों में से एक है पान का पत्ता। पान के पत्ते का प्रयोग भगवान गणेश और माता दुर्गा की पूजा में खासतौर पर किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार पूजा में पान का पत्ता उपयोग करना बहुत जरूरी होता है। पान के पत्ते के बिना कोई भी पूजा पूरी नहीं मानी जाती। पूजा पाठ के अलावा पान का पत्ता औषधीय गुणों से भी भरपूर होता है। पान के पत्ते के कुछ ज्योतिषी उपाय हमें बता रहे हैं भोपाल निवासी -यदि आप या आपके घर में कोई व्यक्ति लंबे समय से बीमारियों से जूझ रहा है तो ऐसे में मंगलवार और शनिवार के दिन 11 पान के पत्ते को लाल धागे की माला बनाकर इस पर प्रभु श्री राम का नाम लिखकर हनुमान जी को चढ़ाएं। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से घर परिवार के लोगों को रोगों से छुटकारा मिलता है।

-यदि किसी व्यक्ति को नौकरी या व्यापार में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो ऐसे में शनिवार के दिन 5 पान के पत्ते लेकर उसे एक साथ एक धागे में बांधे। हर शनिवार को नए पत्ते लेकर नए धागे में बांधकर अपने व्यापार स्थल के पूर्व दिशा की ओर इसे लटका दें। पुराने धागे और पान के पत्तों को उतारकर जल में प्रवाहित करें। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से व्यापार में आ रही परेशानियां हमेशा के लिए दूर होंगी।

-यदि किसी व्यक्ति के घर में लगातार कई दिनों से ग्रह कलेश बना हुआ है और घर के सदस्यों के बीच आपस में तनावपूर्ण माहौल बना रहता है, तो ऐसे में शुक्रवार के दिन 3 पान के पत्ते लेकर उसमें गुड़ के दो टुकड़े डालकर माता लक्ष्मी को अर्पित करें। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से धीरे-धीरे घर के लोगों के बीच सामंजस्य ठीक होगा और रिश्तो में मिठास आएगी।

-यदि किसी व्यक्ति का दांपत्य जीवन ठीक नहीं चल रहा या फिर पति और पत्नी के बीच लगातार अनबन बनी रहती है तो ऐसे में शनिवार के दिन सात गुलाब की पंखुड़ियां पान के पत्ते में रखकर माता लक्ष्मी को अर्पित करें। ऐसा लगातार चार शनिवार तक करने से पति पत्नी के बीच कलह का माहौल खत्म होता है साथ ही प्रेम बढ़ता है।

14 वर्ष के वनवास में मां सीता के वस्त्र क्यों नहीं हुए मैले

वनवास के समय माता सीता ने पीले वस्त्र पहने थे।

माता अनुसूया ने सीता जी को एक दिव्य साड़ी भेंट की थी।

रामायण को प्रमुख ग्रंथों में सबसे श्रेष्ठ ग्रंथ माना गया है। रामायण में भगवान श्रीराम और माता सीता के विवाह और वनवास की कथा मिलती है। माता सीता राजा जनक की पुत्री और भगवान श्रीराम की पत्नी थीं। माता सीता को पत्नी धर्म निभाने के लिए भगवान श्रीराम के साथ वनवास जाना पड़ा। वनवास के समय भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण तीनों ने ही पीले रंग के वस्त्र धारण किए थे। 14 वर्ष के वनवास में माता सीता के कपड़े कभी मैले नहीं हुए थे, जिसकी कथा इस प्रकार है।

किसने भेंट की माता सीता को साड़ी

वनवास के प्रारंभ में भगवान श्री राम माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ ऋषि अत्रि के आश्रम में गए थे। ऋषि अत्रि की पत्नी का नाम माता अनुसूया था। माता अनुसूया ने तीनों का ही खूब आदर-सत्कार किया और सीता को अपनी पुत्री की भांति प्रेम किया। माता अनुसूया ने सबको वस्त्र और आभूषण भेंट किए, जिसमें उन्होंने माता सीता को एक दिव्य साड़ी भेंट की थी। इस साड़ी की खास बात थी कि ये ना तो कभी फटती और ना ही कभी मैली हो सकती थी। माता अनुसूया द्वारा दिए गए वस्त्रों का रंग पीला था।

14 वर्ष तक मैली नहीं पड़ी साड़ी

14 वर्ष के वनवास के समय माता सीता ने अनुसूया द्वारा भेंट की गई साड़ी धारण किया। इस कारण वह साड़ी कभी मैली नहीं होती थी। दिव्य साड़ी और आभूषण भेंट करने के साथ ही माता अनुसूया ने सीता जी को पत्नी धर्म का उपदेश भी दिया था। माता सीता हमेशा पीले रंग की साड़ी पहना करती थीं। हिंदू धर्म में पीले या गेरुआ रंग के वस्त्र बहुत महत्व रखते हैं।

भूमि पेडनेकर का बनना है पति तो होनी चाहिए ये खासियत, इस कलर की आंखें हैं तो समझिए बात पक्की

बॉलीवुड की यंग और खूबसूरत एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपनी एक्टिंग के दमखम से फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है. इन दिनों वो अपनी अपकमिंग फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' के प्रमोशन में लगी हुई हैं. इस फिल्म में भूमि के साथ विक्की कौशल और कियारा आडवाणी भी लीड लोल में होंगे. फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त भूमि पेडनेकर ने एक इंटरव्यू में अपने फ्यूचर हस्बैंड के बारे में बात की. भूमि पेडनेकर ने बताया कि उनके सपनों का राजकुमार कैसा होना चाहिए.

इस रंग की आंखों वाला होना चाहिए पति

33 साल की उम्र में भी भूमि पेडनेकर अभी भी सिंगल हैं और उन्हें एक सच्चे साथी की तलाश है. ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में भूमि से पूछा गया कि उनका पति कैसा होना चाहिए ? इसके जवाब में भूमि ने कहा कि उन्हें नीले या हरे रंग की आंखों वाला पति नहीं बल्कि काली आंखों वाला पति चाहिए. अपने एक पुराने इंटरव्यू में भूमि ने बताया था कि उन्हें छठी क्लास में ही अपने सीनियर से प्यार हो गया था. वो स्कूल का स्पोर्ट्स कैप्टन था. हालांकि 16 साल की उम्र में उनका पहला बॉयफ्रेंड बना.

16 साल की उम्र में बना पहला बॉयफ्रेंड

अपने बॉयफ्रेंड के साथ भूमि पहली डेट पर फिल्म देखने गई थीं. भूमि ने ये भी बताया था कि उन्होंने पहली बार शराब 19 साल की उम्र में पी थी. उन्होंने इतनी पी ली थी कि 4-5 घंटे तक नाचती ही रहीं. छठी क्लास में ही भूमि से एक लड़के को प्यार हो गया था. उसने कहा था कि अगर तुम मेरी नहीं हो सकती तो किसी और की नहीं हो सकती. क्या भूमि के पैरेंट्स ने कभी उन्हें एडल्ट फिल्म देखते हुए पकड़ा है? इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा अभी तक तो नहीं पकड़ा।

नदव लैपिड के खिलाफ गोवा में दर्ज हुआ केस, स्वरा भास्कर और प्रकाश राज ने किया सपोर्ट!

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) के जूरी हेड और निर्देशक नदव लैपिड की भारत में चौतरफा आलोचना हो रही है. सोशल मीडिया पर उन्हें बायकॉट करने का भी ट्रेंड शुरू हो गया है. 'द कश्मीर फाइल्स' की आलोचना करने वाले नदव लैपिड को लेकर अब बड़ी खबर सामने आ रही है. उनके खिलाफ गोवा में एक पुलिस कंप्लेंट की गई है, ये शिकायत सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने दर्ज कराई है. वहीं, इजरायस के शीर्ष राजनयिकों और इंडियन एक्टर्स और राजनेताओं ने नदव लैपिड से अपने बयान के लिए मांफी मांगने की भी मांग कर रहे हैं.

आपको जानकर हैरानी होगी कि अपनी फिल्मों से ज्यादा विवादों के लिए फेमस एक्ट्रेस स्वरा भास्कर भी इस कंट्रोवर्सी में कूद पड़ी हैं. उन्होंने इशारों ही इशारों में इजरायली डायरेक्टर नदव लैपिड की साइड ली है. एक तरफ जहां देश भर में नदव लैपिड की आलोचना हो रही है, वहीं स्वरा भास्कर ने लैपिड के सपोर्ट ट्वीट किया है. उन्होंने तंज सकते हुए कहा कि जाहिर तौर पर दुनिया को ये नजर आ रहा है. स्वरा के अलावा साउथ के एक्टर प्रकाश राज ने भी इस विवाद पर चुटकी लेते हुए कहा कि अब 'तो बेशर्मी ऑफिशियल हो गई है'. स्वरा और प्रकाश के इस ट्वीट से कई लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है.

लैपिड की चौतरफा आलोचना

गौरतलब है कि लैपिड द्वारा 'द कश्मीर फाइल्स' की आलोचना पर न केवल फिल्म के कलाकारों ने बल्कि भारत में इजरायल के राजदूत नौर गिलोन ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है. नौर गिलोन ने अपने देशवासी को अंग्रेजी में एक लंबा खुला पत्र ट्विटर पर लिखा है. गिलोन ने अपने खुले पत्र की शुरूआत एक टिप्पणी के साथ की, उन्होंने लिखा, "कश्मीर फाइल्स की आलोचना के बाद नदव लैपिड को एक खुला पत्र लिख रहा हूं. खास बात यह है कि यह पत्र हिब्रू में नहीं है क्योंकि मैं चाहता था कि हमारे भारतीय भाई-बहन भी इसे समझ सकें. सबसे पहले कहूंगा, आपको शर्म आनी चाहिए."

बर्थडे पर अश्लील डांस के बाद, नेहा भसीन ने बिकिनी पहन की ऊट-पटांग हरकतें, लोग बोले-बस यही बाकी है

बॉलीवुड सिंगर और बिग बॉस एक्स कंटेस्टेंट नेहा भसीन ने अपने सुरीली आवाज़ में कई गाने गाए हैं. इसके अलावा वे सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों और वीडियो को लेकर काफी पापुलर रहती हैं. नेहा अक्सर अपनी बोल्ड फोटो शेयर कर चर्चा में आ जाती हैं. उन्हें अजीब-गरीब हरकतों के लिए कई बार ट्रोल किया जा चुका है. इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है. नेहा ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने व्हाइट और ब्लू कलर स्ट्राइप्ड बिकिनी पहनी है. वे सेक्सी अंदाज में वॉक कर रही हैं और अपना फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं. इस वीडियो को अलावा उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं. इस वीडियो के बाद नेहा एक बार फिर लाइमलाइट में आ गई हैं. लोग उनकी इन फोटोज़ और वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं.

नेहा के इस विडियो पर लोगों के काफी भद्दे कमेंट्स आ रहे हैं. जिन्हें हम यहां लिख भी नहीं सकते. हां, लोगों ने इतना जरूर कहा कि बस यही करना बाकी है. बता दें, कुछ वक्त पहले नेहा ने अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया था. इस पार्टी में उनके कई दोस्त और एक्स बिग कंटेस्टेंट मौजूद थे. नेहा ने रश्मि देसाई, राजीव अदतिया, उमर रियाज और निशांत भट्ट के साथ जमकर डांस किया. नेहा का ये डांस वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था.

इनके भद्दे डांस को देखकर लोगों ने जमकर अपनी भड़ास उतारी. दरअसल, नेहा की ऑफ शॉल्डर बोल्ड ड्रेस की तो बात ही छोड़िए नेहा के डांस स्टेप्स ही इतनी बोल्ड ही कि जो भी देखें दांतों तले ऊंगलियां दबा ले. नेहा को आगे से निशांत भट्ट ने पकड़ा हुआ है वहीं पीछे से उमर पकड़कर डांस कर रहे हैं. नेहा के इस वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने इनकी तुलना बार बाला से कर दी।

विराट कोहली को नीली जर्सी में देखकर मृणाल ठाकुर हुईं थीं आउट ऑफ कंट्रोल, इश्क का भूत ऐसा सवार हुआ...

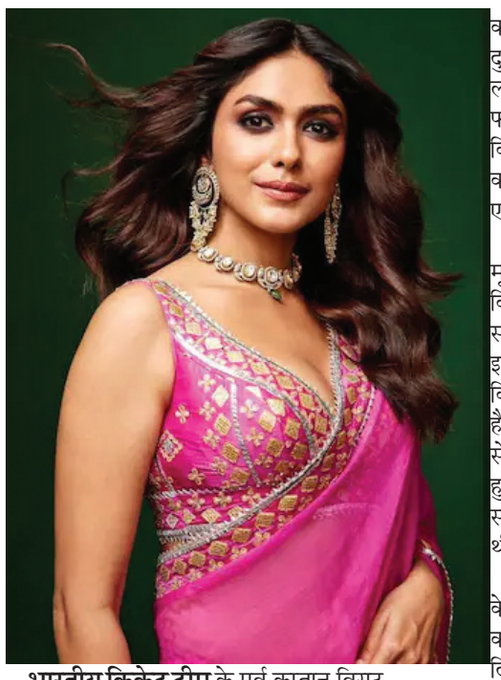

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का भला कौन फैन नहीं होगा. विराट कोहली को दुनिया भर में फैंस हैं. विराट कोहली सिर्फ अपने खेल के कारण ही नहीं बल्कि अपने लुक्स और स्टाइल के लिए भी फेमस हैं. हमारा यूथ उनके स्टाइल को कॉपी करने में पीछे नहीं रहता है. बता दें, दुनिया भर में विराट के दीवाने सिर्फ लड़के ही नहीं हैं बल्कि हजारों फीमेल भी उनकी फैन्स हैं. यहां तक कि कई बॉलीवुड सेलेब्स भी विराट कोहली के दीवाने हैं और इनमें कुछ एक्ट्रेस भी हैं.

यहां तक कि बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने भी कबूल किया है कि वह कभी तेजतर्रार बल्लेबाज के साथ 'पागलपन से प्यार' करती थीं. इसके साथ ही मृणाल ने खुलासा किया कि उन्हें क्रिकेट से कितना प्यार है और यह सब उनके भाई की वजह से है. स्पोर्ट्स के बारे में बात करते हुए जर्सी फेम एक्ट्रेस ने कहा कि वह स्कूल के दिनों में भी स्पोर्ट्स पर्सन थीं.

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने क्रिकेट के प्रति अपने प्यार के बारे में भी बात की और इसका श्रेय अपने भाई को दिया. उन्होंने उनके साथ एक लाइव मैच देखने और टीम इंडिया के लिए चीयर करने को भी याद किया. बता दें, मृणाल को स्पोर्ट्स ड्रामा जर्सी में अभिनेता शाहिद कपूर के साथ कास्ट किया गया है, जो इसी नाम की तेलुगु फिल्म का रीमेक है.

इस शख्स संग प्यार में हैं अर्जुन कपूर की बहन अंशुला, साथ इन्जॉय कर रहे वेकेशन!

खबर है कि अंशुला कपूर का दिल भी अब किसी खास के लिए धड़क उठा है. वो रोहन ठक्कर नाम के शख्स को डेट कर रही हैं लेकिन आखिर रोहन हैं कौन...और अंशुला उनके इतना करीब कैसे आ गईं. चलिए बताते हैं आपको. बोनी कपूर की बड़ी बेटी और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर भले ही एक्टिंग से दूर हों लेकिन फिर भी वो लाइमलाइट में बनी ही रहती हैं. अपने स्टाइल और बोल्डनेस से सभी के होश उड़ाने वालीं अंशुला अब एक और खास वजह से चर्चा में आ गई हैं. खबर है कि अर्जुन कपूर की बहन की जिंदगी में किसी खास की एंट्री हो चुकी है और दोनों एक दूसरे को डेट भी कर रहे हैं. जिनके लिए अंशुला का दिल धड़क उठा है वो हैं रोहन ठक्कर . जिनका नाम पहले ज्यादा नहीं सुना गया है. लेकिन इस वक्त अंशुला रोहन के बेहद करीब हैं.

15 नवंबर को रोहन ठक्कर के बर्थडे पर अंशुला ने उनके साथ खास वीडियो शेयर की थी जो मालदीव की थी. इस वीडियो में रोहन के साथ अंशुला काफी खुश नजर आ रही थीं और वेकेशन को दोनों खूब इन्जॉय कर रहे थे. इस पोस्ट पर मलाइका अरोड़ा, शनाया कपूर और संजय कपूर ने भी कमेंट किया था. वहीं हाल ही में वो गोवा में हॉलीडे के लिए पहुंचीं जहां भी रोहन उनके साथ दिखे. ऐसे में इनकी ग्रेट कंपनी देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि दोनों के बीच कुछ तो चल रहा है जिसकी पर्दादारी वो कर रहे हैं.

कौन हैं रोहन ठक्कर?

अब सवाल ये कि आखिरकार रोहन ठक्कर हैं कौन? पेशे से रोहन एक स्क्रीन राइटर हैं जिन्होंने बॉलीवुड से बाहर कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है लेकिन अभी तक उन्होंने बॉलीवुड में कोई काम नहीं किया. ऐसे में अब अंशुला के साथ उनकी मुलाकात कैसे हुई और कैसे दोनों एक दूसरे के इतने नजदीक आ गए ये फिलहाल किसी को पता नहीं है. कहा जा रहा है कि 2022 की शुरुआत में ही दोनों रिलेशनशिप में आए हैं लेकिन अभी तक इसे सीक्रेट ही रखा है.

इस दिन मास्को में होगा भारतीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन, 'पुष्पा' होगी पहली देखी जाने वाली फिल्म

अभिनेता अल्लू अर्जुन की पैन-इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा-द राइज' उन छह फिल्मों में से एक है जिसे 1 से 6 दिसंबर तक भारतीय फिल्म महोत्सव के हिस्से के रूप में 24 रूसी शहरों में प्रदर्शित की जाएगी. रूसी संघ के संस्कृति मंत्रालय और रूस में भारत के दूतावास के समर्थन से भारतीय राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र और एसआईटीए के साथ मिलकर भारतीय फिल्मों द्वारा फिल्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है.

रिपोर्ट के मुताबिक स्क्रीनिंग रूसी नेटवर्क के सिनेमाघरों, जैसे- मास्को के सिनेमा पार्क, सेंट पीटर्सबर्ग और सोची के अलावा अन्य शहरों में प्रदर्शित की जाएगी की जाएगी. कार्यक्रम में करण जौहर का ड्रामा, 'माई नेम इज खान' और मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म 'डिस्को डांसर' समेत सिक्स ऑल टाइम हिट्स शामिल हैं जो रूस में प्रशंसक बनी हुई हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, सुकुमार बांद्रेड्डी द्वारा लिखित और निर्देशित 'पुष्पा – द राइज' महोत्सव की उद्घाटन फिल्म होगी. भारतीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन एक दिसंबर को मास्को में होगा. 3 दिसंबर को 'पुष्पा – द राइज' के कलाकार और सदस्य सेंट पीटर्सबर्ग में शॉपिंग सेंटर गैलेरिया में फिल्म की स्क्रीनिंग में शामिल होंगे. फेस्टिवल में दिखाई जा रही अन्य लोकप्रिय भारतीय फिल्मों में 'आरआरआर', 'दंगल' और 'वॉर' भी शामिल है.

'मैं भी वर्जिन नहीं हूं': दो बार तलाकशुदा शख्स से शादी करने के बाद नेहा पेंडसे ने किया था ये खुलासा

टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस नेहा पेंडसे को उनके फैंस 'चंद्रमुखी चौटाला' के नाम से जानते हैं. पॉपुलर कॉमेडी शो 'एफआईआर' से घर-घर अपनी पहचान बना चुकीं नेहा पेंडसे इन दिनों 'भाभी जी घर पर हैं' में अनीता भाभी का किरदार निभा रही हैं. नेहा पेंडसे टीवी और फिल्म उद्योग की प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में से एक हैं. आज यानी 29 नवंबर को वो अपना 38वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. उन्होंने टीवी के साथ-साथ हिंदी, मराठी, तेलुगु, तमिल, मलयालम फिल्मों में काम किया है.

मुंबई में पैदा हुईं और पली-बढ़ीं नेहा पेंडसे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रही हैं. नेहा उस समय सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा ट्रोल हुईं जब उन्होंने शार्दुल ब्यास से शादी की जिनका पहले ही दो बार तलाक हो चुका है. शार्दुल की अपनी पहली पत्नियों से 1-1 बच्चा भी है. ट्रोलर्स ने नेहा और शार्दुल को निशाने पर लेते हुए खूब ट्रोल किया. इस पर नेहा ने भी करारा जवाब देते हुए कहा था कि मुझे लगता है कि ट्रोलिंग कभी नहीं रुक सकती, ट्रोलर्स आपको ट्रोल करने की कोई न कोई वजह ढूंढ ही लेते हैं.

ट्रोलिंग से नहीं पड़ता फर्क

नेहा ने कहा, 'मैंने और मेरे पति ने ट्रोलर्स को नजरअंदाज करना सीख लिया है. शुरुआत में ट्रोलिंग का असर मेरे पति पर पड़ता था क्योंकि उन्हें इन सब चीजों की आदत नहीं है, लेकिन अब इससे हमें फर्क नहीं पड़ता. मैं मेंटली प्रिपेयर हो गई हूं कि लोग आपकी तुलना करेंगे. हालांकि इसने कभी मेरी परफॉर्मेंस को प्रभावित नहीं किया.' नेहा ने उस समय फैंस को हैरान कर दिया था जब उन्होंने पति शार्दुल का सपोर्ट करते हुए अपनी निजी जिंदगी लोगों के सामने खोलकर रख दी.

'पुरुष मुझसे दूर भागने लगे थे'

नेहा ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं वर्जिन हूं, मैं इस फैक्ट की तारीफ करती हूं कि उन्होंने (शार्दुल) उस महिला के साथ शादी का जोखिम उठाया जिसे वो प्यार करते थे. मेरे केस में तो पुरुष मुझसे दूर भागने लगे थे, जब एक रिश्ता शादी के मंजिल तक पहुंच सकता था. कम से कम शार्दुल ने अपना वादा तो निभाया.' बता दें कि नेहा ने एक चाइल्ड एक्ट्रेस के तौर पर अपना करियर शुरू किया था. उन्हें सबसे पहले 1999 में आई फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में देखा गया. बाद में उन्हें देवदास जैसी फिल्मों में देखा गया. टीवी में उनकी एंट्री 'कैप्टन हाउस' शो से हुई।

अरबाज खान की गर्लफ्रेंड जॉर्जिया ने मलाइका पर कही ऐसी बात, बोलीं 'मुझे वो बिल्कुल...'

बॉलीवुड के हीरो और खान परिवार के खास बेटे अरबाज खान इन दिनों अपने रिश्ते को लेकर खासे चर्चा में है. जहां सालों पहले अरबाज ने अपनी पत्नी मलाइका से तलाक लिया था. वहीं इन दिनों वो मॉडल और एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे हैं. जॉर्जिया एंड्रियानी आए दिन अरबाज के साथ खान परिवार के हर समारोह में शिरकत भी करती हैं. ऐसे में हाल ही में जब जॉर्जिया एंड्रियानी से उनके और अरबाज की एक्स वाइफ मलाइका अरोड़ा के रिश्ते के बारे में सवाल किए गए तो उन्होंने इसका बेहद शानार तरीके से जवाब दिया. बता दें कि जॉर्जिया एंड्रियानी और अरबाज तब से रिश्ते में हैं, जब से मलाइका और अरबाज का तलका हुआ है. ऐसे में आइए जानते हैं कि जॉर्जिया एंड्रियानी ने अपने बॉयफ्रेंड की एक्स वाइफ के बारे में क्या कहा है.

जॉर्जिया ने मलाइका पर कही ये बात

बॉलीवुड हंगामा के साथ एक इंटरव्यू में, जॉर्जिया एंड्रियानी से पूछा गया कि क्या वह मलाइका अरोड़ा से मिली हैं और उन्होंने जवाब दिया, 'कई बार'. मलाइका के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए जॉर्जिया एंड्रियानी ने कहा, 'मैं सच में उन्हें पसंद करती हूं और मैं उनकी जर्नी की काफी तारीफ करती हूं, उन्होंने भी इंडस्ट्री में जीरो से शुरुआत की थी। वह एक मॉडल थी और अपनी मेहनत के दम पर आज वो ऐसे मुकाम पर हैं जो आज भी काफी लोगों का सपना है.'

22 साल का है उम्र के बीच फासला

इससे पहले अरबाज खान ने गर्लफ्रेंड जॉर्जिया के बारे में एक इंटरव्यू में बात की थी. उन्होंने अपने और गर्लफ्रेंड के बीच 22 साल के फर्क पर बड़ी बात कही थी. अरबाज खान ने कहा, 'हमारी उम्र के बीच में काफी भारी-भरकम फासला है, लेकिन हमें कभी इसका एहसास नहीं हुआ. कभी-कभी मैं उनसे कहता हूं- 'सच में?' ये एक छोटा अफेयर हो सकता था. लेकिन जब आप एक रिश्ते में जाते हो तो आप बहुत आगे नहीं देखते.'

कॅरियर से कुछ दिन का ब्रेक लेने से पहले कर लें धन का इंतजाम

हमारे पूर्वज जो प्राकृतिक और पौष्टिक आहार खाया करते थे, उसे ही पैलियो डाइट कहते हैं। इस आहार में क्या-क्या शामिल है और क्या नहीं, यहां विशेषज्ञ बता रहे हैं। कई बार लंबे समय तक नौकरी करने के बाद काम से कुछ समय के लिए अंतराल लेने का मन करता है। कभी कॅरियर को आगे बढ़ाने के लिए कुछ नया सीखने की चाह होती है या फिर जीवन की ऊब को दूर करने के लिए घूमने का मन कर सकता है। ऐसा करने में कोई हर्ज़ नहीं है, बशर्ते कोई लोन या बड़ी ज़िम्मेदारी सिर पर न हो और आपके पास इतना धन सुरक्षित हो कि जीवन बसर करना आसान हो। नौकरी से विराम लेने के बाद आपके पास कोई आपका स्रोत नहीं होगा। इसलिए अगर आप कुछ समय के लिए ऐसा करने की सोच रहे हैं तो इतना बड़ा फ़ैसला करने पहले वित्त से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण तैयारियां ज़रूर कर लें।

छह महीने का रखें ख़र्च

विशेषज्ञ हमेशा सलाह देते हैं कि हर व्यक्ति के पास छह महीने या एक साल का ख़र्च बैंक खाते में सुरक्षित होना चाहिए। अगर आप नौकरी से विराम ले रहे हैं तो आपके खाते में भी छह माह से एक साल के गुज़ारे लायक़ पैसा होना चाहिए। अगर नहीं है तो पहले धन इकट्ठा करें और फिर नौकरी से विराम लेने का फैसला लें।

ख़र्चों में कटौती करें

एक सूची तैयार करें, इसमें महीने और साल के छोटे-बड़े सभी ख़र्च लिखें। मिसाल के तौर पर, राशन, बिजली, पानी, अन्य ख़र्च, मनोरंजन से संबंधित ख़र्चे जैसे ओटीटी और डीटीएच के शुल्क आदि। सूची बनाने के बाद देखें कि महीने और सालभर में कितने पैसे ख़र्च होते हैं। अब इस बजट को आपको कम करना है, जैसे अगर ओटीटी बहुत ज़रूरी है तो केवल एक ही सब्सक्राइब करें। डीटीएच की आवश्यकता नहीं है तो उसे हटा सकते हैं। इसी तरह राशन से अतिरिक्त सामग्री कम कर सकते हैं। घर के काम भी ख़ुद कर सकते हैं। नया बजट पहले के बजट से काफ़ी कम होना चाहिए। इससे बचने वाले पैसे खाते में जमा कर सकते हैं।

आय के ज़रिए बढ़ाएं

मान लीजिए अगर आप छह महीने बाद नौकरी छोड़ने वाले हैं, तो इन छह महीनों में ज़्यादा से ज़्यादा धन जुटाने की कोशिश करें। दफ़्तर से पहले और बाद में मिलने वाले समय में फ्रीलांसिंग का काम कर सकते हैं। पेशे के अनुसार प्रोजेक्ट लेना भी अच्छा विकल्प है। अतिरिक्त काम करके इतना धन जुटाने की कोशिश करें कि ये आपके हर महीने के वेतन को पूरा कर सके। यानी कि अगर महीने का वेतन 40 हज़ार रुपये है तो अतिरिक्त काम करके हर महीने के कम से कम 30 हज़ार रुपये आपके खाते में होने चाहिए।

इमरजेंसी फंड अलग रखें

यह वो इकट्ठा किया हुआ पैसा है जो आकस्मिक ख़र्चों से निपटने में मदद करता है। हर व्यक्ति के पास एक इमरजेंसी फंड होना चाहिए। बैंक में एफडी करा सकते हैं। बैंक एक साल या हर माह के लिए भी एफडी करते हैं। अलग-अलग समय की एफडी पर बैंक अलग-अलग ब्याज देते हैं। इस फंड के कुछ पैसे पोस्ट ऑफिस या बैंक में आरडी के रूप में भी जमा कर सकते हैं।

विकल्प में नौकरी रखें

अगर आप कुछ वक़्त के लिए नौकरी से विराम ले रहे हैं, तो यह भी सुनिश्चित करें कि आपको दोबारा नौकरी मिल जाएगी। इसके लिए पहले आपको तय करना होगा कि आप कितने महीनों के लिए नौकरी छोड़ रहे हैं। जब आप वापिस लौटते हैं तो क्या आपको दोबारा नौकरी मिलेगी? ऐसे में बेहतर होगा कि आप नौकरी का एक विकल्प पहले से तय करें। यह फ्रीलांसिंग हो सकता है या फिर कोई ऐसा काम जो ख़र्चों को पूरा करने में मदद कर सके और आय का ज़रिया भी बना रहे।

बच्चों पर अधिक नियंत्रण रखने से उनके व्यवहार से लेकर आईक्यू लेवल तक पर बुरा असर

बच्चों पर अधिक नियंत्रण रखने से उनके व्यवहार से लेकर आईक्यू लेवल तक पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप भी अपने बच्चे पर ज़रूरत से ज़्यादा अंकुश लगाते हैं, तो जल्दी ही आपको अपने व्यवहार में बदलाव लाने की आवश्यकता है। माता-पिता बच्चों को यदि अति नियंत्रित करते हैं तो बच्चों में भविष्य में कई प्रकार की मनोवैज्ञानिक समस्याओं का खतरा बना रहता है। ओवर कंट्रोलिंग बच्चों के विकास को प्रभावित करती है। कुछ बच्चों में आईक्यू लेवल कम हो जाता है तो कुछ के आत्मविश्वास में कमी आ जाती है। कुछ उदाहरणों के ज़रिए इसे समझते हैं।

सवालों के जवाब ढूंढने दें

मान लीजिए कि आपके बच्चे से घर आए मेहमान ने सवाल किया। ऐसे में माता-पिता बच्चे के बोलने से पहले ही सवाल का जवाब दे देते हैं। इससे बच्चे के मानसिक विकास पर असर पड़ता है। वह सवालों के जवाब देने से घबराने लगता है और भविष्य में अपना आत्मविश्वास खो बैठता है। उसे माता-पिता के द्वारा सवालों के जवाब देने की आदत जो हो जाती है। इसलिए बच्चे से पूछे जाने वाले सवालों के जवाब ख़ुद देने की कोशिश न करें, बल्कि बच्चे को ही देने दें। शुरुआत में हो सकता है वो थोड़ा हिचकिचाए, जवाब ढूंढने में थोड़ा समय ले या आपसे अपेक्षा रखे कि आप जवाब दें। लेकिन आपको उसकी मदद नहीं करनी है। आपकी थोड़ी-सी भी मदद उसके भविष्य के लिए मुश्किल ही पैदा करेगी।

बचपन न खोने दें

कुछ अभिभावक बच्चों को अपने हिसाब से नियंत्रित करते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चा 100 में से 99 अंक लाए इसके लिए माता-पिता उसके पीछे पड़ जाते हैं। फिर चाहे कोचिंग लगानी पड़े या एक्स्ट्रा क्लास लगानी पड़े। वे बच्चे पर नंबर लाने का दबाव बनाए रखते हैं। इससे बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य पर काफ़ी असर पड़ता है। यहां अभिभावकों को ये समझने की ज़रूरत है कि नंबर के पीछे भागने में बच्चा बचपन की कई ऐसी चीज़ें खो देगा जो उसके विकास के लिए ज़रूरी हैं। जैसे दोस्तों के साथ खेलना, नए प्रयोग करना, घूमना-फिरना आदि। पढ़ाई ज़रूरी है लेकिन उसे इतना हावी भी न होने दें कि वो बच्चे का बचपन ही छीन ले।

घर घुस्सू न बनाएं

कई अभिभावक बच्चों को बाहर खेलने नहीं जाने देते। उन्हें लगता है कि बाहर खेलने या दोस्तों से मिलने-जुलने से बच्चे का पढ़ाई से ध्यान हटेगा या फिर वो बिगड़ जाएगा। माता-पिता के इस तरह के व्यवहार के कारण बच्चे घर घुस्सू बन जाते हैं। बच्चे को खेलने दें, हां आप उसकी गतिविधियों पर नज़र रखें और उसके हिसाब से ही खेल निर्धारित करें। मान लीजिए आपका बच्चा भागदौड़ में अच्छा है, बहुत फुर्तीला है तो उसे क्रिकेट या फुटबॉल खिलाएं। इसी तरह उसे दौड़, बैडमिंटन, टेनिस सहित स्थानीय खेलों के लिए प्रेरित करें। बच्चों को सिर्फ़ घर में रखेंगे तो वे बाहरी लोगों से मिलने-जुलने में या सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने से कतराने लगेंगे। उनका यही व्यवहार भविष्य में भी बना रहेगा।

पूछताछ की भी सीमा हो

कुछ माता-पिता तो अपने बच्चे को इस कारण स्वतंत्रता नहीं देते, क्योंकि वे डरते हैं कि इससे बच्चे बिगड़ जाएंगे। बच्चों पर भरोसा करें, उन्हें हर समय शक की निगाहों से न देखें। कहीं भी बाहर जाने या घर आने में देर हो जाने पर जबरन पूछताछ न करें। बच्चों पर भरोसा जताएं तभी बच्चे भी आप पर भरोसा करेंगे और आपसे कुछ छिपाएंगे नहीं। हमेशा शक करने या पूछताछ करने से बच्चे बातें छुपाने के आदि हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि वो सच भी बोलेंगे तो भी घरवाले उनकी बात पर यक़ीन नहीं करेंगे। फिर वे झूठ बोलकर माता-पिता की पूछताछ से बचने लगते हैं। इसलिए जो सवाल वाजिब हैं या ज़रूरी है वो ज़रूर पूछें, लेकिन एक दायरे में, ताकि उन्हें ये न लगे कि शक किया जा रहा है।

अधिक नियंत्रण से क्या समस्याएं आती हैं, जानिए-

हर समय बच्चे को कंट्रोल करने के कारण उसका आत्मविश्वास कम होने लगता है और भय विकसित होता है।

अधिक नियंत्रण में रहने के कारण बच्चा आगे चलकर आक्रामक या विद्रोही प्रवृत्ति का हो सकता है।

बच्चा आपकी मारपीट या डांट से बचने के लिए झूठ बोलने और बातें छिपाने जैसी आदतें अपनाने लगता है।

माता-पिता द्वारा हमेशा मदद करने या साथ रहने के कारण बच्चा आत्मनिर्भर बनने के बजाय निर्भर बना रहता है। हर कार्य के पहले वो साथ ढूंढता है या अकेले कार्य करने में घबराता है।

बच्चा माता-पिता से जो सीखता है वही अपनी जीवनशैली में भी अपनाता है। और ख़ुद जब बड़े होकर पैरेंट्स बनने की बारी आती है तब वह वही सब दुहराता है।

अभिभावकों के लिए सुझाव

— बच्चों से हर चीज़ में सर्वश्रेष्ठ होने की उम्मीद न करें। वे अभी सीखने के लेवल पर हैं तो अभी उन्हें सीखने और समझने का मौक़ा दें।

— बच्चों से खुलकर बातचीत करें। उनसे दोस्ताना व्यवहार रखें जिससे वे आपसे हर बात बिना झिझके साझा कर सकें।

— बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करें और किसी भी समस्या का समाधान एक साथ मिलकर करें। इससे बच्चों को भी सीखने को मिलेगा और वे किसी भी समस्या के आने पर उसका समाधान कैसे करना है ये भी जान पाएंगे।

— उनके दोस्तों को लेकर ताने न मारें या तुलना न करें। ऐसा करने से बच्चे दोस्ती करने से दूर भागते हैं। उनके दोस्तों को घर बुलाएं और साथ समय बिताने दें। इससे वे आप पर भरोसा करेंगे और आपका रिश्ता भी मज़बूत होगा।

नहीं लगता बच्चे का पढने में मन तो पेरेंट्स अपनाएं ये आसान टिप्स

बच्चे की पढ़ाई से लेकर स्वास्थ्य का पेरेंट्स को ही ध्यान रखना पड़ता है। हर माता-पिता यही चाहते हैं कि उनके बच्चे हर किसी क्षेत्र में अच्छी परफॉर्मेंस दें। लेकिन अच्छी परफॉर्मेंस देने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज होती है फोकस। बड़े लोग फोकस के लिए मेडिटेशन और योग जैसी चीजें करते हैं लेकिन बच्चों के लिए यह सब चीजें थोड़ी मुश्किल हो सकती है। बच्चों को मेडिटेशन करना एक बोरिंग एक्टिविटी लगता है। ऐसे में यदि बच्चे पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पाते तो पेरेंट्स कुछ आसान तरीके अपनाकर उनका ध्यान बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

गोल करें सेट

आप बच्चों के लिए एक गोल सेट करें। इस गोल को उन्हें पूरा करने के लिए बोलें। अगर वह पूरा कर देते हैं तो आप उन्हें कोई ईनाम भी दे सकते हैं। इस तरीके से उनमें अपने लक्ष्य के प्रति जागरुकता फैलेगी। लेकिन इस दौरान उनका समय सिर्फ लक्ष्य में नहीं बल्कि एक्टिविटीज में लगाएं। इससे उनका काम पर फोकस भी बढ़ेगा।

कम कर दें स्क्रीन टाइम

बच्चे खेल-खेल में या फोन चलाते हुए पढ़ाई पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे पाते। जिसके कारण उनका फोकस बिगड़ने लगता है। इसके कारण उनका दिमाग भी बहुत ही बुरी तरह प्रभावित होता है। आप बच्चों को इन चीजों से बचाने के लिए मोबाइल और टीवी आदि चीजों का स्क्रीन टाइम कम कर दें। फोन,टीवी जैसी चीजों के अलावा आप बच्चो को पुराने और दिमाग वाले गेम्स खिलवा सकते हैं।

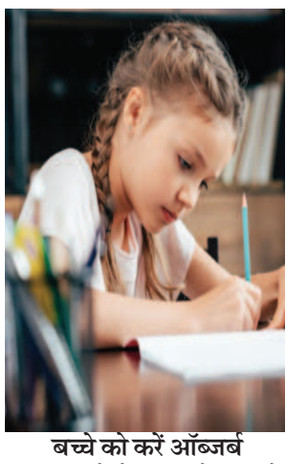

बच्चे को करें ऑब्जर्ब

आप बच्चे से अलग होकर उन्हें ऑब्जर्ब जरुर करें। उनके एक्सप्रेशन नोट करें कि वह क्या सोचते हैं। इसके बाद इस चीज को जानने की कोशिश करें कि बच्चे का इंटरेस्ट किस चीज में है। उनके इंटरेस्ट के मुताबिक ही आप उन्हें चीजें करने के लिए कहें।

रोज दें काम

बच्चे को रोज कोई न कोई काम जरुर दें। इससे उन्हें उसे पूरा करने की इच्छा जागृत होगी और उनका दिमाग चीजों पर फोकस कर पाएगा। लेकिन काम आप उन्हें उम्र के हिसाब से ही दें। जैसे अगर आपका बच्चा छोटा है तो आप उसे किताबें और बैग अच्छे से सेट करने का काम दे सकते हैं।

काम को छोटे टुकड़ो में बांटे

अगर बच्चे पर काम का बहुत ही भोज है तो आप उसे हल्का करने के लिए उनकी सहायता जरुर करें। खासकर अगर कोई काम बड़ा है तो बच्चे को करने में कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में आप उन कामों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दें। ताकि बच्चे का दिमाग न भटके और किसी भी तरह का काम करने में बच्चे को ज्यादा प्रेशर महसूस न हो।

बच्चे को दें ईनाम

जैसे ही बच्चा आपके द्वारा दिए गए काम को पूरा करता है तो उसे ईनाम जरुर दें। इससे उनका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा और बच्चा आगे से अच्छे से काम कर पाएगा। यदि आप बच्चे के काम की सराहना करेंगे तो वह अगली बार चीजों पर ज्यादा ध्यान देगा और गलतियां भी कम करेगा।

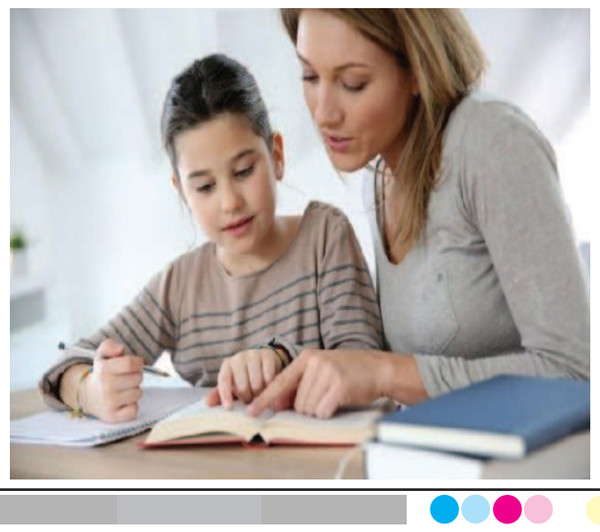

बच्चों में डर-तनाव और बेचैनी के कारण होती हैं ये बातें, पेरेंट्स इस तरीके से करें नियंत्रण

माता-पिता को बच्चे बहुत ही प्यारे होते हैं। उनकी छोटी से छोटी बातों का पेरेंट्स ध्यान रखते हैं लेकिन फिर भी कई बार बच्चे गुस्सैल और तनाव स्वभाव के होने लगते हैं। वैसे तो बच्चों में गुस्सा होना आम है परंतु कई बार गुस्सा ज्यादा बढ़ जाने के कारण बच्चे गलत कदम भी उठाने लगते हैं। जिसके कारण बच्चों का गुस्सा माता-पिता के लिए भी प्रॉब्लम होने लगती है। बच्चे में गुस्से के कई कारण हो सकते हैं। लेकिन यदि आपका बच्चा हर समय गुस्से में रहते हैं तो इसके कई कारण भी हो सकते हैं।

फैमिली का माहौल

कई बार घर का माहौल और आपसी झगड़े बच्चे के गुस्से का कारण बनते हैं। माता-पिता के झगड़े बच्चे के मानसिक विकास पर गलत प्रभाव डालते हैं। इसलिए यदि आपको बच्चे ज्यादा गुस्सैल स्वभाव के हैं तो उनके सामने न लड़ें। इससे उनका गुस्सा और भी ज्यादा बढ़ सकता है।

दोस्तों के कारण

बच्चे अपने दोस्तों के काफी करीब होते हैं। लेकिन कई बार उनके साथ छोटी सी बात पर लड़ाई हो जाने से बच्चे इमोशनली परेशान हो जाते हैं। अपनी बात सामने वाले इंसान को न समझाने के कारण बच्चे उस चीज को इमोशनली लेने लगते हैं जिसके कारण भी वह गुस्सैल हो जाते हैं।

तंग होने के कारण

बच्चे कई बार बुलिंग का भी शिकार होने लगते हैं। जिसके कारण भी वह परेशान रहने लगते हैं। अपनी बात किसी से न शेयर कर पाने के कारण वह अकेला महसूस करने लगते हैं। इसलिए यदि आपका बच्चा अकेला महसूस कर रहा है तो उसे अकेले न छोड़ें।

पेपर या पढ़ाई के कारण

अगर बच्चा अपनी पढ़ाई को लेकर न अच्छा महसूस करे वह तो भी गुस्सैल स्वभाव का हो सकता है। इन सब बातों का असर सीधे बच्चे के स्वभाव पर पड़ता है। इसलिए यदि बच्चा अच्छे अंक नहीं प्राप्त कर पा रहा तो उस पर कोई प्रेशर न डालें।

हार्मोन्स बदलने के कारण

टीनएज में आने पर बच्चे के हार्मोन्स बदलते हैं जिसका असर उसके स्वभाव पर भी पड़ता है। बच्चे हर समय चिड़चिड़े स्वभाव के होने लगते हैं। छोटी-छोटी बात पर परेशान होने लगते हैं। इसलिए यदि बच्चे ज्यादा तनाव महसूस करते हैं तो आप उन्हें स्पोर्ट करें ताकि वह अकेला न महसूस कर सकें।

सिंगल चाइल्ड की इन तरीकों से करें पेरेंट्स परवरिश

सिंगल चाइल्ड का फैसला भले ही पेरेंट्स का हो लेकिन कई बार बच्चे इस चीज के कारण मानसिक समस्याओं के शिकार हो जाते हैं। सिंगल चाइल्ड गुस्सैल स्वभाव, इंट्रोवर्ट, चिड़चिड़ापन, जैसे लक्षण नजर आते हैं।

अपनी उम्र के बच्चे यानी की भाई या कोई बहन न होने के कारण बच्चा अपने आप को अकेला महसूस करने लगता है। कई बार तो बच्चा इतनी परेशानी ले लेता है कि डिप्रेशन में भी चला जाता है। अगर आपका बच्चा भी सिंगल चाइल्ड है तो आप इन तरीकों से उसकी केयर कर सकते हैं।

पेरेंट्स रखें इन बातों का ध्यान

यदि आपका भी बच्चा सिंगल चाइल्ड है तो आप उसका ध्यान रखें। ज्यादा समय न दे पाने के कारण बच्चे डिप्रेशन का शिकार होने लगते हैं। अपनी उम्र के भाई या फिर बहन न होने के कारण भी वह तनाव भी महसूस करते हैं। अकेले रहने से बच्चे बाहरी दुनिया से भी दूर रहने लगते हैं। एंग्जाइटी का भी बच्चे शिकार हो सकते हैं।

इन तरीकों से करें बच्चे की परवरिश

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, भावनाएं, पारिवारिक रिश्ते, भविष्य आदि से जुड़ी चीजों के बारे में समय-समय पर भी जानकारी देते रहें। इकलौते बच्चे माता-पिता के लाडले होते है लेकिन इन्हें बिगाड़े न। बच्चों की समस्याओं को नजरअंदाज भी न करें। उनके दोस्त बनकर रहें। कुछ बातों में बच्चे का साथ दें और कुछ बातों को नजरअंदाज कर दें।

मन की बात करें

इकलौते बच्चे डिप्रेशन का भी शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आप उन्हें समय दें। उनके साथ ज्यादा सख्त व्यवहार न करें। ताकि बच्चा आपसे मन की बात कर सके।

किसी एक्सपर्ट्स के करें कंसल्ट

यदि आपको बच्चे के व्यवहार में कोई फर्क देखने को मिल रहा है तो आप उसे किसी साइकोलॉजिस्ट या फिर कॉउंसलर के पास जरुर लेकर जाएं।

स्पेशल फील करवाएं

अगर आपको बच्चा शांत नजर आता है तो आप उसे खुद का महत्व समझाएं। आप बच्चे को स्पेशल फील करवाना न भूलें।

जरुर दें समय

आप बच्चे को अपना समय जरुर दें। अक्सर माता-पिता बच्चे को कोई काम देकर किसी ओर चीजों में व्यस्त हो जाते हैं। ऐसे में आप बच्चे को अपना पूरा समय दें। उसे नजरअंदाज न करें। इससे बच्चा आपके दिल की बात समझेगा और मन की बात भी जरुर शेयर करेगा। एक बच्चे की जिम्मेदारी भी थोड़ी कम होगी। ऐसे में आप बच्चे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताएं ताकि वह अकेला महसूस न करे।

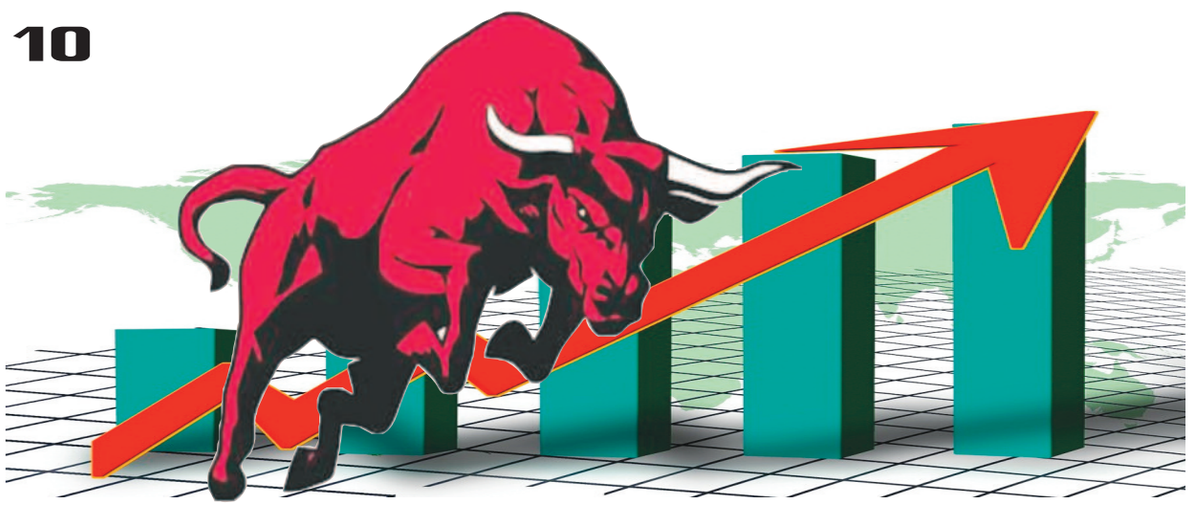

दिसंबर में 14 दिनों के लिए बंद रहने वाले हैं बैंक, छुट्टियों की लिस्ट

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने दिसंबर के छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है, जिसके अनुसार अगले महीने में 14 दिनों के लिए बैंकों की छुट्टी रहने वाली है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के हॉलीडे लिस्ट के अनुसार, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर के बैंक अगले दिसंबर में 14 दिनों के लिए बंद रहेंगे। इसमें क्रिसमस, साल का आखिरी दिन और शनिवार-रविवार के अलावा अन्य हॉलीडे शामिल हैं। बैंक की यह छुट्टियां अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग दिन रहने वाली हैं। यहां

बैंकों की हॉलीडे लिस्ट दी गई है, जिसे देखकर आप जान सकते हैं कि आपके शहर में किस-किस दिन बैंकों की छुट्टी रहने वाली है। हालांकि छुट्टियों होने पर भी बैंकों की ऑनलाइन सुविधाओं चालू रहेंगी। इसके अलावा, एसएमएस, नेट बैंकिंग, व्हाट्सएप बैंकिंग और कस्टमर केयर सर्विस आदि सर्विस जारी रहेंगी। इस दौरान अगर आप बैंक जाना चाहते हैं तो छुट्टियों की यह लिस्ट आपके लिए उपयोगी होगी।

हर महीने के दूसरे और चैथे शनिवार को बैंकों की छुट्टी रहती है। दिसंबर में इस बार यह छुट्टी 10 और 24 दिसंबर को रहने वाली है। जबकि 4, 11, 18 और 25 को रविवार की छुट्टी रहेगी। ऐसे में दिसंबर महीने के दौरान कुल 6 शनिवार और रविवार की छुट्टी रहेगी।

दुनिया के सबसे दौलतमंद शख्स का नाम जानें

टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में दो भारतीय भी शामिल

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। फोर्ब्स बिलेनियर लिस्ट के मुताबिक दुनिया के सबसे दौलतमंद शख्स का नाम एलन मस्क है। हाल के दिनों में एलन मस्क अपने ट्विटर अधिग्रहण को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। हालांकि टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क लंबे समय से दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं पर इनकी वैल्थ में कुछ कमी भी देखी गई है। साल 2022 में एलन मस्क लगातार ट्रेंड में रहे हैं और पूरे साल टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में पहले पायदान पर रहे हैं। साल 2022 में दुनिया में 2668 अरबपति हैं और यहां आपको दुनिया के टॉप के 10 अमीरों के नाम बताए जा रहे हैं जिनमें दो भारतीय भी शामिल हैं। गौतम अडानी और मुकेश अंबानी क्रमशः तीसरे और आठवें स्थान पर बने हुए हैं। फोर्ब्स के रियल टाइम बिलेनियर्स इंडेक्स की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक 28 नवंबर 2022 तक दुनिया के सबसे ज्यादा अमीर दस लोगों

की लिस्ट में ये नाम शामिल हैं। इस लिस्ट में अरबपतियों की रियल टाइम नेटवर्थ का आंकड़ा दिया जाता है। टेस्ला के को-फाउंडर और सीईओ एलन मस्क दुनिया के सबसे धनवान शख्स हैं और उनकी नेटवर्थ 191.2 अरब डॉलर है। इसमें 3.9 करोड़ डॉलर का इजाफा हुआ है। हालांकि इस साल उनकी नेटवर्थ में करीब 200 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई है जिससे उनके और दूसरे नंबर पर मौजूद शख्स के बीच में दौलत का ज्यादा अंतर नहीं रह गया है। बर्नार्ड अरनॉल्ट जो कि एलवीएमएच के सीईओ और चेयरपर्सन हैं, वो दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स हैं और उनकी नेटवर्थ 179.5 अरब डॉलर है. गौतम अडानी दुनिया के तीसरे सबसे धनवान शख्स हैं और उनकी नेटवर्थ 133.6 अरब डॉलर पर आ गई है। गौतम अडानी अडानी ग्रुप के फाउंडर और चेयरपर्सन हैं। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस दुनिया के चौथे सबसे दौलतमंद शख्स हैं और उनकी कुल नेटवर्थ 117.3 अरब डॉलर की है। वॉरेन बफे बार्कशायर हैथवे के सीईओ हैं और दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में पांचवे स्थान पर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 108.5 अरब डॉलर की है। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स दुनिया के छठे सबसे दौलतमंद इंसान हैं और उनकी नेटवर्थ 105.3 अरब डॉलर की है.लॉरेंस जोसेफ एलिसन ऑरेकल कॉरपोरेशन के को-फाउंडर और पूर्व चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर हैं तथा दुनिया के सातवें सबसे अमीर शख्स हैं। उनकी नेटवर्थ इस समय 104.8 अरब डॉलर की है। भारत के अरबपति कारोबारी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में 8वें स्थान पर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 96.4 अरब डॉलर की है।

कार्लोस स्लिम हेलु और उनके परिवार की कई मैक्सिकन कंपनी में बड़ी होल्डिंग्स हैं जो उनके विशाल ग्रुप के तहत आती हैं। ये इस समय दुनिया के नौवें सबसे अमीर शख्स हैं और इनकी नेटवर्थ 86.2 अरब डॉलर की हो चुकी है। लैरी पेज अल्फाबेट के बोर्ड मेंबर्स में से एक हैं और दुनिया के दसवें सबसे अमीर शख्स हैं, इस समय उनकी नेटवर्थ 84.4 अरब डॉलर की है।

दैनिक पचाग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	05-32	बजे
चंद्र-	कुंभ	में	धनु---	07-46	बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	09-50	बजे
बुध-	वृश्चिक	में	कुंभ -	11-51	बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	13-19	बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	मेष--	14-55	बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	16-40	बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	18-41	बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	20-52	बजे
			सिंह...	23-05	बजे
			कन्या..	01-15	बजे
			तुला	03-21	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल-उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 08 -58 तक उपरान्त अष्टमी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , बुधवार Nov 30
नक्षत्र - धनिष्ठा - 07 - 10 - तक उपरान्त शतभिषा
योग - व्याघात -12 - 00 - तक उप- हर्षण
करण- वणिज - 08 - 58 - तक उप- विष्टि
विशेष:- व्रत -त्योहार - श्री दुर्गा अष्टमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:05 से 13:28 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:33 - 07:54	शुभ	उत्पात	17:39 - 19:15	अशुभ
अमृत	07:54 - 09:18	शुभ	शुभ	19:15 - 20:52	शुभ
काल	09:18 - 10:41	अशुभ	अमृत	20:52 - 22:28	शुभ
शुभ.	10:41 - 12:05	शुभ	चंचल	22:28 - 24:05	शुभ
रोग	12:05 - 13:28	अशुभ	रोग	00:05 - 25:42	अशुभ
उत्पात	13:28 - 14:52	अशुभ	काल	01:42 - 27:18	अशुभ
चंचल	14:52 - 16:15	शुभ	लाभ	03:18 - 28:55	शुभ
लाभ	16:15 - 17:36	शुभ	उत्पात	04:55 - 30:33	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ग्रह और नक्षत्रों के माध्यम से ज्योतिष दैवीय कृपा का स्रोत बनती है। वैदिक ज्योतिष की मदद से हम घटनाओं की प्रकृति व घटना का समयक्रम जान सकते हैं। पिछले जन्मों के कर्मबल के अनुरूप ही इस जन्म में घटनाओं की तीव्रता व उपलब्धियाँ होती हैं। महान भारतीय दार्शनिक विचार, वैज्ञानिक शोध व विकास।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों के लिये दिन उत्तम हैं। अपने कार्य प्रणाली में बदलाव करने के लिये कुछ नये लोगों को जोड़ना पड़ सकता है। व्यावसायिक मामलों में बड़े-छोटे का फर्क किये बिना सबकी मदद के लिये आगे रहेंगे। संतान की गलत संगत से आप चिंतित रह सकते हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आज प्रात: से ही आप भविष्य के प्रति चिंतन में विचार कर सकते हैं, जिस कारण वर्तमान के कई कार्य अधूरे रह जायेंगे। जीवनसाथी के लिए दिन उत्तम है। व्यावसायिक यात्रा करना लाभकारी रह सकता है। घर के किसी सदस्य के रुखे व्यवहार से मन अशांत हो सकता है। वाहन सावधानी से चलाये।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): प्रात: से ही आज आपका जन सम्पर्क बढ़ेगा। आप अपनी काबिलियत और योग्यता से भी बढ़कर कार्य करेंगे। आपके मित्र ही आपको अपने मार्ग से भ्रमित कर सकते हैं। संतान के लिये दिन उत्तम है। कार्यक्षेत्र में कोई उच्च पद प्राप्त होने के संकेत हैं। घर-परिवार में चल रही चिंता आज कुछ हद तक कम हो सकती है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में कार्यों की अधिकता बढ़ जाने से मन चिंतित रहेगा। मित्रों का सहयोग ले सकते हैं। धैर्य पूर्वक कार्य करें। यदि आप प्रेम संबंध में हैं तो बातचीत को आगे बढ़ाने के लिये दिन उत्तम है। छोटे बहन-भाइयों के लिये लाभ के योग बन रहे हैं। घर-परिवार में बुजुर्ग लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज चंद्रमा अनुकूल हैं। भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें।किसी पर विश्वास करने से पहले अच्छे से जांच-पड़ताल कर लें।आपके द्वारा किये गए कार्यों पर सवाल उठ सकते हैं, जिससे मानहानि का भी डर रहेगा।कार्यक्षेत्र में भी लोग आपको समझ नहीं पाएंगे। संतान से किसी प्रकार की मदद प्राप्त हो सकती है।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज के दिन घर-परिवार में मेहमानों का आवागमन बना रहेगा। इस कारण आप कार्यक्षेत्र में रुचि नहीं ले पाएंगे। भाग्य आपके साथ हैं। किसी बड़े निवेश के बारे में विचार कर सकते हैं। जीवनसाथी के लिये दिन उत्तम है। घर-परिवार के सदस्यों या मित्रों के साथ किसी दावत का आयोजन कर सकते हैं।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): यदि आप कहीं दूर यात्रा का विचार बना रहे हैं तो अभी टालें। किसी कार्य का बुरा परिणाम आपको झेलना पड सकता है।कार्यक्षेत्र में भी अपने अधिकारियों की नाराजगी देखने को मिलेगी तथा आप कार्य में अपनी छवि सुधारने की पुन: कोशिश करेंगे।घर-परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आज कार्यक्षेत्र में आप दूरदर्शिता का परिचय देंगे, जिससे आगे जाकर लाभ की प्राप्ति हो सकती है। बड़े बहन-भाइयों से अधिक मदद मिल सकती है। अपने व्यक्ति को निखारने में धन खर्च कर सकते हैं। जीवन साथी से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। पिता की किसी बात को लेकर आप असहमत रह सकते हैं।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आज कार्यक्षेत्र में उन्नतिपूर्ण दिन रहेगा। विदेश यात्रा करने का विचार आज गति पकड़ सकता है। मित्रों के सहयोग के लिये आप हाथ आगे बढ़ा सकते हैं। आपको जरुरत की चीजें आगे से आगे प्राप्त होंगी, चाहें वह कार्यक्षेत्र में हो या निजी। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखिये। व्यावसायिक यात्रा करना लाभकारी रहेगा।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आज पुराने कोई कानूनी मामलें उभरकर आ सकते हैं। ग्रह स्थिति अनुकूल होने के कारण बातें आपके पक्ष में रह सकती हैं। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद उभर सकते हैं। साझेदारी के व्यवसाय में अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से कार्य को लेकर असहमति बन सकती है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज आपके मन में अस्थिरता बनी रहेगी। कई महत्वपूर्ण बातों पर निर्णय लेना चाहेंगे परंतु भय के कारण पूर्ण करने में असमर्थ रहेंगे। आर्थिक दबाव यथावत बना रहेगा तथा कहीं से भी धन-प्रबंध नहीं हो पायेगा। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं। ससुराल पक्ष से किसी दावत में निमंत्रण मिल सकता है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

सोने के दाम में जोरदार उछाल

खरीदने से पहले जानें 10 ग्राम गोल्ड के लेटेस्ट रेट्स

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। शादियों के सीजन में आज सोना और चांदी दोनों की खरीदारी महंगी पड़ने वाली है। आज भी सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स उछाल के साथ कारोबार कर रही हैं। सर्राफा बाजार के ट्रेडर्स के लिए तो ये अच्छी खबर है पर गहनों या अन्य गोल्ड-सिल्वर के आइटम्स खरीदने वालों के लिए ये जेब पर बोझ बढ़ाने वाली खबर है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना आज तेजी के साथ कारोबार कर रहा है और इसके दिसंबर वायदा में बढ़त के साथ कारोबार हो रहा है। सोने का दाम 285 रुपये या 0।55 फीसदी की उछाल के साथ 52458 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के साथ-साथ आज चांदी के रेट में भी जोरदार तेजी देखी जा रही है। चांदी का दिसंबर वायदा 450 रुपये या 0।74 फीसदी की बढ़त के साथ

61341 रुपये प्रति किलो के रेट पर कारोबार कर रहा है। ग्लोबल बाजारों में आज सोना-चांदी दोनों ही कमोडिटी तेजी के साथ कारोबार कर रही हैं। कॉमैक्स पर सोना 12।30 डॉलर या 0।71 फीसदी की उछाल के साथ 1,752।60 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ है। वहीं चांदी 0।285 डॉलर बढ़कर 1।36 फीसदी की उछाल के साथ 21।192 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। अहमदाबाद में आज 24 कैरेट सोने के दाम बिना किसी बदलाव के 53,030 रुपये पर हैं। बंग्लुरू में आज 24 कैरेट सोने के दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 52,930 रुपये पर हैं। चंडीगढ़ में आज 24 कैरेट सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 53,040 रुपये के लेवल पर है। चेन्नई में आज 24 कैरेट सोना 340 रुपये की गिरावट के साथ 53,630 रुपये के लेवल पर है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 53,040 रुपये के लेवल पर है। गुरुग्राम में आज 24 कैरेट सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 53,040 रुपये के लेवल पर है। हैदराबाद में आज 24 कैरेट सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 52,880 रुपये के लेवल पर है। जयपुर में में आज 24 कैरेट सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 53,040 रुपये के लेवल पर है। कोलकाता में आज 24 कैरेट सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 52,880 रुपये के लेवल पर है। लखनऊ में आज 24 कैरेट सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 52,880 रुपये के लेवल पर है। मुंबई में आज 24 कैरेट सोना 100 रुपये की गिरावट के साथ 52,880 रुपये के लेवल पर है।

सेंसेक्स 62,887 के स्तर पर पहुंचा निफ्टी भी रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ

मुंबई, 29 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार ने हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन, यानी मंगलवार (29 नवंबर) को फिर नया रिकॉर्ड बनाया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,887.40 के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचा। इससे एक दिन पहले सोमवार को ही सेंसेक्स ने 62,701.40 का ऑल टाइम हाई बनाया था। आज सेंसेक्स 177 अंक की तेजी के साथ 62,681 के स्तर पर बंद हुआ। इसके साथ ही सेंसेक्स ने अपना नया क्लोजिंग हाई भी बनाया। सेंसेक्स के 30 में से 15 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं 15 शेयरों में ही गिरावट रही। वहीं निफ्टी ने भी नया ऑल टाइम हाई और क्लोजिंग हाई बनाया। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,678.10 के स्तर पर पहुंचा। इससे एक दिन पहले ही निफ्टी ने 18,614.25 का ऑल टाइम हाई बनाया था। आज यह 55 अंक की बढ़कर 18,618 के स्तर पर बंद हुआ।1986 में जब सेंसेक्स की शुरुआत हुई तो इसका बेस ईयर 1978-79 को रखा गया और बेस 100 पॉइंट बनाया गया। जुलाई 1990 में ये आंकड़ा 1,000 पॉइंट पर पहुंच गया। 1991 के

आर्थिक उदारीकरण के बाद सरकार ने एफडीआई के दरवाजे खोले और बिजनेस करने के कानून में बदलाव किया। इसने सेंसेक्स में गति बढ़ाई।

हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्ल्यू स्टील, सिप्ला, हीरो मोटोकॉर्प, सन फार्मा, ब्रिटानिया, नेस्ले इंडिया, डॉ रेड्डी, टाटा स्टील समेत निफ्टी के 22 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं इंडसइंड बैंक, कोल इंडिया, बजाज फिनसर्व, आयशर मोटर्स, पावर ग्रिड, मारुति, यूपीएल, बजाज फाइनेंस समेत निफ्टी के 28 शेयरों में गिरावट रही। एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 8 में तेजी देखने को मिली। एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.87% की तेजी देखने को मिली। मेटल सेक्टर में 1.03% की तेजी रही।

गो फर्स्ट को मिले ईसीएलजीएस के 400 करोड़

16 नए पीएंडडब्ल्यू इंजन भी जल्द मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। चुनौतियों का सामना कर रही विमानन कंपनी गो फर्स्ट को एक सरकारी योजना के तहत अतिरिक्त 400 करोड़ रुपये मिले हैं। इसके साथ ही उम्मीद है कि आने वाले हफ्ते में कंपनी को 16 नए पीएंडडब्ल्यू इंजन मिल जाएंगे, जिसके बाद वह अधिक विमानों का परिचालन कर सकेगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गो फर्स्ट के कम से कम 25

विमान इस समय उड़ान नहीं भर रहे हैं। यह स्थिति प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) इंजन की अनुपलब्धता के कारण है। ये इंजन इसके ए320 विमानों के बेड़े के लिए जरूरी हैं। कई विमानों के उड़ान न भरने के साथ ही विमानन कंपनी उड़ान में देरी और प्रस्थान समय में बदलाव जैसी समस्याओं से जूझ रही है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन को इस महीने आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत अतिरिक्त 400 करोड़ रुपये मिले हैं। इस योजना के तहत गो फर्स्ट 1,500 करोड़ रुपये तक ले सकती है और वह अब तक कम से कम कुल 800 करोड़ रुपये का लाभ उठा चुकी है। वहीं, गो फर्स्ट की ओर से कहा गया है कि 25-26 विमान जमीन पर हैं और इस समय 32 विमान परिचालन में हैं।

अगले माह से होंगे कई बदलाव जानें आप पर पड़ेगा क्या असर

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। साल का अंतिम महीना परसों से शुरू हो जाएगा। ऐसे में कई सारे काम हैं जो आपको इसी महीने करने होंगे। साथ ही कुछ बदलाव भी एक दिसंबर से हो जाएंगे। अगर आपने 2021-22 का आयकर रिटर्न अब तक दाखिल नहीं किया है तो जुर्माने के साथ 31 दिसंबर तक इसे भर सकते हैं। अगर आपकी कुल आय 5 लाख रुपये से कम है तो आपको 1,000 रुपये जुर्माना देना होगा। कुल आय 5 लाख रुपये से ज्यादा होने पर जुर्माने की रकम बढ़कर 5,000 रुपये हो जाएगी। अग्रिम कर की तीसरी किस्त : 2022-23 के अग्रिम कर (एडवांस टैक्स) की तीसरी किस्त भरने की आखिरी तारीख 15 दिसंबर है। जिनका सालाना आयकर 10,000 रुपये से ज्यादा होता है, उन्हें अग्रिम कर जमा करना पड़ता है। अगर 15 दिसंबर तक वे 75 फीसदी कर पहले जमा नहीं करते हैं या कम कर जमा करते हैं तो एक फीसदी ब्याज लगेगा। आईटी रिटर्न में गलती सुधार : हो सकता है कि आपने वित्त वर्ष 2021-22 का आयकर रिटर्न भर दिया हो और उसमें कोई चूक हो गई हो। ऐसे में आप 31 दिसंबर तक संशोधित रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

इसके बाद गलती नहीं सुधार पाएंगे। इसकी वजह से आपके पास आयकर विभाग का नोटिस आ सकता है। सरकार से पेंशन लेने वालों को हर साल जीवन प्रमाणपत्र जमा करना पड़ता है। इसे जमा करने की आखिरी तारीख 30 नवंबर है। इस महीने के अंत तक जिन्होंने जीवन प्रमाणपत्र जमा नहीं किया तो उन्हें एक दिसंबर से ऐसा करने में असुविधा हो सकती है।

सितंबर तिमाही में 6 फीसदी से ज्यादा रहेगी भारत की जीडीपी की वृद्धि दर, निर्यात पर असर

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। पिछली तिमाही में दहाई अंकों में बढ़ने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार 2022-23 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर अवधि में 6% से ज्यादा रह सकती है। हालांकि, निर्यात और निवेश कमजोर रहने की आशंका है, जिसका असर भविष्य में आर्थिक गतिविधियों पर पड़ेगा। 43 अर्थशास्त्रियों के बीच किए गए रॉयटर्स के सर्वे में कहा गया है कि दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था सामान्य स्थिति में लौटेगी और इस दौरान जीडीपी की वृद्धि दर 6.2 फीसदी रह सकती है। हालांकि, यह अनुमान आरबीआई के 6.3% के मुकाबले थोड़ा कम है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 13.5% रही थी। सरकार दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े 30 नवंबर को जारी कर सकती है। डॉयचे बैंक में भारत एवं दक्षिण एशिया के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक दास ने कहा, पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर असाधारण

रूप से अनुकूल रही थी। इससे जुलाई-सितंबर अवधि से वास्तविक वृद्धि दर सामान्य हो जाएगी और इसका सही अनुमान लगाना भी आसान हो जाएगा। हालांकि, कारोबारी सर्वेक्षण उन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में कमजोर आर्थिक गतिविधियों का संकेत दे रहे हैं, जहां केंद्रीय बैंक उच्च ब्याज दरों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं। इन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत में कारोबारी धारणा अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। एचडीएफसी बैंक की प्रधान अर्थशास्त्री (भारत) साक्षी गुप्ता ने कहा, सेवा क्षेत्र में निरंतर सुधार से जीडीपी के क्रमिक रूप से बढ़ने की उम्मीद है। खनन व विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट आ सकती है। कमजोर वैश्विक मांग में निर्यात पर असर पड़ सकता है। भारत की आर्थिक वृद्धि दर कुछ वर्षों के लिए धीमी पड़ कर 6% रह सकती है। इससे महंगाई को आरबीआई के लक्ष्य पर वापस ले जाने के साथ बजट और चालू खाता घाटे को कम करने में मदद मिलेगी। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, गोल्डमैन सॉक्स के शांतनु सेनगुप्ता ने कहा, भारत के लिए वृद्धि दर की रफ्तार सुस्त होना अच्छा साबित होगी। उम्मीद जताई कि जीडीपी में वृद्धि की रफ्तार चालू वित्त वर्ष के 7.1% से घटकर 2023-24 में 6% रह सकती है। भारत का दुनिया में सबसे तेज आर्थिक वृद्धि दर रहने का खिताब छिन सकता है क्योंकि कर्ज की लागत से मांग पर असर पड़ सकता है। विनिर्माण गतिविधियों में कमजोरी और मार्जिन के बढ़ते दबाव को देखते हुए एसबीआई ने जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को घटाकर 5.8 फीसदी कर दिया है। यह औसत अनुमान से 0.30% कम है।

आम लोगों के लिए एक दिसंबर को लॉन्च होगा डिजिटल रुपया

आरबीआई ने किया बड़ा एलान

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने डिजिटल मुद्रा - 'डिजिटल रुपया' को लेकर बड़ा एलान किया है। आरबीआई ने कहा है कि वह एक दिसंबर को खुदरा डिजिटल रुपये (e-R) के लिए पहली खेप लॉन्च करेगी। E-R एक डिजिटल टोकन के रूप में होगा। यह कानूनी निविदाओं का प्रतिनिधित्व भी करेगा। आरबीआई ने यह भी बताया कि डिजिटल रुपया उसी मूल्यवर्ग में जारी किया जाएगा जिसमें वर्तमान में कागजी मुद्रा और सिक्के जारी किए जाते हैं। रिज़र्व बैंक ने 01

दिसंबर, 2022 को खुदरा डिजिटल रुपये का पहला पायलट लॉन्च करने की घोषणा की है। इससे पूर्व आरबीआई ने 31 अक्टूबर, 2022 की एक प्रेस विज्ञप्ति में संकेत दिया था कि खुदरा डिजिटल रुपये का पायलट प्रोजेक्ट एक महीने में शुरू होगा। ई डिजिटल रुपया पायलट प्रोजेक्ट में भाग लेने वाले ग्राहकों और व्यापारियों के क्लोज्ड यूजर ग्रुप (सीयूजी) में चुनिंदा लोकेशन पर उपलब्ध होगा। ई डिजिटल रुपया एक टोकन के रूप में लीगल टेंडर होगा। यह उसी मूल्यवर्ग में जारी किया जाएगा जो वर्तमान में कागजी मुद्रा और सिक्के के रूप में जारी किए जाते हैं। यह सब्सिडियरीज यानी बैंकों के माध्यम से वितरित किया जाएगा। इसके उपयोगकर्ता बैंकों की ओर से उपलब्ध कराए गए एप के जरिए इसे खरीद सकेंगे और अपने मोबाइल फोन में सुरक्षित कर सकेंगे। इसमें व्यक्ति से व्यक्ति और व्यक्ति व व्यापारियों के बीच लेनदेन किया जा सकेगा। मर्चेंट् स्टोर पर लगे क्यूआर कोड का उपयोग करके व्यापारियों को भुगतान किया जा सकेगा।

2023 में भारत पर हमला कर सकता है चीन

अमेरिका को ताकत दिखाने के लिए ताइवान नहीं, भारत पर चीन का निशाना

2023...भारत के लिए ये साल नया तनाव ला सकता है। अमेरिका से चिढ़ा हुआ चीन अपनी ताकत का अहसास कराने के लिए हिमालयी सीमा पर युद्ध कभी भी छेड़ सकता है।

बीजिंग, 29 नवंबर (एजेंसियां)। दरअसल, 2023 में दुनिया में युद्ध की आशंका वाले इलाके कौन से हो सकते हैं, इसके एक आकलन में भारत-चीन युद्ध की आशंका सबसे ऊपर है। जानकारों का मानना है कि दुनिया में अभी अपनी ताकत साबित करने के लिए अमेरिका और चीन के बीच कुछ वैसा ही शीत युद्ध चल रहा है जो कभी रूस और अमेरिका के बीच चल रहा था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद लगातार इस बात की आशंका जताई जा रही है कि अब चीन अपनी ताकत का अहसास कराने के लिए कोई एक्स्ट्रीम स्टेप ले सकता है। यह ताइवान पर कब्जे की कोशिश से लेकर जापान के सेनकाकू द्वीपों पर अपना हक जताने तक कुछ भी हो सकता है। लेकिन इन दोनों ही सिनैरियो से ज्यादा आशंका चीन के भारत से उलझने की जताई जा रही है। अब तक भारत चीन से एक घोषित युद्ध लड़ चुका है। सियाचिन और इससे जुड़ी सीमा पर अघोषित युद्ध की स्थिति बरसों से बनी हुई है।

ताइवान पर चीन की नजर, लेकिन अमेरिका से सीधी टक्कर नहीं चाहता

1940 के दशक में जब चीन का शासन कम्युनिस्ट पार्टी के हाथ में आया तो बचे हुए राष्ट्रवादी देश छोड़ ताइवान द्वीप पर जा बसे थे। इन राष्ट्रवादियों ने ताइवान में लोकतांत्रिक शासन लागू किया था। आज चीन ताइवान को अपना हिस्सा बनाता है, मगर अमेरिका के समर्थन की वजह से वहां की लोकतांत्रिक सरकार स्वतंत्र शासन चलाती है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद इस बात की आशंका बहुत ज्यादा बढ़ गई थी कि ताइवान को अपना हिस्सा बता चीन उस पर हमला कर सकता है। मगर अमेरिका खुले मंच पर यह कह चुका है कि अगर ताइवान पर हमला होता है तो वह उसकी मदद के लिए सेना भेजेगा। अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की स्पीकर नैन्सी पलोसी 2 अगस्त, 2022 को ताइवान की यात्रा पर गईं थीं। इसे गैर-जरूरी कदम मानते हुए चीन ने उसी समय अपने लड़ाकू विमान वहां भेज दिए थे। इतने तनाव के बावजूद ये माना जा रहा है कि 2023 में ताइवान पर सीधे हमले से चीन बचना चाहेगा। इसकी वजह साफ है कि ऐसे किसी भी कदम से अमेरिका सीधे जंग में उतर सकता है और चीन ऐसा नहीं चाहेगा।

जापान के सेनकाकू द्वीपों को लेकर भी चीन बढ़ा सकता है तनाव, मगर युद्ध नहीं चाहेगा

जापान के निकट एक द्वीपों का समूह द्वितीय विश्व युद्ध के समय से ही चीन और जापान के बीच तनाव की वजह बना हुआ है। जापान इसे सेनकाकू द्वीप समूह कहता है, जबकि चीन इसे दियाउ द्वीप समूह मानता है। यूं तो इन द्वीपों के मालिकाना हक पर दोनों देशों के बीच तनातनी बहुत पुरानी है, मगर द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार के बाद चीन ने इन द्वीपों पर खुलकर आधिपत्य जताया था। इन द्वीपों के आस-पास प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार माने जाते हैं, जिसकी वजह से कोई भी इन्हें छोड़ने को तैयार नहीं है। 2023 में इन द्वीपों पर अपने अधिकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने के लिए चीन नए स्तर पर प्रयास शुरू कर सकता है, लेकिन फिर भी वह युद्ध नहीं करना चाहेगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही जापान को एशिया में अमेरिका के प्रतिनिधि के तौर पर जाना जाता है। ऐसे में जापान से सीधे कोई भी जंग चीन की सेहत के लिए ठीक नहीं होगी। चीनी राष्ट्राध्यक्ष शी जिनपिंग भी रूस की तरह अपने देश पर कोई वाणिज्यिक प्रतिबंध नहीं चाहेंगे।

चीन और रूस के दम पर नॉर्थ कोरिया फिर कर सकता है परमाणु परीक्षण

नॉर्थ कोरिया में किम जोंग उन की तानाशाही पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। 2022 में किम जोंग उन यहां तक कह चुके हैं कि अगर उन्हें अपने देश पर खतरा महसूस भी हुआ तो वह परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगे। रूस और चीन खुलकर नॉर्थ कोरिया की तानाशाह सरकार का समर्थन करते रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद नॉर्थ कोरिया का व्यापार बंद नहीं होता है। अपनी ताकत का अहसास कराने के लिए 2023 की शुरुआत में या फिर 2022 के खत्म होने से पहले किम जोंग उन एक और परमाणु परीक्षण कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह नॉर्थ कोरिया का सातवां परमाणु परीक्षण होगा। मगर चिंता की बात ये है कि यह 2017 के बाद पहला परमाणु परीक्षण होगा। दुनिया को परमाणु युद्ध की ओर धकेलने का यह एक और कदम होगा।

भारत अभी चीन के लिए सबसे बड़ी चुनौती इसीलिए उसे दबाने की कोशिश पर फोकस ज्यादा

एशिया में अभी भारत चीन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। अर्थव्यवस्था के आकार के मामले में जापान भले आगे हो, मगर भारत की छवि ऐसे देश की है जो बिना किसी महाशक्ति के समर्थन के भी अपनी जगह तेजी से बना रहा है। ऐसे में चीन की प्राथमिकता हर मोर्चे पर भारत को रोकने की है। चीन मानता है कि अगर सामरिक मोर्चे पर वह भारत को उलझाता है तो पूरे एशिया को अपनी ताकत दिखा सकता है। साथ ही उसे यकीन है कि भारत के मामले में अमेरिका सीधे तौर पर नहीं उतरना चाहेगा। ऐसे में विशेषज्ञ मानते हैं कि 2023 में भारत-चीन सीमा एशिया में तनाव का सबसे बड़ा पॉइंट बन सकता है।

चीन में तेजी से पैर पसार रहा कोरोना वायरस

ग्वांगझू में बनाया गया विशाल क्वारंटाइन सेंटर- अस्थायी अस्पताल

बीजिंग, 29 नवंबर (एजेंसियां)। चीन में 'जीरो कोविड पॉलिसी' के बावजूद लगातार कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं. चीन में वैश्विक महामारी कोरोना एकबार फिर से विस्फोटक हालात में पहुंचने लगी है. चीन में कोविड मामलों में हालिया उछाल के बीच, चीनी शहर ग्वांगझू में कम से कम 250,000 लोगों को रखने के लिए बड़े पैमाने पर क्वारंटाइन सेंटरों और अस्थायी अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है. चीन के ग्वांगझू शहर की कुल आबादी 13 मिलियन के आसपास है, जहां अक्टूबर की शुरुआत से कोविड मामलों की संख्या ज्यादा रही है. पिछले शनिवार को भी ग्वांगझू में एक दिन में 7000 से ज्यादा कोविड केस दर्ज किए गए थे. चीन में क्वारंटाइन सेंटर को बनाने का काम जोरों पर किया जा रहा है. इसके कई सारे वीडियो सोशिल मीडिया पर भी वायरल हो रहे हैं. पूर्वी यूरोपीय मीडिया एनएक्सटा ने भी चीन में हो रहे ऐसे ही एक क्वारंटाइन साइट का एक वीडियो साझा किया है, जिसमें लगभग 80000 लोगों के लिए क्वारंटीन सेंटर का निर्माण किया जा रहा है.

अस्थायी अस्पताल की बनाने की तैयारी

चीन के ग्वांगझू शहर में कोरोना संक्रमण को बढ़ते मामलों की देखते हुए वहां पर 246407 बिस्तरों वाले एक अस्थायी अस्पताल भी बनाया जा रहा है. इस बीच, चीन की राजधानी बीजिंग और अन्य शहरों में कोरोना संक्रमण के प्रकोपों को रोकने के लिए चीनी सरकार और नागरिकों के बीच संघर्ष जारी है. चीन के चोंगकिंग और ग्वांगझू में कोरोना मामलों ने सरकार की नींद उड़ा दी है.

अमेरिका में नाबालिग ने लड़की का किया मर्डर, इंस्टग्राम पर लोगों से पूछा- डेडबॉडी को कैसे ठिकाने लगाऊं

वॉशिंगटन, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका से एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. पेन्सिलवेनिया में एक 16 वर्षीय लड़के ने एक लड़की की हत्या कर दी और उसके बाद उसने इंस्टाग्राम पर लोगों से पूछा कि अब वो इस डेडबॉडी का क्या करे? इस अजीबोगरीब और सनसनीखेज मामले का खुलासा होते ही पुलिस ने आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर लिया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 16 वर्षीय लड़के ने गोलियों से भूनकर लड़की की हत्या को अंजाम दिया. दरअसल, एक महिला ने पुलिस को फोन कर कहा- उसकी बेटी ने अभी-अभी एक वीडियो देखा, जिसमें एक लड़के ने बताया कि उसने अभी-अभी किसी की हत्या की है.

लाल हुआ पूरा आसमान

हवाई में 38 साल बाद फटा दुनिया का सबसे बड़ा वोल्केनो मौनालाओ

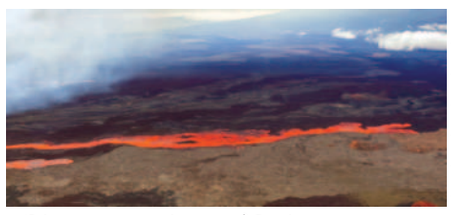

वॉशिंगटन, 29 नवंबर (एजेंसियां)। हवाई में सोमवार को दुनिया का सबसे बड़ा वोल्केनो माउना लाओ फटा है। लगभग 4 दशक बाद फटे इसे वोल्केनो से पूरे आसमान में लाली छा गई। US जिओलोजिकल सर्वे के मुताबिक वोल्केनो के फटने की शुरूआत रविवार रात को हो चुकी थी। जिसके बाद एमरजेंसी क्रू को एलर्ट पर रखा गया था। वोल्केनो फटने के बाद इससे निकला मलबा ज्यादा दूर तक नहीं गया। जिससे आस-पास के लोगों कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। माउना लाओ वोल्केना फटने के बाद निकला लावा और दूसरा मलबा केवल समिट एरिया में ही रहा है। समिट का मतबल वोल्केनो की चोटी से है। हालांकि, इससे निकले पदार्थ को बहुत दूर के इलाकों से भी देखा गया। जिओलोजिकल सर्वे के लगाए गए कैमरे में वोक्लकेनो के फटने का नजारा कैद हुआ। इसमें देखा गया कि ज्वालामुखी के मुख एक लंबी लावे की धार निकली।1984 में 22 दिन तक बहा था लावा दरअसल हवाई आईलैंड में 6 एक्टिव वोल्केनो हैं। जिनमें से मौनालाओ दुनिया का सबसे बड़े वोल्केना माना जाता है। जिओलोजिकल सर्वे के मुताबिक मौनालाओ 1843 से करीब 33 बार फट चुका है। सोमवार से पहले यह लावा 1984 में फटा था। जिसमें लगातार 22 दिन तक 7 किलोमीटर के एरिया में लावा बहता रहा था।

हवाई में 2018 में फटे वोल्केना से 700 घर तबाह हुए थे

इससे पहले साल 2018 में मौनालाओ के पास ही किलाउवे वोल्केनो फट गया था। इसमें लगभग 700 घर तबाह हो गए थे। यह किस्मत की बात है कि 28 नवंबर, सोमवार को फटे मौनालाओ से कुछ तबाही नहीं हुई है, क्योंकि इसकी ढलान बहुत ज्यादा सीधी हैं जिसके कारण इससे लावा नीचे जाने की संभावना ज्यादा हो जाती है।

होटल में घुसकर सेना ने आतंकियों को किया ढेर

बंधक बनाए गए 60 लोगों को मुक्त कराया

मोगादिशू, 29 नवंबर (एजेंसियां)। सोमालिया की राजधानी मोगादिशू के एक होटल में बंधक बनाए गए 60 लोगों को सेना और अन्य बलों ने एक ऑपरेशन के दौरान मुक्त करा लिया। इस ऑपरेशन में कई आतंकी भी मारे गए और एक सुरक्षाकर्मी की भी मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोगादिशू के इस होटल में इस्लामी चरमपंथियों ने 18 घंटे से ज्यादा वक्त से दर्जनों लोगों को बंधक बनाया हुआ था। आतंकियों ने इस दौरान 8 लोगों की हत्या भी कर दी थी। सरकारी अफसर मीटिंग्स के लिए अक्सर इस होटल में आया करते थे, और इसीलिए यह आतंकियों के निशाने पर था।

'एक आतंकी ने खुद को बम से उड़ा लिया'

पुलिस के प्रवक्ता सादिक दोदिशे ने पूरे ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि विला रोजा होटल में लोगों को बंधक बनाकर रखने वाले सभी आतंकियों को मार गिराया गया और एक सुरक्षाकर्मी की भी इस दौरान मौत हो गई। प्रवक्ता ने बताया कि होटल में फंसे करीब 60 लोगों को मुक्त करा लिया गया है और उनमें से कोई जख्मी नहीं हुआ है। हालांकि, यह अब तक साफ नहीं है कि क्या कोई लापता है या नहीं। दोदिशे के मुताबिक, 5 हमलावरों को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया जबकि छठे ने खुद को बम से उड़ा लिया।

अल शबाब ने ली है हमले की जिम्मेदारी

इस्लामी आतंकी संगठन अल शबाब ने हमले की जिम्मेदारी ली है। अल शबाब ने रविवार को दावा किया था कि उसके लड़ाकों ने होटल पर हमला किया है। होटल पर हमले के वक्त कई सरकारी अधिकारी भी वहां मौजूद थे। उनमें से एक ने बताया कि उसने और कुछ और लोगों ने मिलकर एक दरवाजे को तोड़ दिया और किसी तरह होटल से बाहर निकल गए। यह हमला देश में अल शबाब की बढ़ती ताकत का एक नमूना है जबकि राष्ट्रपति हसन शेक महमूद की सरकार उन्हें काबू में करने के लिए अपना पूरा जोर लगा रही है।

श्रीलंकाई नौसेना ने 24 भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

कोलंबो, 29 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंकाई नौसेना ने देश के जलक्षेत्र में कथित रूप से अवैध शिकार करने के आरोप में 24 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है और उनकी पांच नावों को भी जब्त कर लिया है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि उत्तरी जाफना प्रायद्वीप में करैनगर के तट पर नौसेना और श्रीलंका तटरक्षक बल के एक संयुक्त अभियान में सोमवार शाम मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। नौसेना ने कहा कि बाद में उन्हें कांकेसंथुराई बंदरगाह लाया गया और आगे की कार्रवाई के लिए मछली पकड़ने के निरीक्षणालय को सौंप दिया गया।

अब तक कुल 252 भारतीय मछुआरों को किया गया गिरफ्तार

श्रीलंकाई नौसेना ने कहा कि इस साल अब तक कुल 252 भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध शिकार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है, यहां तक कि श्रीलंकाई नौसेना के कर्मियों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी की और श्रीलंका के क्षेत्रीय जल में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया। पाक जलडमरूमध्य, जो श्रीलंका से तमिलनाडु को अलग करने वाली पानी की एक संकरी पट्टी है, दोनों देशों के मछुआरों के लिए मछली पकड़ने का एक समृद्ध मैदान है। समय-समय पर भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा को कथित रूप से पार करने और श्रीलंकाई जल में मछली पकड़ने के लिए पकड़े जाने के मामले सामने आए हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र

वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को केंद्र को अवगत कराया और पड़ोसी देश से मछुआरों और उनकी नौकाओं की सुरक्षित रिहाई के लिए कार्रवाई की मांग की। विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखते हुए, स्टालिन ने कहा कि अकेले इस वर्ष में, तमिलनाडु के 221 मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पकड़ा गया था। उन्होंने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना द्वारा बार-बार गिरफ्तारियां तमिलनाडु में मछुआरा समुदाय के बीच गंभीर तनाव और पीड़ा पैदा कर रही हैं, जो पूरी तरह से मछली पकड़ने पर निर्भर हैं। नाजुक तटीय अर्थव्यवस्था संकट का सामना कर रही है और इसे हमारे समर्थन की जरूरत है।

अब इंसानों को गोली मारेंगे रोबोट्स

मुठभेड़ में कैसे पहचानेंगे टारगेट, कौन देगा कमांड; अमेरिकी पुलिस का पूरा प्लान

फ्रांसिस्को, 29 नवंबर (एजेंसियां)। रोबोट्स पर हमने कई फिल्में देखी हैं। रजनीकांत की 'रोबोट' में चिट्टी भावनाओं में आकर हीरो से विलेन बन जाता है। हॉलीवुड फिल्म 'टर्मिनेटर' में मानवता का साथ देने के लिए अर्नाल्ड रोबोट्स होकर भी मशीनों के खिलाफ लड़ते हैं। रोबोट्स का ऐसा इस्तेमाल अब सिर्फ फसाना नहीं, हकीकत बनने जा रहा है। अमेरिका की सैन फ्रांसिस्को पुलिस ने अपने डिपार्टमेंट में ऐसे रोबोट्स को शामिल करने का मसौदा तैयार किया है, जो इंसानों पर गोलियां भी चला सकेंगे। अगर इस प्लान को मंजूरी मिल जाती है तो दुनिया में पहली बार पुलिस में किलर रोबोट्स की भर्ती होगी।

जानलेवा मुठभेड़ में अहम साबित होंगे किलर रोबोट्स

इन रोबोट्स का इस्तेमाल खासतौर पर ऐसे ऑपरेशंस में किया जाएगा, जहां इंसान की जान को ज्यादा खतरा होता है। सैन फ्रांसिस्को पुलिस के पास फिलहाल 17 रोबोट्स हैं। इनमें से 12 रोबोट्स पुलिस में शामिल होने के लिए बिलकुल फिट हैं। इनका प्रयोग अब तक सिर्फ किसी जगह पर बम का पता लगाने और उसे नष्ट करने के लिए किया गया है। पुलिस ने इन रोबोट्स को 'राइट टु किल' यानी नाजुक ऑपरेशंस के दौरान संदिग्ध आरोपी को जान से मारने का अधिकार देने की मांग की है। इसका मतलब इन रोबोट्स को इंसानों की हत्या करने का अधिकार होगा।

कैसे तैयार किए जाएंगे इंसानों पर गोली चलाने वाले रोबोट्स

सैन फ्रांसिस्को पुलिस के पास फिलहाल रिमोटेक मॉडल के रोबोट्स हैं। इनमें ऑप्शनल वेपन सिस्टम भी फिट किया जा सकता है। यानी मौजूदा रोबोट्स में थोड़े-बहुत बदलाव के बाद ये गोली चलाने वाले रोबोट्स बन जाएंगे। रोबोट्स के शरीर में पैन डिसरप्टर नाम का एक टूल है। ड्राफ्ट पास होने पर इसी टूल में अलग-अलग लंबाई की 12 गेज शॉट गन शेल डाली जाएंगी। इसके बाद ये रोबोट्स गोली भी चला सकेंगे। इसके अलावा पुलिस डिपार्टमेंट के पास क्यूइनेटी क्यू टेलोन मॉडल के रोबोट्स भी हैं। इनमें भी वेपन लोड होने के बाद ये गोली चला सकते हैं। ये रोबोट्स अमेरिकन आर्मी का भी

हिस्सा हैं। इन रोबोट्स में शॉट गन के शेल्स के अलावा ग्रेनेड लॉन्चर, मशीन गन और 0.50 कैलिबर की एंटी मटेरियल राइफल भी फिट की जा सकती है। इन रोबोट्स में आपराधिक आशंका की समझ पैदा करने, 'राइट टु किल' पॉवर का सही इस्तेमाल करने और गंभीर परिस्थितयों के लिए तैयार को ट्रेनिंग भी कराई जाएगी

ये रोबोट्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इमेज रिकग्निशन और रोबोटिक्स जैसी टेक्नोलॉजी पर काम करते हैं। इनका खुद का एक आर्टिफिशियल दिमाग होता है जिससे ये तय कर सकते हैं कि अब आगे क्या करना है। मसलन- खड़े होना है, दूर जाना है, अटैक करना है या फिर गोली चलाना है। इस आर्टिफिशियल दिमाग को कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के जरिए डिजाइन किया जाता है। प्रोग्रामिंग जितनी बेहतर होगी, रोबोट्स उतनी अच्छी तरह से अपने निर्णय लेंगे। हालांकि सैन फ्रांसिस्को पुलिस ने इन रोबोट्स के लिए ऑपरेटर्स रखने और इन्हें पूरी तरह रिमोट कंट्रोल्ड बनाने का दावा किया है। बिना कंट्रोल के ये रोबोट्स बेहद खतरनाक हैं। ये रोबोट्स खुद ही अपने शरीर की चोट को कुछ हद तक ठीक कर सकते हैं और फिर इन्हें नष्ट करना बहुत मुश्किल होगा। इंसानों पर गोली चलाने की कमांड पुलिस अधिकारी की अनुमति के बाद ही दी जाएगी। सैन फ्रांसिस्को की किलर रोबोट्स वाली पॉलिसी को रूल्स कमेटी ने मंजूरी दे दी है। मंजूरी देने का तर्क ये दिया गया है की भविष्य में ऐसी खतरनाक परिस्थितियां बन सकती हैं, जिनका सामना करने के लिए इंसान को दाव पर नहीं लगाया जा सकता। इसलिए रोबोट्स को कुछ खास ऑपरेशंस के लिए तैयार करना होगा।

29 नवंबर को ये ड्राफ्ट पॉलिसी मंजूरी के लिए बोर्ड ऑफ सुपरवाइजर्स के सामने पेश की जाएगी। हालांकि शुरुआत में सैन फ्रांसिस्को के बोर्ड ऑफ सुपरवाइजर्स के डीन आरोन पेस्किन ने पुलिस में रोबोट्स को शामिल करने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा था की हम रोबोट्स को किसी इंसान की जान लेने की परमिशन नहीं दे सकते। बाद में पेस्किन ने भी इस बात का जिक्र किया कि आने वाले समय में कुछ मुश्किल मौकों पर रोबोट्स की जरूरत पड़ सकती है।

रोबोट्स की बढ़ती समझदारी के फायदे हैं तो खतरे भी

मार्च 2018 में एक टेक कॉन्फ्रेंस के दौरान एलन मस्क ने कहा था कि 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस परमाणु से ज्यादा खतरनाक है। इसमें खूबियों के साथ जोखिम भी हैं।'

साल 2004 में रोबो एथिक्स पर दुनिया का पहला इंटरनेशनल सेमिनार हुआ था। इसमें युद्ध में रोबोट के इस्तेमाल और रोबोट इंसान का आदेश मानने से मना करे तो क्या हो? जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इस सम्मेलन में जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में मोबाइल रोबोट लैबोरेटरी के डायरेक्टर रॉनल्ड आर्किन्स भी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं हथियार के रूप में रोबोट के इस्तेमाल के खिलाफ हूं। मैं इस पर रोक लगाने के पक्ष में हूं। आप इसे काबू नहीं कर सकते और ये बेहद खतरनाक हो सकते हैं। कौन चाहेगा कि दुनिया में ऐसे हथियार मौजूद हों जो अपनी मर्जी से किसी को मारने में सक्षम हों?'

सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में डॉरेक्टर ऑफ टेक्नोलॉजी पॉल शॉरी के मुताबिक, 'डेवलपमेंट के साथ टेक्नोलॉजी हमें ऐसे रास्ते पर ले जा रही है, जहां जिंदगी और मौत से जुड़े फैसले मशीनों के हवाले हो जाएंगे और मुझे लगता है कि ये इंसानियत के सामने एक गंभीर सवाल है।'

नकली गुड़, शहद और अदरक तो नहीं खा रहे

सर्दी से बचने की जगह हो जाएंगे बीमार, ऐसे चेक करें असलियत

एक्सक्लूसिव डेस्क, 29 नवंबर। सर्दी का मौसम आते ही खाने-पीने का तरीका बदल जाता है। कई ऐसी चीजें हैं जो आपके रोज के खाने में शामिल हो जाती हैं जो हेल्थ के लिए जरूरी भी है।

ठंड बढ़ने से सर्दी-खांसी की समस्या होती है। इम्यून कमजोर हो जाता है। शरीर को गर्म रखने के लिए और चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए शहद, अंडे जैसी कई चीजें हम खाने लगते हैं। बाजार में यह चीजें नकली भी मिलती हैं। इसलिए खरीदते वक्त सावधानी जरूरी है।

आज जरूरत की खबर में हम शहद, गुड़, अदरक और असली अंडे की पहचान का प्रोसेस बताएंगे। सर्दी में हेल्थ का ख्याल कैसे रखें इस पर भी बात करेंगे।

शहद से जुड़े फैक्ट्स

यह अकेला ऐसा भोजन है जो किसी कीट से बनता है।

प्योर शहद खराब नहीं होता।

शहद का इस्तेमाल दवाई के तौर पर भी होता है।

सर्दियों में मधुमक्खियां केवल शहद पर जीवित रहती हैं।

सभी मधुमक्खियां शहद नहीं बना सकतीं।

सवाल–सर्दी में शहद रेगुलर खाने से क्या फायदा होगा?

यह इम्यूनिटी सही करता है और इंफेक्शन से लड़ता है। इसलिए कुछ लोग सर्दी शुरू होते ही शहद में काली मिर्च और हल्दी डालकर पीने लगते हैं। इससे सर्दी-जुकाम की प्रॉब्लम और इंफेक्शन को कंट्रोल किया जा सकता है।

सर्दी में लोग पानी पीने में कंजूसी करते हैं। इससे कब्ज की प्रॉब्लम बढ़ जाती है। शहद कब्ज, पेट फूलने और एसिडिटी की प्रॉब्लम को कम करता है। इसमें मौजूद बैक्टीरिया पाचन में मदद करते हैं।

सर्दी में रूसी यानी ड्रैंडफ की समस्या आम है। शहद लगाने से बालों को पोषण मिलता है। ड्रैंडफ कम होने के साथ बालों को झड़ने से रोका जा सकता है।

इसके लिए शहद के 2 बड़े चम्मच को वनस्पति तेल के साथ बराबर मात्रा में मिलाएं और इसे अपने बालों पर लगाएं। इस हेयर मास्क को 15 मिनट तक लगा रहने दें, और फिर शैम्पू करने से पहले इसे धो दें।

सर्दी में ब्लड प्रेशर हाई-लो की प्रॉब्लम होती है। जिन्हें लो बीपी की समस्या है वे रेगुलर तौर पर शहद खाएं। याद रखें कि लो ब्लड प्रेशर की वजह से दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा कम पहुंचती है। इससे यह समस्या दूर हो सकती है।

गुड़

सर्दी में जिसे देखो गुड़ खाने की सलाह देता है। इसकी कई वजहें हैं, इसकी तासीर गर्म होती है। शरीर की गर्माहट को बनाए रखता है और इससे मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है।

गुड़ के फैक्ट्स जानते है

यह नेचुरल क्लींजर है। शरीर के हानिकारक तत्व को बाहर निकालने में मदद करता है।

गुड़ में एंटीऑक्सीडेंट, जिंक, विटामिन बी 12, बी 6, कैल्शियम, आयरन, फोलेट, फॉस्फोरस, सेलेनियम, प्रोटीन होता है।

गुड़ खाने के फायदे क्या हैं?

तासीर इसकी गर्म होती है इसकी वजह से सर्दी के मौसम में खांसी-जुकाम में राहत मिलती है।

सर्दी का असर शरीर पर कम पड़ता है। गले की खराश को रोकता है।

इसमें मौजूद आयरन, फॉस्फोरस, जिंक, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाता है।

इसमें आयरन और विटामिन सी होता है।

खून की कमी होने पर इसे जरूर खाएं, भूख भी बढ़ाता है।

अदरक

ठंड का मजा अदरक वाली चाय के साथ आप भी लेते हैं न। कभी चेक किया जिस अदरक को आप अपनी चाय में डाल रहे हैं वह असली है भी कि नहीं। अब कुछ लोग यह कहेंगे बिना वजह डरा रहे हों, मिट्टी से निकलने वाली चीज में क्या असली-नकली।

अदरक खाने से ये फायदे होंगे

एफडीसी के अनुसार, अदरक में एनर्जी, फाइबर, प्रोटीन जैसे कई पोषक तत्व के साथ कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम, सोडियम, जिंक, कॉपर जैसे मिनरल्स मौजूद होते हैं।

यह विटामिन सी, विटामिन बी-6, विटामिन-के, विटामिन-ई का भी सोर्स है।

यह दांत और सिरदर्द के लिए फायदेमंद है।

अदरक का रस रोजाना इस्तेमाल करने से स्किन की प्रॉब्लम नहीं रहती।

अंडा

सर्दी में अंडे खाने के कई फायदे हैं। ठंड के मौसम में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ता है। इम्यूनिटी मजबूत करने में अंडा मदद करेगा। बैड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने नहीं देता। दिल के लिए अच्छा माना गया है। विटामिन डी की कमी को दूर करता है, इससे हड्डियां मजबूत बनेंगी।

क्या आप जानते हैं कि बाजार में नकली अंडे मिल रहे हैं। न्यूट्रीनिस्ट रीमा हिंगोरानी कहती हैं– मार्केट में आजकल आर्टिफिशियल या सिंथेटिक अंडे बिक रहे हैं, जो आपको हेल्दी नहीं बल्कि बीमार कर सकते हैं। इनसे आपको प्रोटीन नहीं मिलता बल्कि आपका मेटाबॉलिज्म खराब होता है।

आपको अंडा खरीदने के बाद थोड़ा ध्यान देना होगा। जैसे-

अंडे का सफेद पार्ट रफ होगा। नेचुरल का चिकना होता है।

अंडे को उबालकर, उसे छीलकर, जब कट करेंगे, तो उसका योक जरूरत से ज्यादा पीला दिखाई दे, तो इसका मतलब है अंडे में कुछ गड़बड़ है।

नकली अंडा बनता कैसे है

सोडियम अल्जिनेट को गर्म पानी में मिलाकर जलेटिन, ऐलम और बेन्जोइक मिलाया जाता है। इस मिश्रण से नकली अंडा तैयार किया जाता है।

अंडे के पीले और सफेद दोनों को बनाने में यही मिश्रण इस्तेमाल होता है। पीले हिस्से के लिए बस मिश्रण में थोड़ा पीला रंग मिला दिया जाता है। अंडे का छिलका बनाने के लिए कैल्शियम क्लोराइड का इस्तेमाल किया जाता है।

असली-नकली की पहचान के बाद अब हम बात करते सर्दी और सही खानपान की।

सर्दी में भूख ज्यादा क्यों लगती है?

इस मौसम में शरीर का बेसल मेटाबॉलिक रेट, यानी बीएमआर अच्छा होता है। साथ ही शरीर के अन्य अंदरुनी अंग पूरी क्षमता से काम करते हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में भूख बढ़ती है। ऐसे में सही अनुपात में 'पौष्टिक भोजन और उस अनुपात में वर्जिश' से सेहत बना सकते हैं।

सर्दी के मौसम में खानपान कैसा होना चाहिए?

ठंड के मौसम में गर्म तासीर वाली चीजें खानी चाहिए।

तिल, गुड़, अलसी, अदरक, लहसुन जैसी चीजों को खाने में शामिल करें। ये इम्यूनिटी को स्ट्रॉन्ग करने में भी मदद करते हैं।

सर्दी के मौसम में खट्टे फल जरूर खाएं। ऑरेंज, मौसमी जैसे फल में विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है। ये आपको सर्दी-खांसी से बचाते हैं।

ड्राई फ्रूट्स और गर्म दूध पिएं।

ग्रीन टी से शुरू करें दिन-सुबह ब्लैक टी के बजाय ग्रीन टी पिएं। इसमें एक चम्मच दालचीनी मिला लीजिए। ग्रीन टी अपने आप में पर्याप्त एंटी-ऑक्सीडेंट्स का काम करती है। दालचीनी मिलाने से इसका प्रतिशत बढ़ जाता है।

सुबह एक्सरसाइज के बाद एक मुट्ठी ड्राई फ्रूट्स खाएं। इसमें किशमिश, बादाम, अंजीर लें।

अंकुरित अनाज भी खा सकते हैं। सुबह का नाश्ता दिनभर की एनर्जी के लिए जरूरी है। इसमें दलिया, दूध, शाकाहारी उपमा लें। यदि पोहा खा रहे हैं, तो अनार मिला लें। अगर मौसमी लड्डू खा रहे हैं, तो उसे दूध के साथ लें।

लंच और डिनर सर्दी के मौसम में कैसा होना चाहिए?

लंच में दो तरह की हरी सब्जियों को शामिल करें। दाल को पोषक बनाने के लिए एक साथ तुअर, मूंग, मसूर की दालें मिलाकर बनाएं। खाने में ज्वार या बाजरे की रोटी भी खाएं। इसके अलावा खाने में ताजा दही, सलाद, चटनी लें। रात का खाना हल्का और पौष्टिक होना चाहिए। 8-9 बजे तक रात का खाना खा लें। रात का हैवी खाना न खाएं। रात में गुनगुना दूध भी लेना चाहिए।

सर्दी के मौसम में फल और सब्जी की कमी नहीं रहती, इसे कैसे हम खाने में शामिल कर सकते हैं?

सलाद सबसे अच्छा ऑप्शन है। सलाद में अनार, गाजर, मूली, चुकंदर का सेवन करें और ऊपर से नींबू निचोड़ लें। यह विटामिन-सी का अच्छा सोर्स है। जिन्हें कब्ज की प्रॉब्लम रहती है, उन्हें अमरूद को खाने में शामिल करना चाहिए।

दोपहर के खाने के बाद डेली एक अमरूद खाएं। इसके अलावा भोजन से पहले अमरूद खाने से वजन नियंत्रित रहता है। पालक, गाजर, मूली, मेथी के परांठे की जगह रोटियां बनाकर खाएं।

सर्दी में लोग अक्सर ज्यादा खा तो लेते हैं, पचा नहीं पाते, ऐसा न हो तो इसके लिए क्या करें?

दरअसल लोग तला-भुना, हेवी खाना इस मौसम में खा तो लेते हैं, लेकिन उसे पचाने के लिए उतनी मेहनत नहीं करते हैं। हम सबको अपनी डाइट के हिसाब से मेहनत भी करनी चाहिए। ऐसा करने से शरीर में एक्स्ट्रा चर्बी जमा नहीं होगी। इसलिए अपनी उम्र और बीमारी के हिसाब से योग, एक्सरसाइज, मॉर्निंग वॉक जरूर करें।

अब कुछ कानून की बात कर लेते हैं

जानते हैं कि नकली खाने की चीजों की शिकायत कहां और कैसे करें, इस मामले में कानून क्या कहता है

मिलावटी चीजों के खिलाफ कहां शिकायत कर सकते हैं?

एडवोकेट सचिन नायक- मिलावटी चीजों की शिकायत आप फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड ऑथोरिटी ऑफ इंडिया यानी एफएसएसएआई के कानून के तहत कर सकते हैं। याद रखें कि इसके लिए आप डायरेक्ट मैजिस्ट्रेट के पास नहीं जा सकते है।

पनीर के उदाहरण से ही इसे समझते हैं। अगर पनीर मिलावटी है, तो उसका सैंपल लेकर आपको फूड सेफ्टी अथॉरिटी के पास जाना होगा। वहां एक लिखित शिकायत दर्ज करानी होगी कि जो पर्टिकुलर प्रोडक्ट हम रख रहे हैं, उसमें मिलावट है। अथॉरिटी लैब भेजकर उसकी जांच करवाएगी, जैसे ही रिपोर्ट आपके फेवर में आएगी, वारंट जारी हो जाएगा।

क्या हर शहर में फूड सेफ्टी के अधिकारी होते हैं?

एडवोकेट सचिन नायक कहते है हां, हर शहर में एक फूड सेफ्टी डेजिगनेटेड ऑफिसर मौजूद हैं। उनका काम इंस्पेक्शन और जांच दोनों है।

मिलावट करने वालों के लिए कानून में क्या सजा है?

खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलावटी सामान बेचने वाले दुकानदारों पर जुर्माने का प्रावधान है। उन्हें जेल भी जाना पड़ सकता है। अगर किसी ने मिलावटी खाने की कोई चीज खा ली है, तो उसके लिए नॉन बेलेबल वारंट जारी होगा।

इसके बाद दोषी को 6 महीने से 3 साल की जेल होगी। अगर मिलावटी चीज किसी ने नहीं खाई है, तो बेलेबल वारंट दोषी के खिलाफ जारी होगा।

आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आया सीआरपीएफ जवान

साथियों ने घायल को पहुंचाया अस्पताल, रायपुर एयर लिफ्ट करने की तैयारी

बीजापुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया है। घायल जवान का नाम दीपक पासवान बताया जा रहा है। जो सीआरपीएफ के 168 बटालियन में पोस्टेड है। आईईडी ब्लास्ट में घायल होने के बाद साथियों ने जवान को बीजापुर के जिला अस्पताल पहुंचाया। मामला जिले के उसूर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक नक्सलियों के पीएलजीए (पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी) सप्ताह को देखते हुए बीजापुर में फोर्स अलर्ट है। मंगलवार को सीआरपीएफ 168 बटालियन के जवानों को नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन पर निकाला गया था। जवान गलगम के जंगल में पहुंचे। सर्चिंग करते वक्त एक जवान दीपक पासवान का पैर प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गया।

जिससे जोर का धमाका हुआ। जवान को गंभीर चोटें आईं हैं। साथियों ने फौरन घायल को घटना स्थल से निकाला। सीआरपीएफ के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बीजापुर जिला अस्पताल लाया है, जहां घायल का इलाज किया जा रहा है। ऐसा बताया जा रहा है कि, बेहतर इलाज के लिए जवान को एयर लिफ्ट कर रायपुर रेफर किया जा सकता है।

8 दिसंबर तक माओवादी मना रहे पीएलजीए सप्ताह

दरसअल, बस्तर में 8 दिसंबर तक माओवादी पीएलजीए सप्ताह मना रहे हैं। माओवादी अपने इस सप्ताह के दौरान किसी न किसी तरह की वारदात को अंजाम देते है। माओवादियों के पीएलजीए सप्ताह को देखते हुए बस्तर में फोर्स भी अलर्ट मोड पर है। अंदरूनी इलाकों में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन तेज किया गया है।

2 दिन पहले 6 नक्सलियों को किया था ढेर

दो दिन पहले बीजापुर जिले के पोमरा के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ चली थी। इस मुठभेड़ में जवानों ने कुल 6 माओवादियों को ढेर किया था। इनमें से 4 की बॉडी भी रिकवर कर ली गई थी। साथ ही घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार और नक्सल सामान भी बरामद किया गया था।

सड़क किनारे से ले गए थे चोरी कर, सात गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा, 29 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में चोरों ने सड़क किनारे खड़े रोड रोलर को ही चोरी कर लिया। चोर उसे क्रेन की मदद से ट्रक पर लादकर ले गए। फिर रोड रोलर के टुकड़े किए और उसे 25 रुपये किलो के हिसाब से कबाड़ी को बेच दिया। पुलिस ने इस मामले में खरीदार सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, कोरबा की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी जांजगीर में सड़क निर्माण कार्य कर रही थी। इसमें प्रयुक्त रोड रोलर करीब छह माह पहले खराब हो गया तो उसे अकलतरा रोड पर एक पेट्रोल पंप के सामने खड़ा कर दिया गया था। मुंशी 25 नवंबर को रोड रोलर लेने के लिए पहुंचा तो नहीं मिला। इसके बाद थाने में मामला दर्ज कराया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि 20 नवंबर को बाइक से दो युवक आए थे। उन्होंने क्रेन की मदद से रोड रोलर को लिफ्ट किया और ट्रक में लादकर बिलासपुर की ओर ले गए। इस पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए और संदेह के आधार पर बिलासपुर के मस्तुरी निवासी भूपेंद्र भास्कर और उसके चचेरे भाई जसवंत भास्कर को हिरासत में ले लिया।

रोड रोलर के टुकड़े कर 25 रुपये किलो में बेचा

झारखंड दुष्कर्म केस: ब्रह्मानंद चुनाव प्रचार पर

पुलिस नोटिस का जवाब देने वकील पहुंचे थाने, बंद कमरे में चर्चा

कांकेर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ब्रह्मानंद नेताम झारखंड पुलिस की नोटिस के बाद भी थाने में हाजिर नहीं हुए हैं। वह चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं और लोगों से मिल रहे हैं। उनके प्रचार को लेकर भाजपा ने बकायदा पूरे दिन का शेड्यूल भी जारी किया है। वहीं नेताम की ओर से अब से कुछ देर पहले ही उनके वकील कांकेर थाने पहुंचे हैं। इसके बाद पुलिस के साथ बंद कमरे में चर्चा चल रही है।

सुबह 10 बजे थाने में हाजिर होने के लिए चस्पा किया गया था नोटिस

झारखंड थाना पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म मामले में भाजपा प्रत्याशी नेताम सहित तीनों आरोपियों के घरों के बाहर नोटिस चस्पा कर मंगलवार सुबह 10 बजे थाने में हाजिर होने के लिए कहा था। इसकी जगह ब्रह्मानंद प्रचार के लिए निकल गए। वहीं अन्य आरोपियों का भी अभी तक पता नहीं है। इस बीच ब्रह्मानंद की ओर अकलतरा विधायक शोरभ सिंह, वकील बीएस पांडे, अभिकर्ता नंद कुमार ओझा व एक अन्य पुलिस से बात करने के लिए पहुंचे हैं।

तीनों आरोपियों के घर पुलिस ने कल मारा था छापा

झारखंड पुलिस सोमवार से कांकेर में डेर डाले हुए है। इस दौरान पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के तीनों आरोपियों नरेश सोनी, भाजयुमो जिला कोषाध्यक्ष दीपांकर सिन्हा और सस्पेंड कॉन्स्टेबल केशव सिन्हा के घर पर छापा मारा था, लेकिन तीनों ही आरोपी नहीं मिले थे। पुलिस ब्रह्मानंद के घर नहीं गई थी। हालांकि संभावित कार्रवाई को देखते हुए उनके घर में सुबह से ही भाजपा कार्यकर्ताओ की भीड़ जुटने लगी थी। इसके बाद मंगलवार सुबह झारखंड पुलिस ने उनके आवास पर नोटिस चस्पा किया।

दीवार पर नोटिस, नेताम प्रचार पर

ब्रह्मानंद नेताम के चरामा स्थित आवास पर नोटिस चस्पा किया है।

इसमें कहा गया है कि आपके खिलाफ झारखंड में जमशेदपुर के टेल्को थाने में दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट, षड्यंत्र करने और अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज है। अतः जांच में सहयोग करते हुए 29 नवंबर की सुबह 10 बजे कांकेर कैंप थाने में उपस्थित हों। यह नोटिस विवेचना अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार के नाम से जारी किया गया है। हालांकि ब्रह्मानंद सुबह से ही प्रचार पर घर से निकले हुए हैं।

पीसीसी चीफ ने लगाया था आरोप

दरअसल, करीब नौ दिन पहले 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा उम्मीदवार ब्रह्मानंद नेताम पर नाबालिग से गैंगरेप का आरोप लगाया था। साथ ही यह भी आरोप लगाया है कि नाबालिग को देह व्यापार में धकेला। इस संबंध में जमशेदपुर के टेल्को थाने में केस दर्ज है। यह एफआईआर मई 2019 में धारा 366 ए, 376(3), 376एबी, 376एडी, 120बी4/6 पास्को के तहत दर्ज कराई गई है।

एनसीपीसीआर ने पीसीसी चीफ मरकाम को भेजा नोटिस

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने भी इसमें संज्ञान लेते हुए कांकेर एसपी को नोटिस जारी किया। इसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है।

आयोग की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि झारखंड में 15 साल की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म किया गया। उसका नाम पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने उजागर किया है। कांकेर एसपी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि वैधानिक कार्यवाही करते हुए तीन दिन में रिपोर्ट आयोग को भेजी जाए।

हाईकोर्ट ने रिम्स की अव्यवस्था पर जमकर लगायी फटकार

हाईकोर्ट ने कहा, नहीं संभाल पा रहे, तो छोड़ दें रिम्स निदेशक का पद, किसी आईएएस को सौंपे जिम्मेदारी

रांची, 29 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाइकोर्ट ने रिम्स निदेशक को जमकर फटकार लगायी है। कोर्ट ने कहा है कि अगर आप यह पद नहीं संभाल पा रहे हैं, तो छोड़ दें। इलाज की लचर व्यवस्था और विभिन्न रिक्त पदों पर नियुक्ति को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए रिम्स निदेशक डॉ कामेश्वर प्रसाद को शो कॉज नोटिस जारी किया था। आज इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई।

हाईकोर्ट ने जमकर लगायी फटकार

हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य के स्वास्थ सचिव सशरीर उपस्थित हुए थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने जमकर फटकार लगायी है। स्वास्थ्य सचिव अरुण कुमार सिंह से पूछा कि किस प्रावधान के तहत आपने आउटसोर्सिंग का सहारा लिया। रिम्स के निदेशक को काम नहीं करना, तो इस्तीफा दे दीजिए। हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए निदेशक को बदलने की भी सलाह दी है।

आईएएस अधिकारी के हाथ में सौपनी चाहिए रिम्स की जिम्मेदारी

झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस सुजित नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने विभिन्न मामलों की सुनवाई एक साथ की है। रिम्स की अव्यस्था को देखते हुए हाईकोर्ट ने यह भी सुझाव दिया है कि किसी आईएएस अधिकारी के हाथ में रिम्स की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। कोर्ट ने पिछली बार हुई सुनवाई में राज्य के स्वास्थ सचिव को सशरीर उपस्थित होने आदेश दिया था। 28 जनवरी 2022 को चार माह के अंदर सभी स्वीकृत और खाली पदों को भरने का आदेश दिया गया। चतुर्थ वर्ग के 467 विभिन्न पदों पर नियुक्ति के लिए जो विज्ञापन निकाला गया। उसमें झारखंड के नागरिकों, बाद में सुधार कर झारखंड के निवासियों से आवेदन क्यों मांगा गया।

यह किस कानून, नियम, परिनियम, सर्कुलर या सरकार के किस आदेश से इस तरह का आवेदन मांगा गया है। रिम्स में इलाज की लचर व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए झारखंड हाइकोर्ट ने उसे जनहित याचिका में तब्दील कर दिया था।

एटीएम मशीन का कैश बॉक्स ले गये अपराधी

दस लाख से ज्यादा की चोरी का अनुमान, खराब था सीसीटीवी कैमरा

धनबाद, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अपराधियों की हिम्मत इतनी बढ़ गयी है कि एटीएम मशीन का कैश बॉक्स उखाड़ कर ले गये। घटना धनबाद के जोड़ापोखर थाना क्षेत्र की है, जामाडोबा चौक के समीप बैंक ऑफ इंडिया की एटीएम मशीन का कैश बॉक्स अपराधी अपने साथ ले गए। घटना सोमवार के देर शाम की है. इस मशीन में शनिवार को ही ईपीएस कंपनी ने साढ़े दस लाख रुपए डाला था। इस चोरी को लेकर इलाके में दहशत का माहौल है। चोरी का खुलासा तब हुआ जब स्थानीय लोग एटीएम में पैसा निकालन पहुंचे। तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी. पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन कर रही है। अपराधियों ने कुल कितने की चोरी की है इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अपराधियों को एटीएम में प्रवेश करते किसी ने देखा या नहीं इसकी भी पूछताछ की जा रही है। एटीएम के कैश बॉक्स चोरी करने वाले चोर सीसीटीवी में कैद नहीं हुए क्योंकि लगभग 20 दिनों से सीसीटीवी कैमरा बेकार पड़ा है। चोरों को भी खराब सीसीटीवी कैमरे के संबंध में जानकारी होने की संभावना जाहिर की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद जोड़ापोखर थाना प्रभारी राजदेव सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास के इलाकों की सीसीटीवी की जांच का आदेश दिया है। एटीएम मशीन से कैश बॉक्स चोरी होने की खबर बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी को शाम को दे दी थी। बैंक प्रबंधक द्वारा एटीएम मशीन में पैसा डालने वाले एजेंसी के अधिकारी को मामले की जानकारी दी है। बैंक आफ इंडिया की एटीएम पुटकी रोड में है यह इलाका सुनसान है, बैंक के बाद जंगल शुरू हो जाता है। इस एटीएम की सुरक्षा में कर्मी तैनात नहीं रहते हैं। शटर भी आधा गिरा रहता है कम लोग ही इस एटीएम में पैसा निकालने पहुंचते हैं।

झारखंड में गिरने लगा है पारा, बढ़ रही है ठंड

सभी जिलों के तापमान में आ रही है गिरावट, बदल रहा है मौसम का मिजाज

रांची, 29 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड के कई जिलों में ठंड अब और बढ़ेगी। उत्तर की ओर से आ रही ठंडी हवाओं के कारण झारखंड में ठंड बढ़ी है। राज्य में लगातार ठंड में बढ़ोत्तरी हो रही है, पारा गिर रहा है। कई जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया है। राजधानी रांची में भी ठंड बढ़ने लगी है।

राजधानी रांची सहित कई जिलों में ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। लगभग सभी जिलों में ठंड बढ़ने लगी है। उत्तर पश्चिमी दिशा से आ रही ठंडी हवा ने मौसम का मिजाज बदला है।

राहुल की यात्रा तक गहलोत-पायलट में 'सियासी सीजफायर'

'गद्दार' विवाद के बाद पहली बार दोनों आमने-सामने होंगे; अकेले में की जाएगी बात

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच हाल ही गहराए विवाद में अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा तक 'सियासी-सीजफायर' के आसार बन गए हैं। हाईकमान की तरफ से यात्रा निकलने तक दोनों खेमों को कोई विवाद नहीं करने के संकेत मिले हैं। गहलोत के सचिन पायलट को गद्दार कहने से शुरू हुए विवाद को निपटाने के लिए बीच का रास्ता निकाला गया है, दोनों ही नेताओं को साधने का फॉर्मूला अपनाया गया है। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल राजस्थान के मामले को देख रहे हैं।

ताजा विवाद के बाद पहली बार संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल आज जयपुर आ रहे हैं। वेणुगोपाल 3:30 बजे कांग्रेस वॉर रूम में 35 बड़े नेताओं की 'भारत जोड़ो' यात्रा पर बनी कमेटी की बैठक लेंगे। इस कमेटी की बैठक में सीएम अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी शामिल होंगे। गद्दार वाले बयान के बाद दोनों नेता आज पहली बार आमने सामने होंगे। इस बैठक में आज गहलोत-पायलट की मौजूदगी या गैर मौजूदगी सियासी नरेटिव तय करेगी।

वेणुगोपाल को विवाद निपटाने का जिम्मा

वेणुगोपाल को भारत जोड़ो यात्रा तक राजस्थान पर फोकस करने का जिम्मा दिया है। राजस्थान विवाद को यात्रा तक शांत रखने का टास्क दिया गया है। यात्रा से जुड़ी कमेटी की बैठक लेने का मकसद भी यही बताया जा रहा है। कमेटी की बैठक के बाद वेणुगोपाल सीएम और सचिन पायलट से अलग अलग चर्चा कर सकते हैं। विवाद पर बात करने के अलावा यात्रा से जुड़े मैनेजमेंट पर भी वेणुगोपाल पॉइंट टू पॉइंट चर्चा करेंगे।

राहुल गांधी की झालावाड़ से लेकर अलवर जिलों में करीब 521 किलोमीटर की यात्रा का आज पॉइंट टू पॉइंट रूट प्लान फाइनल होने के आसार हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और मंत्रियों ने पूरे रूट का जायजा लिया है। यात्रा राजस्थान में 17 से 20 दिन रहने के आसार हैं। अजय माकन के प्रदेश प्रभारी के पद से इस्तीफे की पेशकश के बाद उन्होंने राजस्थान का काम बंद कर दिया है। माकन ने 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके पैरेलल बैठक करने के जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ एक्शन नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए 8 नवंबर को

इस्तीफे की पेशकश करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष को चिट्ठी लिखी थी।

उसके बाद से माकन ने राजस्थान प्रभारी का काम बंद कर रखा है। भारत जोड़ो यात्रा से पहले प्रभारी का जिम्मा फिलहाल किसी को नहीं दिया गया है। इसलिए अब प्रभारी की जगह केसी वेणुगोपाल को जिम्मा दिया गया है। अजय माकन खड़गे के अध्यक्ष बनने के बाद बनाई गई स्टीयरिंग कमेटी के मेंबर जरूर हैं लेकिन उन्होंने राजस्थान प्रभारी के तौर पर काम बंद कर रखा है।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बीच की तल्खी गत बुधवार को एक बार फिर जाहिर हुई थी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में आने वाली है। इसकी तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक में गहलोत और पायलट दूर-दूर बैठे दिखे।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता सचिन पायलट के बीच की तल्खी गत बुधवार को एक बार फिर जाहिर हुई थी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में आने वाली है। इसकी तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक में गहलोत और पायलट दूर-दूर बैठे दिखे।

बैठक में दिखी खींचतान

भारत जोड़ो यात्रा की 23 नवंबर को कांग्रेस वॉर रूम में हुई बैठक में गहलोत और पायलट के बीच तल्खियां साफ दिखी थीं। दोनों के एक एक दूसरे को घूरते हुए वीडियो खूब चर्चित हुआ था। इस बैठक में गहलोत के आने के आधे घंटे बाद ही सचिन पायलट जल्दी निकल गए थे। इस बैठक में आने से ठीक एक दिन पहले गहलोत पाली में इंटरव्यू देकर आए थे, जिसमें पायलट को गद्दार कहा था। इस बैठक के अगले दिन ही इंटरव्यू प्रसारित हुआ जिस पर अब तक विवाद जारी है।

पहली बार आमना-सामना

आज की बैठक में गहलोत और पायलट दोनों की बॉडी लैंग्वेज और जेस्चर पर सबकी निगाह रहेगी। 23 नवंबर की बैठक से आज हालात बदले हुए हैं। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल बैठक में रहेंगे, इसलिए पिछली बैठक से हालात और माहौल बदला हुआ है। गद्दार कहने के बाद पहली बार गहलोत का पायलट से आमना सामना होगा, तो दोनों की भाव भंगिमाएं क्या होती हैं, इस पर सबकी निगाहें रहेंगी। आज की बैठक को इस मायने में काफी अहम माना जा रहा है।

राजस्थान में यात्रा की एंट्री से ठीक पहले 4 दिसंबर को बैठक

राहुल गांधी की यात्रा के राजस्थान में एंट्री से ठीक पहले 4 दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में स्टीयरिंग कमेटी की बैठक रखी गई है। इस बैठक में पार्टी संगठन से जुड़े लंबित मुद्दों पर चर्चा होगी।

इस बैठक में संगठन की पेंडिंग नियुक्तियों और विवादों को निपटाने पर चर्चा होगी। स्टीयरिंग कमेटी की बैठक में राजस्थान करो लेकर भी चर्चा होने के आसार हैं। राजस्थान प्रभारी के पद से माकन के इस्तीफे की पेशकश के मुद्दे से लेकर गहलोत पायलट विवाद के समाधान पर चर्चा होने के आसार हैं। इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है।

राहुल फॉमूले पर ही राजस्थान का हल

राजस्थान विवाद का हल राहुल गांधी फॉमूले पर ही निकाले जाने के संकेत हैं। अशोक गहलोत और सचिन पायलट को साथ रखने का मैसेज देने के लिए राहुल गांधी की यात्रा का इस्तेमाल होगा। राहुल गांधी ने खुद एक दिन पहले कहा है कि दोनों ही नेता पार्टी के लिए एसेट हैं, इसका मतलब यही निकाला जा रहा है कि सुलह के अलावा कोई फॉर्मूला नहीं हैं।

राहुल गांधी की यात्रा राजस्थान में आएगी तब गहलोत और पायलट अगवानी से लेकर लगभग हर बड़े प्रोग्राम में साथ रहेंगे। यात्रा के मंचों पर दोनों करो साथ रखकर सुलह और एकता का मैसेज दिया जाएगा। राहुल गांधी ने पिछले विधानसभा चुनावों से पहले भी अनुभव और युवा जोश को साथ लेकर चलने की घोषणा की थी। फिर से वही फॉर्मूला अपनाया जाएगा।

मंत्री बोलीं-25 सांसद 4 साल से मूक-बधिर बनकर बैठे हैं

ममता भूपेश ने कहा- केंद्र सरकार राजस्थान के साथ भेदभाव कर रही

दौसा, 29 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा की जन आक्रोश यात्रा पर निशाना साधते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री ममता भूपेश ने तंज भरे लहजे में कहा कि हम उनकी यात्रा का समर्थन करते हैं, लेकिन वो आक्रोश रैली इसलिए निकालें कि देश में महंगाई बढ़ रही है। बेरोजगारी के खिलाफ, झूठे वादे करने वाले प्रधानमंत्री के खिलाफ जिन्होंने युवाओं को रोजगार देने का वादा कर नौजवानों को धोखा दिया, नोटबंदी के खिलाफ आक्रोश यात्रा निकाले, जिससे देश की जनता ने परेशानी झेली है। सिकराय विधानसभा क्षेत्र के जौण गांव में एक निजी कार्यक्रम पहुंची मंत्री ममता भूपेश ने कहा प्रधानमंत्री ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को नेशनल प्रोजेक्ट घोषित करने का सार्वजनिक सभा में ऐलान किया था। इसके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी आक्रोश रैली निकालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के 25 सांसद चार साल से मूक-बधिर बनकर बैठे हैं, लेकिन प्रदेश की आवाज नहीं उठा पा रहे हैं। केंद्र सरकार राजस्थान के लिए कोई नई घोषणा भी नहीं कर रही है।

मंत्री ने कहा पिछले दिनों बांसवाड़ा आए प्रधानमंत्री को मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करना चाहिए था। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने भी प्रधानमंत्री से मांग की थी। लेकिन उन्होंने इसे अनसुना कर आदिवासी समाज को नजरअंदाज कर दिया। इसका सबसे बड़ा कारण है राजस्थान में भाजपा की नहीं कांग्रेस की सरकार है।

मंत्री ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर कहा कि पूरे जिले के कार्यकर्ता यात्रा के स्वागत सत्कार की तैयारियों में जुटे हुए हैं। यात्रा का उद्देश्य है कि देश में साम्प्रदायिक माहौल के खिलाफ, देश में युवाओं को रोजगार नहीं मिलने के खिलाफ राहुल गांधी रैली निकाल रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा आने से पहले कांग्रेस की अंदरूनी उठा-पटक के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार में कुछ नहीं चल रहा, हम सब एक हैं। इस वक्त सभी लोग यात्रा का राजस्थान में भव्यता के साथ स्वागत करने को पलक पावडे.बिछाए हुए हैं। उन्होंने कहा फसलों की सिंचाई के लिए किसानों को महीने में 15 दिन रात को थ्री फेज बिजली सप्लाई को लेकर कहा की सरकार आगामी कुछ दिनों में बिजली की रात

राजस्थान के 12 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

प्रदेश में ठंड बढ़ी, पिलानी में सीजन की सबसे सर्द रात; माउंटआबू में जम रही बर्फ

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सर्द मौसम में उतार-चढ़ाव के बीच ठंड फिर बढ़ने लगी है। शेखावाटी के जिलों में न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट रही है। प्रदेश के करीब 12 शहरों में रात का पारा 10 डिग्री से नीचे लुढ़क गया। हालांकि मौसम एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगले 4-5 दिन मौसम में खास बदलाव के आसार नहीं हैं।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान समेत उत्तर भारत में जब तक कोई नया वेदर सिस्टम(वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) एक्टिव नहीं होता, तब तक दिन में तेज धूप रहेगी और सुबह-शाम तेज सर्दी। मौसम ऐसे ही बना रहेगा। ऐसे में प्रदेश के कुछ शहरों में तापमान में बढ़ोतरी भी देखी गई है। प्रदेश में आज के मौसम का हाल देखें तो भीलवाड़ा, अलवर, पिलानी, सीकर, कोटा, चूरू, चित्तौड़गढ़ जैसे शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा है। चूरू में तो सोमवार रात का तापमान 1 डिग्री सेल्सियस गिरकर 5.2 पर दर्ज हुआ।

इन एरिया में बीते कुछ दिनों से उत्तरी हवाओं का असर ज्यादा बना हुआ है, जिसके कारण शेखावाटी एरिया में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। हालांकि सूरज निकलने के बाद दिन का तापमान बढ़कर 28 से 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

शेखावाटी के कई शहरों में सिंगल डिजिट में पहुंचा रात का पारा

चूरू के अलावा शेखावाटी में सीकर और झुंझुनूं में भी तापमान में गिरावट हुई। झुंझुनूं के पिलानी में पारा 1.8 डिग्री सेल्सियस गिरकर 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह पिलानी में इस सीजन की अब तक की सबसे सर्द रात रही। इससे पहले पिलानी में 25 नवंबर को 8.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ था।

इसी तरह सीकर में भी न्यूनतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस गिरकर 8.5 डिग्री पर दर्ज हुआ। इन शहरों के अलावा हनुमानगढ़, करौली, बारां और नागौर में भी आज न्यूनतम तापमान सिंगल डिजिट में दर्ज किया गया है।

माउंटआबू में पारा 3 दिन से 2 डिग्री पर

हिल स्टेशन माउंट आबू में लगातार चार दिनों से शहर की वादियों में बर्फ जम रही है। 3 दिन से न्यूनतम पारा 2 डिग्री सेल्सियस पर स्थिर है। अधिकतम तापमान में 0.3 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर में खुले इलाकों, मैदानों, घरों की छतों, वाहनों पर बर्फ की परत जमने लगी है।

फ्री यूनिफॉर्म पर गहलोत बोले- 200 में सिलाई संभव नहीं

कहा- पेरेंट्स और टीचर करें मदद, अगले साल सिलाए हुए कपड़े देंगे

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी स्कूल के बच्चों को फ्री यूनिफॉर्म और बाल गोपाल योजना की आज सीएम गहलोत ने शुरुआत कर दी है। इस दौरान गहलोत ने ये भी कह दिया कि 200 रुपए से स्कूल ड्रेस की सिलाई संभव नहीं है। पेरेंट्स को बोल रहा हूं। कुछ खर्चा आप लोग भी करो। जिससे की स्टूडेंट्स की स्कूल यूनिफॉर्म सिलवाए। कुछ लोग घर में भी ड्रेस सिल सकते हैं। टीचर से भी कहूंगा कि वह इस में अपनी भूमिका निभाई और अपने जिलों के टेलर्स को कन्वेंस कर कम से कम रेट में स्टूडेंट्स की यूनिफॉर्म सिलवाने की कोशिश करें।

राजस्थान के 68 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स को फ्री स्कूल ड्रेस और दूध दिया जाएगा। मुख्यमंत्री निवास पर वर्चुअल कार्यक्रम में सीएम गहलोत ने 6 स्टूडेंट्स को स्कूल ड्रेस देकर योजना की शुरुआत की।

200 रुपए में सिलाई संभव नहीं

गहलोत ने कहा- हम 2 जोड़ी यूनिफॉर्म की सिलाई के लिए 200 रुपए भी दे रहे हैं। 200 रुपए में स्कूल ड्रेस की सिलाई संभव नहीं है। इस दौरान गहलोत ने सीनियर IAS अधिकारी अखिल अरोड़ा को कहा- मैं यह बात तुम्हें नहीं कह रहा हूं। मैं यह पेरेंट्स को बोल रहा हूं। कुछ खर्चा आप लोग भी करो। स्टूडेंट्स की स्कूल यूनिफॉर्म सिलवाए। कुछ लोग घर में भी ड्रेस सिल सकते हैं। फिर भी मैं टीचर से भी कहूंगा कि वह इस में अपनी भूमिका निभाएं। अपने जिलों के टेलर्स को कन्वेंस कर कम से कम रेट में स्टूडेंट्स की यूनिफॉर्म सिलवाने की कोशिश करें।

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा- अगले शैक्षणिक सत्र तक हम कोशिश करेंगे कि स्टूडेंट्स को सप्ताह में 3 से 6 दिन तक दूध दिया जाए। क्योंकि दूध पूर्ण आहार की श्रेणी में आता है। इसलिए हम फाइनेंशियल मैनेजमेंट कर बच्चों को हर दिन दूध देने की कोशिश करेंगे। गहलोत ने कहा- हमने इस बार भी स्टूडेंट्स को रेडिमेड यूनिफॉर्म देने की सोची थी। स्टूडेंट्स के साइज को लेकर हमारे पास कोई डेटा नहीं था। इसलिए इस बार यूनिफॉर्म का कपड़ा दिया गया। अगली बार हम कोशिश करेंगे कि बच्चों को सिली हुई यूनिफॉर्म दी जाए। इसके लिए हर साइज में यूनिफॉर्म सिलवाए जाएगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कोरोना खत्म होने के बावजूद पोस्ट कोविड की समस्या अब तक लोगों को परेशान कर रही है। युवा नौजवानों को हार्ट अटैक आ रहे हैं। इससे लोग समझ रहे हैं कि उन्हें दिल की बीमारी थी। लेकिन ऐसा नहीं है। पोस्ट कोविड की वजह से ऐसा हो रहा है। मेरे भी दिल की कोई बीमारी नहीं थी। मैं दो बार कोरोना संक्रमित हुआ। उसकी वजह से मेरे हार्ट में स्टेंट लगा है। मैं आप सभी लोगों से अपील करना चाहूंगा कि आप लोग भी अपना ध्यान रखें। पोस्ट कोविड की वजह से थकान जल्दी आती है। किसी को किडनी, हार्ट और लंग्स में प्रॉब्लम आती है। डॉक्टर्स के अनुसार कैसी भी बीमारी की शुरुआत हो सकती है। इसलिए लगातार मेडिकल चेकअप करवाएं और खुद का ध्यान रखें।

शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के 71,363 सरकारी स्कूलों के कक्षा 1 से 8 तक पढ़ने वाले 68 लाख से ज्यादा बच्चों को फ्री स्कूल यूनिफॉर्म फैब्रिक के दो सेट उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके साथ ही यूनिफॉर्म सिलवाने के लिए प्रत्येक स्टूडेंट के खाते में 200 रुपए का भुगतान किया जाएगा। जिन बच्चों का खाता नहीं होगा, उनके परिवार के खाते में रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद आयुक्त मोहन लाल यादव ने बताया की प्रदेशभर में जिला और ब्लॉक स्तर पर फेब्रिक पहुंच चुका है। जिसे आज से ही स्टूडेंट्स को वितरित करने का काम शुरू कर दिया जाएगा। इस पूरी योजना में अनुमानित 500 करोड़ रूपए की लगाई आएगी।

फ्री यूनिफॉर्म योजना को लागू करने के लिए ब्लाक स्तर के पीईईओ (ग्रामीण इलाकों में पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) और यूसीईईओ (शहरी संकुल प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) के जरिए स्कूलों में यूनिफॉर्म के फैब्रिक वितरित किए जाएंगे। हालांकि यह फैब्रिक सिर्फ उन ही बच्चों को दिए जाएंगे। जिन्होंने कक्षा 1 से 8 तक में 30 अगस्त 2022 तक एडमिशन ले लिए है।

गजेंद्र सिंह बोले- मोदी का चेहरा ही काफी है

जन आक्रोश यात्रा के पोस्टर पर नहीं है शेखावत का फोटो

जोधपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 1 दिसंबर से बीजेपी जन आक्रोश यात्रा निकालने जा रही है। इस यात्रा का पोस्टर चर्चा में है। पहले पोस्टर पर प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की फोटो थी। बाद में आनन-फानन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया और नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया की फोटो जोड़े गए। पोस्टर को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से पूछा गया कि इसमें आपका फोटो नहीं है, तब उन्होंने कहा कि मोदी का चेहरा ही काफी है।

जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जन आक्रोश यात्रा के पोस्टर पर उनके फोटो नहीं होने के सवाल पर सोमवार को जवाब दिया। सोमवार को शेखावत जोधपुर दौरे पर रहे। सर्किट हाउस में जन आक्रोश यात्रा को लेकर की गई प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने जवाब दिया। शेखावत ने कहा- मुझे लगता है कि मैंने कभी फोटो की राजनीति नहीं की है। कभी कल्पना नहीं की, इच्छा नहीं की और अपेक्षा भी नहीं की। बीजेपी के पास मोदी का चेहरा है। मोदी का एक फोटो हिंदुस्तान के सारे फोटो पर भारी है। नरेंद्र मोदी हमारे नेता हैं, उनका फोटो है तो पर्याप्त है, बाकी हम सब तो कार्यकर्ता हैं। राजस्थान के 1 करोड़ और देश के 22 करोड़ भाजपा कार्यकर्ताओं के फोटो मोदी जी के ही चेहरे में समाहित हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर शेखावत ने कहा- भारत जोड़ो यात्रा को लेकर हाईप क्रिएट किया जा रहा है। राजस्थान में यह यात्रा पहुंचने वाली है। यात्रा के मुख्य आकर्षण राहुल गांधी अगर राजस्थान में आने से पहले जो किसान कर्ज माफी का वादा किया था, राजस्थान के युवा से बेरोजगारी हटाने और बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, माताओं बहनों को जो सुरक्षा देने का वादा किया था, उसका उत्तर लेकर आएंगे तो स्वागत करेंगे। वरना सरकारी कारिंदों और पार्टी के दम पर यात्रा को भव्य तो बनाया जा सकता है लेकिन सफल नहीं। शेखावत ने यह भी कहा कि राजस्थान में मंदिर में पुजारी से लेकर घर में बैठी नारी सुरक्षित नहीं है। लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति खराब है।

जयपुर हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर अधिकारियों पर भड़कीं

चेतावनी दी- तुम्हारी गाड़ियां छीन लूंगी, सफाई नहीं हुई तो दूसरी जगह भिजवा दूंगी

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर हेरिटेज में बिगड़ी सफाई व्यवस्था और कर्मचारियों की लापरवाही पर मेयर मुनेश गुर्जर ने अफसरों को जमकर फटकार लगाई है। मेयर की ये फटकार कैमरे में कैद हो गई। सफाई नहीं होने से नाराज मेयर ने कहा कि यही हालात रहे तो मैं तुम सबकी गाड़ियां छीन लूंगी। यही नहीं एक अधिकारी को तो इतना कह दिया कि अगर तुमने अपने काम में सुधार नहीं किया तो कहीं और भिजवा दूंगी।

आज अपने निजी निवास पर एक बैठक के दौरान मेयर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक (सीएसआई) संग बैठक कर रही है। इस बैठक में वह दिल्ली बाइपास और हवामहल, आदर्श नगर एरिया में सफाई नहीं होने पर खासी नाराज नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि इतने कर्मचारी होने के बाद भी ये हालात बिगड़ रहे है। इस वीडियो में मेयर सफाई कर्मचारियों की गैरअनुपस्थिति को लेकर खासी नाराज दिखी। उन्होंने कहा कि इतने कर्मचारी है उसके बाद भी वे दिखते कहीं नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दिल्ली रोड पर मुझे सफाई नहीं दिखी तो मैं आदर्श नगर और हवामहल के सभी सीएसआई की गाड़ियां छीन लूंगी।

आतंकी साजिश के लिए विदेशों से राजस्थान आया पैसा

जयपुर से पकड़े गैंगस्टर ने एनआईए को बताया, 100 ठिकानों पर रेड

जयपुर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की टीमों ने पांच से ज्यादा जिलों में रेड की है। टेरर फंडिंग मामले में देर रात से सर्च की जा रही है। राजस्थान के साथ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और मध्यप्रदेश में 100 से ज्यादा ठिकानों पर टीमों ने दबिश दी है। सूत्रों के अनुसार जयपुर से पकड़े गए पंजाब के गैंगस्टर से मिली सूचना पर एनआईए एक्शन में है।

जानकारी के अनुसार एनआईए की टीमें राजस्थान में 20 से ज्यादा जगहों पर सर्च कर रही हैं। यह छापेमारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, नीरज बवाना, टिल्लू ताजपुरिया से जेलों में हुई पूछताछ के बाद की जा रही है। एनआईए से जुड़े सूत्रों के अनुसार कई बदमाश इन गैंगस्टर के लिए काम कर रहे हैं। जिस पर बदमाशों के संभावित ठिकानों पर एनआईए की टीम सर्च कर रही हैं। राजस्थान में एनआईए की टीम हनुमानगढ़, सीकर, नागौर, चूरू, अजमेर, बाड़मेर और जैसलमेर के इलाकों में सर्च कर रही हैं। एजेंसी को जानकारी मिली है कि सभी गैंगस्टर के तार विदेश से भी जुड़े हैं। भारत में लॉरेंस बिश्नोई और बवाना गैंग के नाम पर टेरर फंडिंग को इस छापेमारी की बड़ी वजह बताया जा रहा है। इससे पहले भी एनआईए की टीम ने करीब एक महीने पहले देशभर में रेड करते हुए 102 जगहों पर सर्च किया था। इस दौरान एजेंसी को कई संदिग्ध चीजें मिली थीं। जिस के आधार पर लॉरेंस और नीरज से दोबारा पूछताछ हुई। पंजाब पुलिस ने कुछ दिन पहले शूटर राज हुड्डा को जयपुर में पकड़ा था। उससे भी पंजाब पुलिस को कई लीड मिली हैं। जानकारी के अनुसार हुड्डा का पहले भी राजस्थान में मूवमेंट रहा है। उसके पीछे मादक पदार्थों की सप्लाई सामने आ रही है।

राज हुड्डा ऐप की मदद से गोल्डी बराड़ से कई बार बात कर चुका है। गोल्डी के कहने पर वह कई राज्यों में मूवमेंट करता। लोकल बदमाशों को अपने साथ लेने पर काम किया करता था। राज हुड्डा इतना शातिर बदमाश है कि वह गोल्डी बराड़ से बात करने के बाद ऐप को डिलीट कर देता है।

पूर्व मंत्री देवीसिंह के तीखे तेवर:आरएलपी के साथ नजर आए भाटी ने कहा

भाजपा कार्यकर्ताओं को सिर्फ वोट बैंक समझती है, आंख दिखाने की जरूरत

बीकानेर, 29 नवंबर (एजेंसियां)। कभी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में मंत्री रहे बीकानेर के कद्दावर नेता देवी सिंह भाटी ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी को कड़ी चेतावनी दी है कि समय रहते सुधर जायें अन्यथा बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। सरदारशहर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी आएलपी के कार्यकर्ताओं के साथ भाटी का एक फोटो नए राजनीतिक घटनाक्रम की ओर इशारा कर रहा है।

भाटी ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को सिर्फ वोट बैंक समझती है, कार्यकर्ताओं को भी पिच्छलगू नहीं बनना चाहिए। समय आने पर आंख भी दिखानी चाहिए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया का नाम लिए बगैर भाटी कहा कि जिन नेताओं के हाथ में पार्टी की कमान है, वो कभी जमीनी नेता नहीं रहे। आज कार्यकर्ता अगर संकट में आए जाए तो जयपुर का नेता उसको पुचकारता नहीं है, उस पर हाथ नहीं फेरता है। अगर राज में भी ये ही नेता आ जाएंगे तो उनके निकट ही नहीं जा सकेंगे। आज जिसके पास कुर्सी नहीं है, वो जनता के बीच नहीं जाता। फिर राज में तो कार्यकर्ता को देखेंगे ही नहीं। पानी का संकट हुआ, कानून का संकट हुआ लेकिन ये नहीं आए। ऐसे नेता राज में आ गए तो और मारेंगे। इसलिए कार्यकर्ताओं को ऐसे नेताओं को थोड़ी आंख दिखानी चाहिए। सरदारशहर में आरएलपी का समर्थन करना है अथवा नहीं करना है? इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है। कल जाकर आया था, वापस जाऊंगा। अगर लगेगा कि आरएलपी का साथ देना चाहिए तो देंगे। हम चाहते हैं कि सरदारशहर में ऐसा कुछ करें कि अलग स्थिति बनें और कार्यकर्ता की इज्जत हो।हमेशा एक जगह से शुरूआत होती है। फिर आगे मामला बढ़ता

पित्ती ट्रस्ट द्वारा किये जा रहे सभी प्रकार के सेवा कार्य सराहनीय : इंद्रकरण रेड्डी

पित्ती ट्रस्ट द्वारा छात्रवृत्ति के चेक का वितरण

हैदराबाद, 28 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा मेधावी छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति के चेक का वितरण नामपल्ली रोड स्थित रेड रोज गार्डन (पब्लिक गार्डन के सामने) में किया गया। आज यहाँ बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के अक्षय पित्ती द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रस्ट द्वारा मेधावी छात्र को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कई वर्षों से छात्रवृत्ति का वितरण किया जाता है। कार्यक्रम में धर्मस्व मंत्री ए.इंद्रकरण रेड्डी ने बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया तथा बच्चों में छात्रवृत्ति के चेक का वितरण किया। उन्होंने अपने संबोधन में बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा किये जा रहे सभी प्रकार के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अन्य संस्थाओं को भी बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के नक्शे कदम पर चलकर भिन्न-भिन्न प्रकार के सेवा कार्य करने चाहिए। इससे समाज का विकास संभव हो पाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पित्ती ट्रस्ट के सीएमडी शरद बी.पित्ती ने की। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि बद्रीविशाल पन्नालाल पिट्टी ट्रस्ट और हमारे सहयोगी अग्रवाल सेवा दल विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहा है। सेवाओं में से एक "विधवा सहायता" है, यानी विधवाओं को सहायता और इसके तहत हम 80 विधवाओं को हर महीने 750 रुपये दे रहे हैं, जो हर साल 7 लाख रुपये से अधिक है। एक अन्य सेवा गतिविधि "अनाथालय और वृद्धाश्रम" है। हमने अब तक सैकड़ों चिकित्सा शिविर आयोजित किए हैं जिनमें 60,000 से अधिक लोग आए हैं और हजारों चश्मे मुफ्त में वितरित किए गए हैं। एक हजार से अधिक लोगों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए जा चुके हैं। इस प्रकार बदरीविशाल पन्नालाल पिट्टी ट्रस्ट हमारी विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से हर साल 2.5 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रहा है। यह कोविड टीकाकरण और खाद्यान्न वितरण से अलग है जिसका मैंने पहले उल्लेख किया है। यह उल्लेख करना शायद महत्वपूर्ण है कि पूरी राशि पिट्टी परिवार द्वारा योगदान की जाती है और कोई बाहरी दान नहीं लिया जाता है। साथियों, हम समाज से बहुत कुछ लेते हैं और मेरा दृढ़ विश्वास है कि समाज को कुछ वापस देना और वंचितों और जरूरतमंदों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। यही विश्वास है, जो हमें अपनी सर्वोत्तम क्षमताओं के अनुसार सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रेरित और प्रेरित करता है।

कार्यक्रम में अक्षय पित्ती, लक्ष्मीनिवास शर्मा, जी. विजय कुमार भी मंचासीन रहे। इनके अलावा कार्यक्रम के सफल आयोजन में अग्रवाल सेवा दल के रतन गुप्ता, अजीत गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, संजय पंसारी, सुरेंद्र अग्रवाल, सुधीश गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल, कैलाश केडिया, गोपाल सिंह, घनश्याम यादव, वरुण अग्रवाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

नांदेड में लव जिहाद के विरोध में विशाल मोर्चा

नांदेड, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विगत सप्ताह श्रद्धा नामक युवती की दिल्ली में दर्दनाक हत्या करने के बाद हत्या के सबूत मिटाने के लिए अमानवीय तरीके से उसके शव के 35 टुकड़े किये जाने का मामला उजागर होने के साथ ही देशभर में इस कांड को लेकर आक्रोश व्याप्त हुआ। उसी के मद्देनजर आज नांदेड में हिंदुत्ववादी संगठनों ने जिलाधिकारी कार्यालय तक आक्रोश मोर्चा निकालकर लव जिहाद को लेकर कड़े कानून बनाये जाने के साथ ही श्रद्धा के हत्यारे आफताब को फांसी दिये जाने की मांग करते हुए ज्ञापन दिया। नांदेड के भोजालाल गवली चौक से लव जिहाद के विरोध में निकाले गए विशाल मोर्चे में हजारों की संख्या में महिला व पुरुष शामिल थे। दोपहर 12 बजे मोर्चा प्रारम्भ हुआ। महात्मा गांधी मार्ग, वजीराबाद, शिवाजी प्रतिमा मार्ग से मोर्चा 2 बजे जिलाधिकारी कार्यलय पहुंचा। जिलाधिकारी कार्यालय के सामने मोर्चे में उपस्थित मान्यवरों ने लव जिहाद का पुरजोर विरोध करते हुए कड़ा कानून बनाये जाने की व श्रद्धा के कातिल को फांसी देने की मांग की। हिंदूवादी संगठन की महिला मण्डल की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया।

विधायक टी. राजासिंह के निर्देशानुसार जामबाग क्षेत्र के पार्षद राकेश जायसवाल ने कल्याणलक्ष्मी तथा शादी मुबारक के लगभग 50 लाभार्थियों में चेक वितरित किया। उपस्थित हैं अनिल, रामकृष्णा, राजू व अन्य।

प्रगति महाविद्यालय में एनसीसी दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित 4/1 कम्पनी, 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी, प्रगति महाविद्यालय में आज 75वां एनसीसी दिवस भव्यता से मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में प्रगति महाविद्यालय के करेस्पोंडेंट गोपाल पटेल, अतिथि के रूप में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य मेजर डॉ. टीवी राव, समाज के कोषाध्यक्ष अंबालाल पटेल, डॉ. वाईकेएम नायुडू, प्राचार्या डॉ. ए. माधवीलता, एनसीसी आधिकारी कैप्टन डॉ. टीपी सिंह, समाज के कमेटी सदस्य श्रीमती भारती बेन पटेल, उदय मेहता, हरिलाल, प्राध्यापकगण एवं भारी संख्या में एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इस अवसर पर गोपाल पटेल ने सभी को एनसीसी दिवस की शुभकामना दीं और कहा कि एनसीसी कैडेट्स हमेशा सामाजिक कार्यक्रमों में आगे रहते हैं। प्राचार्या डॉ. ए. माधवीलता ने उपस्थित सभी को एनसीसी दिवस की शुभकामना दी और कैडेट्स के उज्वल भविष्य की कामना की। अतिथि के रूप में पधारे मेजर डॉ. टीवी राव ने कैडेट्स को एनसीसी दिवस के अवसर पर एनसीसी की महत्ता को लेकर कहा कि एनसीसी द्वारा एकता और अनुशासन ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीयता के प्रति हमारे कर्तव्य जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि एनसीसी हमें जीने की राह बताता है और एक अच्छे नागरिक बनने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आज के संदर्भ में राष्ट्रीय स्तर पर एनसीसी का क्या योगदान है, इसकी जानकारी दी। इस अवसर पर सरकारी महाविद्यालय खैरताबाद एवं सरदार पटेल कॉलेज की एनसीसी आधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. पी. विजया, लेफ्टिनेंट बी. ज्योत्सना भी उपस्थित थी। इस कार्यक्रम में एनसीसी आधिकारी कैप्टन डॉ. टीपी सिंह ने एनसीसी दिवस के महत्व को बताते हुए वर्ष 2022-23 की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण राजगोपालन, अमित सिंह, रमेश, विष्णुवर्धन, राजकिरन, सुमलता व अन्य ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सार्जेंट अंजली शर्मा ने किया। इस अवसर पर कैडेट्स द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया और अंत में कैडेट्स को सम्मानित किया गया।

जन विज्ञान समिति द्वारा जिला स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन विज्ञान समिति द्वारा आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिता परीक्षाओं में संगारेड्डी जिला केशव रेड्डी कंदी पाठशाला के विद्यार्थी सीएच महालक्ष्मी, सीएच.हर्षित रेड्डी और के. लोकेश उत्तम प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। इन विद्यार्थियों को, संगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमान राजर्षि शाह ने मेमोंटो प्रदान किया है। इस अवसर पर राजर्षि शाह विद्यार्थियों को अभिनंदन करते हुए कहा है कि विद्यार्थी दशा में विज्ञान के प्रति सूक्ष्म दृष्टि रखकर आगे चलें तो, वे भविष्य के अच्छे वैज्ञानिक बन सकते हैं। विज्ञान मानव विकास का एकमात्र आधार है। इसलिए विद्यार्थी नवसृजन करने का प्रयत्न करें। विजेता विद्यार्थियों को पाठशाला की प्राचार्या श्रीमती माधवी और पाठशाला के संस्थापक एन. केशव रेड्डी विद्यार्थियों को बधाई दी हैं।

टीएसपीएससी ने भूजल विभाग में 57 पदों के लिए अधिसूचना जारी की

29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने मंगलवार को भूजल विभाग में 57 रिक्त पदों पर सामान्य भर्ती के लिए एक अधिसूचना जारी की। कुल में से 32 राजपत्रित रिक्तियां हैं और 25 अराजपत्रित हैं।

आयोग ने उम्मीदवारों को आगे विस्तृत अधिसूचना के लिए इसकी वेबसाइट https://www.tspsc.gov.in/ पर जाने की सलाह दी।

अमेरिकी महावाणिज्य दूत ने एआईएस, सीसीएस एमईएस अधिकारियों को संबोधित किया

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महावाणिज्य दूत जेनिफर लार्सन, अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, हैदराबाद ने डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सिविल सेवाओं और सैन्य अभियंता सेवा अधिकारियों को संबोधित किया और उनकी प्रस्तुति का विषय "संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति, साथ में भारत के लिए विशेष संदर्भ रहा। सुश्री जेनिफर लार्सन ने कहा कि डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में अधिकारी प्रशिक्षु भारत की सिविल सेवा का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए, मुझे अमेरिका-भारत साझेदारी के भविष्य के बारे में उनके साथ बात करके खुशी हुई, जो एक मुक्त और खुले भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता पर बनी है। बेनहुर महेश दत्त एक्का, महानिदेशक, डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव ने इस अवसर पर सुश्री जेनिफर लार्सन को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कमल पासी, एमईएस-आईडीएसए ने जेनिफर लार्सन का स्वागत किया और दर्शकों से उनका परिचय कराया। द्युति किशन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राज्य में 426 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ग्रेड II पर्यवेक्षकों के रूप में पदोन्नत किया गया

आदिलाबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 2021 में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन में वृद्धि करने वाली राज्य सरकार ने एक और पहल करते हुए पात्र श्रमिकों को ग्रेड II पर्यवेक्षकों के रूप में पदोन्नत करके आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लंबे समय से लंबित सपने को पूरा किया है। उनकी सेवाओं को स्वीकार करते हुए, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर रावने 2021 में श्रमिकों के मासिक वेतन को 10,500 रुपये से बढ़ाकर 13,650 रुपये कर दिया था। उन्होंने वादा किया कि मौजूदा रिक्तियों में कुछ श्रमिकों को ग्रेड II पर्यवेक्षकों के रूप में पदोन्नत करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। कर्मचारी 2014 से पदोन्नति की मांग कर रहे थे। तदनुसार, राज्य भर में 426आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओंको पर्यवेक्षकों के रूप में पदोन्नत किया गया। तत्कालीन आदिलाबाद जिले के कुल 68 श्रमिकों को पर्यवेक्षकों के रूप में पदोन्नत किया गया था, जबकि मनचेरियल के 17 श्रमिकों को पदोन्नति मिली है। आदिलाबाद और निर्मल जिले से क्रमशः 12 और 15 कार्यकर्ताओं को पदोन्नति दी गई। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के 15 कार्यकर्ताओं को भी ईमेल के माध्यम से नियुक्ति के आदेश प्राप्त हुए और उन्होंने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। 2021 में महिला विकास एवं बाल कल्याण (डब्ल्यूडीसीडब्ल्यू) विभाग ने भर्ती की प्रक्रिया अपने हाथ में ली, जो काफी समय तक विवादों में रही। इसने पदोन्नति के माध्यम से भरी जाने वाली रिक्तियों की सूची अधिसूचित की। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, समन्वयक और मध्य स्तर के प्रशिक्षण केन्द्रों में काम करने वाले पदोन्नति पाने के पात्र थे। आवेदकों को दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए और 10 वर्ष की सेवा करनी चाहिए और 50 वर्ष से कम आयु का होना चाहिए। 2021 में पर्यवेक्षकों का चयन करने के लिए एक लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। लेकिन, कुछ उम्मीदवारों ने भर्ती की प्रक्रिया में हस्तक्षेप की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने परीक्षा के प्रश्नों की कठिनता और जेएनटीयू द्वारा परीक्षा आयोजित करने पर आपत्ति जताई। डब्ल्यूडीसीडब्ल्यू आयुक्त दिव्या देवराजन ने सरकार की ओर से अदालत में प्रतिष्ठित और मुखर संस्करणों के रूप में मामला उठाया।

धान उपार्जन में तेजी लाने के लिये कदम उठाएं अधिकारी : कलेक्टर

मनचेरियल, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर भारती होलिकेरी ने संबंधित अधिकारियों को धान की उपज की खरीद की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिरिक्त कलेक्टर डी मधुसूदन नाइक के साथ मंगलवार को यहां राजस्व, नागरिक आपूर्ति और चावल मिल मालिकों के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई। भारती ने आगाह किया कि अनाज की खरीद में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उपज की सुचारू खरीद के लिए विस्तृत व्यवस्था करें। उसने उन्हें पर्याप्त ट्रक, लोडिंग स्टाफ सुनिश्चित करने और प्रक्रिया की निगरानी करने के लिए कहा। उन्होंने उन्हें अपनी उपज को खरीद केंद्रों में स्थानांतरित करने के लिए उत्पादकों के बीच जागरूकता पैदा करने का निर्देश दिया। कलेक्टर ने आगे कहा कि हाल ही में समाप्त वनकलम सीजन में धान की फसल 2.90 लाख एकड़ में उगाई गई थी. उन्होंने कहा कि धान खरीदी के लिए जिले में 229 केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि ए ग्रेड के अनाज के लिए 2060 रुपये प्रति क्विंटल भुगतान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 72.50 लाख की आवश्यकता के मुकाबले 32 लाख बारदाना तैयार किया गया।

भारती ने किसानों को नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा बनाए गए कंट्रोल रूम 63039 28682 पर सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक अपनी शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द विक्रेताओं के खातों में राशि जमा करा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्पादकों को 61 लाख रुपये का भुगतान पहले ही किया जा चुका है। जिला ग्रामीण विकास अधिकारी शेषाद्री, जिला कृषि अधिकारी कल्पना, जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी प्रेम कुमार, विपणन अधिकारी गजानंद, राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नलमास कंथैया, जिला सहकारी समिति निगम के अध्यक्ष तिपानी लिंगिया सहित कई अन्य उपस्थित थे।

मंत्री मल्ला रेड्डी और उनके परिजनों के खिलाफ दूसरे दिन भी आयकर जांच जारी

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम मंत्री,च मल्ला रेड्डीके परिवार द्वारा प्रबंधित शैक्षणिक संस्थानों के वित्तीय लेनदेन मेंआयकर अधिकारियों की जांच मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। मंत्री के ऑडिटर और मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक और प्रिंसिपल भी आईटी अधिकारियों के सामने पेश हुए, जिन्होंने उनसे सीटों के आवंटन, फीस के संग्रह और बैंक लेनदेन के विवरण का विवरण मांगा।

आयकर अधिकारियों ने मंत्री मल्ला रेड्डी के छोटे बेटे सी भद्रा रेड्डी और उनके रिश्तेदार एम राजशेखर को बुधवार को जांच के लिए पेश होने के लिए फिर से कहा है। अब तक आयकर अधिकारियों ने करीब 25 लोगों को नोटिस जारी कर जांच के लिए पेश होने को कहा था। आयकर टीमों ने मल्ला रेड्डी, उनके रिश्तेदारों, परिचितों और शैक्षणिक संस्थानों के घर पर तीन दिनों तक तलाशी ली थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सबसे ज्यादा चुनावी...

एसबीआई की ओर से सूचना के अधिकार (आरटीआई) के जवाब के अनुसार, इस अवधि के दौरान कुल बॉन्ड में से 62 प्रतिशत नई दिल्ली ब्रांच में कैश करवाए गए।

आरटीआई के अनुसार, पहली किश्त मार्च 2018 में बेची गई थी। एसबीआई की 17 शाखाओं में अब तक 10,791.47 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड बेचे गए। हालांकि, बैंक की 29 शाखाएं उन्हें बेचने के लिए अधिकृत हैं। एसबीआई ने 23 नवंबर, 2022 को कमोडोर लोकेश बत्रा (रिटायर्ड) की ओर से दायर आरटीआई के जवाब में, इलेक्टोरल बॉन्ड की बिक्री को लेकर डेटा शो किया। इसमें मुंबई (2,742.12 करोड़ रुपये), कोलकाता (2,387.71 करोड़ रुपये) और हैदराबाद (1,885.35 करोड़ रुपये) टॉप तीन में थे।

आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली ब्रांच ने 1,519.44 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड बेचे, जबकि सबसे ज्यादा 6,748.97 करोड़ रुपये कैश करवाए गए। उसके बाद हैदराबाद में 1,384.03 करोड़ रुपये और कोलकाता में 1,012.98 करोड़ रुपये के बॉन्ड कैश करवाए गए। एसबीआई के आंकड़ों के अनुसार, अब तक एसबीआई की 14 रीजनल ब्रांच में बॉन्ड को एनकैश किया गया है। श्रीनगर और गंगटोक शाखाओं में 50 लाख रुपये और 2.50 करोड़ रुपये के बॉन्ड एनकैश हुए, जबकि दोनों शाखाओं में शून्य बिक्री देखी गई।

हालही में 7 नवंबर को चुनावी बॉन्ड योजना को केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से एक साल में लंबी अवधि के लिए बिक्री की अनुमति देने के लिए संशोधित किया गया था। इसके अनुसार, सरकार किसी भी साल विधानसभा चुनाव के साथ 10 दिनों की सामान्य 4 विंडो के अलावा अतिरिक्त 15 दिनों की बिक्री को अधिसूचित कर सकती है।

योजना को अपारदर्शी बताते हुए बत्रा ने कहा कि एसबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि अब तक बेचे गए कुल बॉन्ड के 93.6 प्रतिशत बॉन्ड एक करोड़ रुपये की कीमत के थे, जो इस योजना के तहत सबसे बड़ी कीमत के बिकने वाला बॉन्ड है।

मैंने सालों पहले ...

पहले मैं एक या दो घंटे में चिढ़ जाता था। अब मैं आठ घंटे तक धैर्य रखता हूं। एक अन्य रिपोर्टर ने पूछा कि क्या उन्हें इस तरह का जनसंपर्क अभियान पहले शुरू करना चाहिए था। जिस पर उन्होंने कहा, सब कुछ अपने समय पर होता है। जब समय सही होता है, तब यह काम करता है।

राहुल गांधी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, इससे पहले ऐसा नहीं होगा। मैंने ऐसी यात्रा के बारे में तब सोचा था जब मैं 25-26 साल का था। यहां तक कि जयराम रमेशजी को भी नहीं पता, लेकिन मैंने एक साल पहले इसकी विस्तार से योजना बनाई थी। फिर कोविड या अन्य कारणों से ऐसा नहीं हो सका। इसलिए अब यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है, उन्होंने अभियान को भारत के विचार के लिए खड़े होने के लिए एक तपस्या कहा, जिसे आरएसएस-भाजपा द्वारा क्षतिग्रस्त और नष्ट किया जा रहा है। राहुल गांधी की राहुल गांधी को जाने देना के बारे में टिप्पणी को कई लोगों ने कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर लौटने से इनकार करने के रूप में देखा।

गुट्टी कोया बेदखली : जनजातीय जेएसी तेलंगाना उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करेगी

कोत्तागुडेम, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्राइबल जॉइंट एक्शन कमेटी उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने की योजना बना रही है, जिसमें राज्य के वन विभाग द्वारा जिले के चंद्रगोंडा मंडल में येराबोडु बस्ती के गुट्टी कोया आदिवासियों को बेदखली नोटिस जारी किए जाने को चुनौती दी गई है। इसके संयोजक वसम रामकृष्ण डोरा के नेतृत्व में जेएसी के एक प्रतिनिधिमंडल ने बस्ती का दौरा किया और निवासियों के साथ बातचीत की। नेताओं ने उन्हें आश्वासन दिया कि जेएसी उनके अधिकारों के लिए लड़ेगी। उन्होंने कहा कि एक-दो लोगों की गलती के लिए पूरी बस्ती को सजा देना गलत है।

श्री हैदराबाद काच्छ कडवा पाटिदार समाज द्वारा आयोजित 13वें सामूहिक विवाह संबंधी पत्रिका विमोचन करते हुए समाज अध्यक्ष पुरुषोत्तम भावाणी। साथ में हैं मंत्री शंकरलाल रामाणी, ट्रस्ट चेयरमैन जीवराज जबवाणी, भावजीभाई भावाणी, देवशीभाई रवाणी, करशन सेंगाणी, देवशीभाई पोकार, शंकर पोकार, खेताभाई दडगा, गोविन्द चौधरी, शंकर चौधरी, किशोर दिवाणी, गोपाल नाकरणी।

असाम में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेते हुए हैदराबाद के शेरीलिंगमपल्ली विस क्षेत्र के भाजपा प्रभाश्री गज्जला योगानंद का सम्मान करते कथा के आयोजक। इसमें असम कल्चरल कमेटी के अध्यक्ष पी. बरुआ, प्रवीए, विपुल व अन्य।

क्या वर्ल्ड कप नहीं खेल पाएंगी साउथ अफ्रीका, श्रीलंका

तीन बड़ी टीमों का खेल बिगाड़ सकती है आयरलैंड

खेल डेस्क, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अगले साल होने वाले वन डे वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज जैसी दिग्गज टीमों के खेलने पर अभी संशय है। 2023 में भारत में होने वाले इस वर्ल्ड कप में 10 टीमें खेलेंगी। 7 क्वालीफाई कर चुकी हैं और 3 जगहें बाकी हैं।

एक टीम डायरेक्ट क्वालीफाई होगी यानी सुपर लीग्स पॉइंट्स के आधार पर सीधे। 2 टीमें क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट के जरिए एंटर होंगी। रेस में साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और नीदरलैंड हैं यानी 6 टीमें। इसमें भी आयरलैंड ऐसी है, जो डायरेक्ट क्वालीफाई का गणित बिगाड़ सकती है।

सबसे पहले जानिए सुपर लीग्स पॉइंट के आधार एंट्री कैसे

मेजबान होने के नाते भारत ने सीधे क्वालीफाई कर लिया है। बाकी टीमों की किस्मत का फैसला ICC सुपर लीग और वर्ल्ड कप क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के जरिए होना है।

आईसीसी ने 30 जुलाई 2020 से 31 मई 2022 तक टॉप 13 टीमों के बीच होने वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज को सुपर लीग का हिस्सा बना दिया। मैच जीतने वाली टीम को 10 पॉइंट्स दिए जाते हैं। हारने वाली टीम को कोई पॉइंट नहीं मिलता है। मैच रद्द होने या टाई होने की स्थिति में दोनों टीमों को 5-5 पॉइंट दिए जाते हैं। सुपर लीग का टाइम पीरियड समाप्त होने पर जो टीमें टॉप-8 में रहेंगी उनको सीधे वर्ल्ड कप में एंट्री मिल जाएगी।

कौन-कौन सी टीमों को डायरेक्ट एंट्री मिल चुकी

इंडिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान पॉइंट्स के आधार पर क्वालीफाई हो चुके हैं।

ICC सुपर लीग पॉइंट्स टेबल

स्थान	टीम	मैच	पॉइंट्स
1	भारत (Q)	20	134
2	इंग्लैंड (Q)	18	125
3	न्यूजीलैंड (Q)	17	125
4	ऑस्ट्रेलिया (Q)	18	120
5	बांग्लादेश (Q)	18	120
6	पाकिस्तान (Q)	18	120
7	अफगानिस्तान (Q)	14	115
8	वेस्टइंडीज	24	88
9	आयरलैंड	21	68
10	श्रीलंका	20	67
11	साउथ अफ्रीका	16	59
12	जिम्बाब्वे	21	45
13	नीदरलैंड	19	25

मैचों के आधार पर इनका टॉप 7 में रहना तय।

वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री के लिए क्या समीकरण बन रहे हैं...

1. वेस्टइंडीज: पोजिशन अभी 8 पर, लेकिन दूसरों की हार पर निर्भर

मई तक होने वाले द्विपक्षीय वनडे मैचों के आधार पर 1 टीम और सीधे क्वालीफाई करेगी। बाकी टीमों को क्वालीफायर टूर्नामेंट खेलना होगा, जिनमें से 2 टीमें वर्ल्ड कप में पहुंचेंगी। वेस्टइंडीज सुपर लीग पॉइंट्स टेबल में 88 पॉइंट्स के साथ 8वें नंबर है। उनके सुपरलीग के सारे मैच पूरे हो गए हैं। लीग की समाप्ति तक वेस्टइंडीज अगर आठवां स्थान कायम रखता है तो वह वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर जाएगा।

इसके लिए उसे दुआ करनी होगी कि साउथ अफ्रीका अपने बाकी बचे मैचों में कम से कम तीन में हारे। वहीं, श्रीलंका और आयरलैंड की टीमें भी 2-2 मैच हारें। ऐसा नहीं हुआ तो वेस्टइंडीज को वर्ल्ड कप में सीधे एंट्री नहीं मिलेगी और उसे क्वालीफायर टूर्नामेंट खेलना होगा।

2. श्रीलंका: बचे 4 मैच जीतने होंगे, उसके बाद अफ्रीका और आयरलैंड हारें भी

श्रीलंका केअभी 67 पॉइंट्स हैं और वह सुपर लीग में 10वें नंबर पर है। श्रीलंका को अभी अफगानिस्तान से 1 और न्यूजीलैंड से 3 मैच खेलने हैं। चारों मैच जीतने पर उनके 107 पॉइंट्स होंगे। श्रीलंका तभी क्वालीफाई कर पाएगी, जब साउथ अफ्रीका कम से कम एक मैच जरूर हारे।

3 मैच जीतने पर श्रीलंका के 97 पॉइंट्स होंगे। इस स्थिति में उसे साउथ अफ्रीका की 2 और आयरलैंड की एक हार की दुआ करनी होगी। 2 मैच जीतने पर उनके 87 और एक मैच जीतने पर 77 पॉइंट्स होंगे। ऐसे में उनके पॉइंट्स वेस्टइंडीज से कम रहेंगे और टीम डायरेक्ट क्वालीफाई नहीं कर पाएगी।

3. साउथ अफ्रीका: जीतने होंगे सभी 5 मैच, दूसरी टीमें हारें भी

साउथ अफ्रीका 59 पॉइंट्स के साथ 11वें नंबर पर है। टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 3 और नीदरलैंड के खिलाफ 2 मैच खेलने हैं। अगर साउथ अफ्रीका सभी 5 मैच जीत लेता है तो उसके 109 पॉइंट्स होंगे और टीम डायरेक्ट क्वालीफाई कर जाएगी।

4 मैच जीतने पर उसके 99 पॉइंट्स होंगे। इस स्थिति में साउथ अफ्रीका को श्रीलंका की कम से कम एक हार की दुआ करनी होगी।

3 मैच जीतने पर उसके 89 पॉइंट्स होंगे। ऐसे में उन्हें श्रीलंका की 2 और आयरलैंड की एक हार का इंतजार होगा। दो मैच जीतने पर टीम के 79 और एक मैच जीतने पर 69 पॉइंट्स होंगे। ऐसे में वह डायरेक्ट क्वालीफाई नहीं कर पाएगी और उसे क्वालीफायर टूर्नामेंट में खेलना होगा।

4. आयरलैंड: बड़ी टीमों को बाहर कर सकती है, डायरेक्ट एंट्री भी संभव

आयरलैंड के 21 मैच में 68 पॉइंट्स हैं। उसके 3 मैच बांग्लादेश से होंगे। तीनों मैच जीतने पर उनके 98 पॉइंट्स होंगे। टीम इतने पॉइंट्स के साथ सीधे वर्ल्ड कप में पहुंच सकती है बशर्ते साउथ अफ्रीका अपने बचे हुए मुकाबलों में कम से कम दो हारे और श्रीलंका की टीम 1 मैच हारे।

2 जीत से आयरलैंड के 88, और 1 जीत से 78 पॉइंट्स होंगे। ऐसे में टीम वनडे वर्ल्ड कप के लिए डायरेक्ट क्वालीफाई नहीं कर पाएगी।

जिम्बाब्वे और नीदरलैंड के लिए सुपर लीग पॉइंट्स के आधार पर डायरेक्ट क्वालीफाई कर पाना मुमकिन नहीं है। इन टीमों को क्वालीफायर टूर्नामेंट खेलना ही होगा।

कोच के दावे से सहमत नहीं पैट कमिंस

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा- हमारी टीम में कोई कायर नहीं

पर्थ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टीम के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर के आरोप पर अपने खिलाड़ियों का बचाव किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले कमिंस ने कहा- 'हमारी टीम में कोई कायर नहीं है।' लैंगर ने एक खिलाड़ी को कायर कहा था। हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था।

29 साल के पैट कमिंस बुधवार से शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पूर्व मीडिया से चर्चा कर रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन का ऐलान भी किया।

लैंगर के आरोप- एक खिलाड़ी ने पीठ पीछे मेरी आलोचना की

कुछ दिन पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कोच लैंगर ने एक पॉडकास्ट में नाम लिए बैगर ऑस्ट्रेलियाई टीम के एक खिलाड़ी को कायर कहा था। उन्होंने कहा था कि उसने मेरी पीठ पीछे आलोचना की थी। पैट कमिंस ने आरोपों पर खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा- 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में कोई खिलाड़ी कायर नहीं है और न ही कभी था। मैं शायद निजी बातचीत का खुलासा कभी नहीं करूंगा। मुझे लगता है कि कभी-कभी यह निराशाजनक होता है कि मैदान के बाहर के मुद्दों पर ज़्यादा ध्यान दिया जाता है लेकिन इससे हमारी टीम पर कोई असर नहीं पड़ता है।'

लैंगर की सफाई भी आई- सभी खिलाड़ी मेरे छोटे भाई

विवाद बढ़ने के बाद लैंगर ने मामले को शांत करने के लिए कुछ हद तक अपनी टिप्पणियों को स्पष्ट करने का प्रयास किया है और कहा- 'सभी खिलाड़ी मेरे छोटे भाई की तरह थे।'

पहले टेस्ट के लिए एक बदलाव

कंगारू टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए सिर्फ एक बदलाव किया हैं। लेग स्पिनर मिचेल स्वेप्सन की जगह तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को शामिल किया गया है।

प्लेइंग-11:

डेविड वार्नर, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशाने, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स केरी, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन।

पुर्तगाल भी प्री-क्वार्टर फाइनल में

रोनाल्डो की टीम ने स्विट्जरलैंड को हराया, फर्नांडीस ने किए डबल गोल

दोहा, 29 नवंबर (एजेंसियां)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की लीडरशिप में उतरे पुर्तगाल ने कतर में चल रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पुर्तगाल नॉकआउट राउंड में जगह बनाने वाली तीसरी टीम बनी है। पुर्तगाल से पहले फ्रांस और ब्राजील ने टॉप-16 में जगह बनाई है।

लुसैल स्टेडियम में सोमवार-मंगलवार की रात खेले गए इस मुकाबले का पहला हाफ गोलरहित रहा। हाल ही में मैनचेस्टर यूनाइटेड से अलग हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी स्कोर नहीं कर सके। पहले हाफ में पुर्तगाली टीम का एक भी शॉट ऑन टारगेट नहीं रहा।

बेंटानकुर ने गोल का मौका गंवाया

पहले हाफ में उरुग्वे के पास बढ़त बनाने का अच्छा मौका था, लेकिन रोड्रिगो बेंटानकुर उसे भुना नहीं सके। बेंटानकुर तीन पुर्तगाली डिफेंडरों को छकाते हुए गोल पोस्ट के बेहद करीब पहुंच गए थे। लेकिन, बॉल को गोलकीपर डिओगो कोस्टा से पार नहीं करा सके। यहां कोस्टा ने शानदार बचाव किया।

फर्नांडीस ने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से गोल दागा

हाफ टाइम के कुछ देर बाद पुर्तगाल की ओर से 54वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडीस ने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार गोल दागा। तय 90 मिनट तक यही स्कोर लाइन रही। फिर एक्सट्रा टाइम में (93वें मिनट) ब्रूनो फर्नांडीस ने ही पेनल्टी पर दूसरा गोल किया।

देखिए पॉइंट टेबल का गणित

पुर्तगाल की 2 मैचों में यह दूसरी जीत है। जिसके चलते वह ग्रुप-H में 6 अंकों के साथ टॉप पर है। वहीं, घाना की टीम 3 अंको के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि साउथ कोरिया और उरुग्वे एक-एक अंक लेकर क्रमशः तीसरे और चौथे नंबर पर है। उरुग्वे को अगले राउंड में पहुंचने के लिए अब किसी भी हाल में घाना को हराना होगा।

न्यूजीलैंड में चमकी मध्यप्रदेश की 'दंगल गर्ल'

स्पोर्ट्समैन पिता ने दिए पंख, गोल्ड का सपना साकार

शिवपुरी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। आपने एक्टर आमिर खान अभिनीत 'दंगल' फिल्म तो देखी होगी, लेकिन आज हम आपको शिवपुरी की दंगल फैमिली से मिलवाने जा रहे हैं। इस परिवार की कहानी दंगल फिल्म की कहानी से किसी मायने में कम नहीं है। शिवपुरी की बेटी मुस्कान ने देश, प्रदेश और शहर का नाम रोशन किया है। मुस्कान ने न्यूजीलैंड में हुए ओपन फेडरेशन के वेट लिफ्टिंग कॉम्पिटिशन में 4 गोल्ड जीतकर एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। पिता मोहम्मद दारा खान ने बताया- मेरा बचपन से ही एक सपना था कि देश के लिए गोल्ड मेडल लेकर आऊं। इसके लिए शुरू से मुझे स्पोर्ट्स में इंटरेस्ट था। मेरा गेम हैंडबॉल था। इसमें 3 बार स्टेट लेवल पर खेला। बास्केटबॉल में भी नेशनल खेला। साल 1997 में 20 साल की उम्र में मेरा स्पोर्ट्स कोटे से आईटीबीपी में एसआई के पद पर चयन हो गया।

सिलेक्शन के 2-4 दिन पहले एक हादसे में मेरी अंगुलियां कट गईं। हाथ खराब हो जाने की वजह से गोल्ड जीतने का मेरा सपना अधूरा ही रह गया। दिन बीतने लगे। मैं सपने को पीछे छोड़कर पोल्ट्री फार्म के व्यवसाय में व्यस्त हो गया।

मेरे 5 बच्चे हैं। 3 बेटियां और 2 बेटे हैं। परिवार के पालन-पोषण के लिए कारोबार को बढ़ा रहा था, लेकिन दिल देश के लिए गोल्ड मेडल लाने के लिए ही धड़कता था। विवश था पर मौके की तलाश रहती थी। मैं गांव में होने वाली खेल प्रतियोगिता के आयोजन में खास भूमिका निभाने लगा।

इसी दौरान मझली बेटी मुस्कान आशा की किरण बनकर आई। खेल को लेकर उसका झुकाव मुझे हौसला देने लगा। मुझे लगा मेरी बेटी ही मेरे सपनों को पूरा करेगी। स्कूल के साथ ही उसने खेल की ओर भी मेहनत करना शुरू कर दिया। मैं भी उसके साथ जुट गया।

गांव से 20 कि.मी. दूर शिवपुरी के प्राइवेट स्कूल में मुस्कान का दाखिला करवाया। हर दिन बेटी को 40 किलोमीटर दूर स्कूल लाना, ले जाना शुरू कर दिया। बेटी की मेहनत रंग लाई। बेटी खेल प्रतियोगिता में अव्वल रहने लगी।

हर कदम पर मैं उसके साथ खड़ा रहा। बराबर उसको सपोर्ट करता रहा। जहां भी मुझे लगता था कि इसमें आगे बढ़ने की संभावना है, उस फील्ड में आगे ले जाने का प्रयास करता। सबसे पहले हैंडबॉल से उसकी शुरुआत की। मिनी हैंडबॉल में ही मुस्कान ने 3 बार नेशनल खेला। मैच में 10 में से 9 गोल अकेले बेटी ने ही दागे।

तब मुझे लगा उसे इंडिविजुअल गेम में लेकर आना चाहिए। काफी सोच विचार कर वेट लिफ्टिंग के लिए तैयार किया। वेट लिफ्टिंग की शुरुआत होते ही मुस्कान स्टेट खेलने पहुंच गई। इसी दौरान कोरोना ने बेटी की रफ्तार को रोक दिया। यह देख मैंने तय किया कि अब घर में ही उसके लिए व्यवस्थाएं जुटाऊं। धीरे-धीरे घर में ही जिम तैयार कर दी। बेटी ने 2 साल जी तोड़ मेहनत की।

एक साल में सामने आए परिणाम

पिता ने बताया कि बेटी मुस्कान ने कोरोना खत्म होते ही पावर वेट लिफ्टिंग की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और देखते ही देखते उसने जिला स्तर से लेकर संभाग स्तरीय

मुस्कान खान, पावर लिफ्टर

और फिर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपना परचम लहरा दिया। इसके बाद उसका चयन न्यूजीलैंड में होने वाले कॉमनवेल्थ पावर लिफ्टिंग 2022 में हुआ। बेटी मुस्कान को 25 नवंबर को न्यूजीलैंड के लिए रवाना किया गया था। जहां मुस्कान ने पावर वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में 4 गोल्ड हासिल करते हुए अपने शहर सहित देश का नाम रोशन कर दिया। मेरे लिए गर्व की बात है कि बेटी ने मेरे सपने को पूरा किया।

मिनी हैंडबॉल स्टेट खेला

मोहम्मद दारा ने बताया कि बेटी मुस्कान ने साल 2016 में पहली बार स्टेट हैंडबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसके बाद साल 2017, 18 और 19 में वह नेशनल खेली।

खान ने बताया कि बेटी ने पावर लिफ्टिंग के पहले हैंडबॉल में तो किस्मत आजमाई ही थी। इंडिविजुअल गेम में उसने भाला और गोला भी फेंका। गांव में तैयारियों में समस्या आने के बाद उसका झुकाव वेट लिफ्टिंग की ओर हो गया।

मुस्कान के भाई हनी खान ने बताया कि छोटी बहन मुस्कान से खाने-पीने को लेकर लड़ाई होती है। वह तीखा खाना पसंद करती थी, लेकिन मैं उसे खाने नहीं देता। इसकी शिकायत वह पापा से करती। पापा और मैं उसे डाइट पर ध्यान देने के लिए कहते हैं। मुझे अब खुशी है कि वह इस झगड़े के कारण इस मुकाम तक पहुंची है। मुस्कान की कामयाबी से आज पूरा परिवार खुशी मना रहा है।

पांच बार का चैंपियन ब्राजील प्री क्वार्टर फाइनल में

ग्रुप के दूसरे मुकाबले में स्विट्जरलैंड को हराया, कैसेमिरो ने दागा इकलौता गोल

दोहा, 29 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप में सोमवार को ब्राजील ने स्विट्जरलैंड को 1-0 से हराया। इसी के साथ ब्राजील ने अगले राउंड यानी प्री-क्वार्टर फाइनल स्टेज के लिए क्वालीफाई कर लिया है। फ्रांस के बाद ब्राजील प्री-क्वार्टर फाइनल स्टेज के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी टीम है। मैच का इकलौता गोल कैसेमिरो ने 83वें मिनट में दागा।

ग्रुप जी में ब्राजील 6 पॉइंट्स के साथ टॉप पर है। वहीं 3 अंक से साथ स्विट्जरलैंड दूसरे नंबर पर है। कैमरून और सर्बिया के 1-1 अंक हैं। बेहतर गोल डिफरेंस के आधार पर कैमरून तीसरे स्थान पर है। सर्बिया चौथे नंबर पर है।

ऐसे दागा कैसेमिरो ने गोल

ब्राजील के विनीसियस बॉल को पेनल्टी बॉक्स के कोने में लेकर आए और रोड्रिगो को बॉल पास की। डिफेंडर्स के बीच से कैसेमिरो जगह बनाते हुए आए और रोड्रिगो ने उन्हें पास दिया। कैसेमिरो ने बॉल रीसीव करते ही उसे नेट के अंदर पहुंचा दिया। कैसेमिरो की स्ट्राइक इतनी तेज थी कि स्विट्जरलैंड के गोलकीपर यान सोमर को रिएक्ट करने का समय ही नहीं मिला।

विनीसियस जूनियर का गोल हुआ डिसअलाउड

64वें मिनट में ब्राजील के विनीसियस जूनियर ने शानदार गोल स्कोर किया। उन्होंने कैसेमिरो से पास रिसीव किया और गोल दाग दिया। उन्होंने गोल सेलिब्रेट भी किया, लेकिन बाद में रेफरी ने उसे ऑफसाइड बताया और गोल डिसअलाउड कर दिया।

पहले हाफ में हावी ब्राजील

ब्राजील पहले हाफ में स्विट्जरलैंड पर हावी रहा। टीम ने पहले हाफ में कुल 6 शॉट गोल की तरफ मारे, जिसमें से 2 टारगेट पर लगे। जबकि स्विट्जरलैंड 1 ही शॉट गोल की तरफ मार पाई। इसके साथ ही 55% समय ब्राजील ने बॉल अपने पास रखी और 4 कार्नर भी लिए। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने 45% समय बॉल अपने पास रखी, 2 कॉर्नर लिए और 8 फाउल किए।

युवेंट्स के प्रेसिडेंट सहित बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस्तीफा दिया

कारण...एक जांच, जिसमें खिलाड़ियों को गुपचुप पेमेंट करने के आरोप लगे

ट्यूरिन, 29 नवंबर (एजेंसियां)। इटैलियन फुटबॉल क्लब युवेंट्स के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस्तीफा दे दिया है। इसमें क्लब के प्रेसिडेंट एंड्रिया अग्नेल्ली भी शामिल हैं। क्लब के ऊपर कुछ खिलाड़ियों को गुपचुप पेमेंट करने के आरोप लगे थे। इस मामले की जांच शुरू हो गई है और इसी वजह से ये इस्तीफे हुए हैं। इस्तीफा देने वालों में वाइस प्रेसिडेंट पावेल नेदवेद और मैनेजिंग डायरेक्टर मौरिजियो अरिवेबिन भी शामिल हैं। कोविड की शुरुआत में युवेंट्स ने कहा था कि क्लब के 23 खिलाड़ी संकट के समय में क्लब की मदद करने के लिए 4 महीने के लिए अपना वेतन कम करने पर सहमत हैं, लेकिन ऐसा दावा किया गया है कि खिलाड़ियों ने महज एक महीने का वेतन छोड़ा था। नया बोर्ड चुनने के लिए क्लब के एक शेयरधारक ने 27 दिसंबर को होने वाली क्लब की मीटिंग को 18 जनवरी तक बढ़ा दिया है।

12 साल पहले अध्यक्ष बने थे

एंड्रिया अग्नेल्ली 12 साल पहले 2010 में क्लब के अध्यक्ष बने थे। उसके बाद से युवेंट्स ने घरेलू लीग में लगातार 9 खिताब जीते थे। वहीं, पावेल नेदवेद 2015 में क्लब के वाइस प्रेसिडेंट बनाए गए थे।

क्लब पर कोरोना महामारी के दौरान हिडेन पेमेंट के आरोप लगे हैं। जब ये पेमेंट हुए तब पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी क्लब का हिस्सा थे। 37 साल के फुटबॉलर ने 2021 में युवेंट्स छोड़ा था और मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ जुड़े थे। रोनाल्डो ने इस क्लब के लिए खेले 134 मुकाबलों में 101 गोल दागे हैं।

125 साल पुराने इस क्लब ने नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर 70 टाइटल जीते हैं। इनमें 36 सीरी-ए खिताब शामिल हैं। इटली के शहर ट्यूरिन में संचालित इस क्लब के नाम 14 कोपा इटालिया, 9 सुपर कोपा इटालिया जैसे खिताब भी हैं। इसकी स्थापना 1897 में हुई थी।

पाक के पूर्व क्रिकेटरों में जुबानी जंग

अकरम ने लिखा- मलिक कपड़े और जूते धुलवाते थे, पूर्व कप्तान ने दिया जवाब

खेल डेस्क, 29 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ी मैदान पर अपने कारनामों से ज्यादा बाहरी गतिविधियों और बयानबाजी को लेकर सुर्खियों में रखते हैं। वहां के पूर्व खिलाड़ी भी गाहे-बगाहे किसी न किसी विवाद को लेकर चर्चा में रहते हैं। ताजा मामला पूर्व लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर वसीम अकरम और मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज सलीम मलिक से जुड़ा है।

अकरम ने अपनी बायोग्राफी में मलिक के ऊपर युवा खिलाड़ियों को परेशान करने और उनकी बेइज्जती करने के आरोप लगाए हैं। इस पर अब मलिक ने पलटवार किया है। चलिए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है...

अकरम ने हाल ही में रिलीज बायोग्राफी सुल्तान में लिखा है- 1984 में जब मैंने पाकिस्तान के लिए डेब्यू किया तो उस समय के दिग्गज बल्लेबाज सलीम मलिक का व्यवहार काफी खराब होता था। अकरम ने आरोप लगाए हैं कि मलिक उनसे कपड़े और जूते साफ करवाते थे। इसके अलावा वे उन्हें मालिश करने को भी कहते थे।

अकरम ने लिखा है- मलिक एक स्वार्थी क्रिकेटर थे और छोटी सोच रखते थे। वे हमेशा अपने बारे में सोचते थे। वे मेरे जूनियर होने का फायदा उठाते थे।

सलीम मलिक ने पाकिस्तानी मीडिया में अकरम के आरोपों पर जवाब दिया है। मलिक ने कहा- मैंने इस बारे में बात करने के लिए अकरम को फोन किया, लेकिन उसने मेरी कॉल नहीं पिक की। अगर मैं स्वार्थी होता तो अपनी कप्तानी में अकरम को टीम में शामिल नहीं करता। उसे गेंदबाजी के मौके नहीं देता। मैंने हमेशा उसका हौसला बढ़ाने की कोशिश की।

कपड़े धुलवाने के आरोप पर मलिक ने सीधा जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा- अगर मैंने उसे कपड़े धोने के लिए कहा तो उसे वाशिंग मशीन का इस्तेमाल करना था। उसे हाथ से कपड़े धोने की कोई जरूरत नहीं थी।

फिक्सिंग के आरोप में बैन हो चुके हैं मलिक

सलीम मलिक पर मैच फिक्सिंग के आरोप भी लगे और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन पर आजीवन बैन लगा दिया। मलिक ने इसके खिलाफ अपील की, लेकिन बोर्ड से उन्हें कोई रियायत नहीं मिली। बाद में पाकिस्तान की एक अदालत ने उनका बैन समाप्त कर दिया। आजकल वे पाकिस्तानी मीडिया में बतौर क्रिकेट एक्सपर्ट दिखाई देते हैं। अकरम ने बायोग्राफी में सनसनीखेज खुलासा करते हुए लिखा कि रिटायरमेंट के बाद वे कोकीन के एडिक्ट हो गए थे। अकरम ने लिखा है- रिटायरमेंट के बाद मैंने कुछ दोस्तों की सलाह पर कोकीन लेना शुरू कर दिया था। मुझे शुरुआत में लगा कि एक-दो बार कोकीन लेने से मैं एडिक्ट नहीं बनूंगा, लेकिन जल्द ही मुझे अहसास हुआ कि इसके बिना मैं नहीं रह सकता हूं। उस समय अकरम की पहली पत्नी हुमा बीमार चल रही थीं। बाद में हुमा का निधन हो गया। जिसके बाद अकरम ने एक ऑस्ट्रेलियाई महिला से शादी कर ली।

सिद्दीपेट, निजामाबाद व नलगोंडा में जल्द ही नए पशु चिकित्सा कॉलेज : तलसानी

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्र रेड्डी के साथ मंगलवार को यहां राजेंद्रनगर में पीवी नरसिम्हा राव पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में आधुनिक पशु चिकित्सा क्लिनिक परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने घोषणा की कि राज्य में पशु चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए जल्द ही सिद्दीपेट, निजामाबाद और नलगोंडा जिलों में तीन नए पशु चिकित्सा महाविद्यालय शुरू किए जाएंगे। राजेंद्रनगर स्थित पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय परिसर में 12.75 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक पशु चिकित्सालय विकसित किया गया है। यह पशु चिकित्सा छात्रों के लिए एक ही छत के नीचे चिकित्सा, स्त्री रोग, निदान प्रयोगशाला, स्मार्ट कक्षा और अन्य सुविधाएं प्रदान करेगा। एंडोस्कोपी, स्कैनिंग व ब्लड बैंक समेत अन्य विंग जल्द ही उपलब्ध करा दी जाएगी।

परिसर में सभी प्रकार के पशुधन, छोटे जानवरों, पालतू जानवरों और अन्य जानवरों के लिए सभी प्रकार की चिकित्सा सेवाएं और गहन देखभाल इकाइयां उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीनिवास यादव ने कहा कि राज्य के गठन के पांच महीने के भीतर, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बाद के सम्मान में पूर्व प्रधान मंत्री पीवी नरसिम्हा राव के नाम पर राज्य पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना की।

उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के छात्रों को भी आकर्षित करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के साथ पशु चिकित्सा नैदानिक परिसर की स्थापना की गई है। पशु चिकित्सा क्लिनिक परिसर पशु चिकित्सा शिक्षा और पशु प्रजनकों का पीछा करने वाले सभी छात्रों के लिए बहुत उपयोगी होगा। यह आने वाले दिनों में पशु चिकित्सा के क्षेत्र के विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा।

विश्वविद्यालय से संबद्धता में, सरकार वारंगल जिले के मामुनूरू, जगतियाल जिले के कोरुतला और वानापार्थी जिले के पेब्बेरू में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय का संचालन कर रही है। इसके अलावा, करीमनगर, वारंगल, महबूबनगर और सिद्दीपेट जिलों में नए पशु चिकित्सा पॉलिटेक्निक कॉलेज, पशुधन अनुसंधान केंद्र, मत्स्य अनुसंधान केंद्र, कुक्कुट बीज केंद्र और अन्य स्थापित किए गए हैं।

इस अवसर पर चेवेल्ला एमपी जी. रंजीत रेड्डी, एमएलसी सुरभि वनीदेवी, तेलंगाना राज्य भेड़ और बकरी विकास निगम के अध्यक्ष डी. बलराज यादव, तेलंगाना राज्य डेयरी विकास सहकारी संघ के अध्यक्ष सोमा भारत कुमार, पशुपालन के विशेष मुख्य सचिव अधर सिन्हा, मत्स्य आयोग लाचीराम भुक्या, पशु चिकित्सा निदेशक रामचंदर और विश्वविद्यालय के कुलपति रविंदर रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

संगारेड्डी में आज लाभार्थियों को 425 2बीएचके आवास सौंपे जाएंगे

संगारेड्डी, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को संगारेड्डी में लाभार्थियों को 425 डबल बेडरूम वाले घर सौंपे जाएंगे। मेदक सांसद कोथा प्रभाकर रेड्डी, तेलंगाना राज्य हथकरघा विकास निगम के अध्यक्ष चिंता प्रभाकर, कलेक्टर ए शरत, और अन्य अधिकारी और निर्वाचित प्रतिनिधि बुधवार को संगारेड्डी और कंडी मंडलों में 2 बीएचके घरों को सौंपेंगे।

कार्यक्रम से एक दिन पहले चिंता प्रभाकर ने व्यवस्थाओं की जांच करने के लिए संगारेड्डी और कंडी में 2बीएचके कॉलोनियों का दौरा किया। जहां संगारेड्डी में लाभार्थियों को 329 2बीएचके आवास दिए जाएंगे, वहीं कंडी में लाभार्थियों को 96 2बीएचके आवास सौंपे जाएंगे। संगारेड्डी में 2-बीएचके कॉलोनी एमएनआर मेडिकल कॉलेज के पास नरसापुर रोड के साथ बनाई गई है, जबकि कंडी कॉलोनी आरटीए कार्यालय के पास बैंगलोर बायपास रोड के साथ बनाई गई है। प्रभाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव राज्य में हर बेघर व्यक्ति को एक सम्मानित घर में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि घरों के निर्माण के अलावा राज्य सरकार ने कॉलोनी में सभी बुनियादी ढांचा सुविधाएं भी प्रदान की हैं।

जल्द ही 16,940 पदों को भरने का आदेश जारी करेगी सरकार : सीएस

मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार कुछ दिनों में 16,940 पदों पर भर्ती के आदेश जारी करने के लिए तैयार है। विभिन्न विभागों में विभिन्न श्रेणियों के तहत 60,929 पदों को भरने के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग, चिकित्सा भर्ती बोर्ड, पुलिस भर्ती बोर्ड, जिला चयन समिति और अन्य सहित विभिन्न सरकारी भर्ती इकाइयों ने इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने मंगलवार को बीआरकेआर भवन में अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को समय-सीमा का सख्ती से पालन करने और भर्ती प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे सेवा नियमों में विधिवत बदलाव करें और टीएसपीएससी को सभी आवश्यक विवरण शीघ्रता से प्रस्तुत करें क्योंकि अधिसूचना अगले महीने जारी की जानी चाहिए।

सोमेश कुमार चाहते हैं कि अधिकारी दैनिक आधार पर भर्ती प्रक्रिया की निगरानी करें और उन्होंने कहा। राज्य मंत्रिमंडल ने पहले ही भर्ती करने और एक निश्चित कार्यक्रम के साथ प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। इसमें टीएसपीएससी के अध्यक्ष बी जनार्दन रेड्डी, वित्त के लिए विशेष मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव, वन के लिए विशेष मुख्य सचिव शांति कुमारी, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव वी शेषाद्री, प्रधान मुख्य संरक्षक वन आरएम डोबरियाल, गृह के प्रधान सचिव रवि गुप्ता, स्वास्थ्य सचिव एसएएम रिजवी, कृषि सचिव रघुनंदन राव, अनुसूचित जाति विकास सचिव राहुल बोज्जा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

किसानों की समस्याओं पर आज निर्वाचन क्षेत्र मुख्यालय में धरना आयोजित करेगी टीपीसीसी

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी बुधवार को राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों में धरना देगी, जिसमें राज्य सरकार से राज्य के किसानों की समस्याओं के समाधान के अलावा भूमि संबंधी समस्याओं को हल करने की मांग की जाएगी। टीपीसीसी प्रमुख ए रेवंत रेड्डी और सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में पार्टी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस महीने की 21 तारीख को राज्य के मुख्य सचिव सोमेश कुमार से मुलाकात की और किसानों और भूमि संबंधी समस्याओं के मुद्दे पर एक प्रतिनिधित्व प्रस्तुत किया। समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। पार्टी ने समस्याओं को हल करने के लिए राज्य सरकार पर बढ़ते दबाव के लिए पार्टी कैडरों को राज्य भर में विरोध कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करने का आह्वान किया।

पार्टी अब बुधवार को सभी विधानसभा क्षेत्रों में धरना कार्यक्रम करेगी। यह 5 दिसंबर, 2022 को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में इसी तरह के विरोध कार्यक्रम आयोजित करेगा।

सत्ता में आने पर भैंसा का नाम महिषा रखेगी भाजपा : बंडी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने शुरू किया प्रजा संग्राम यात्रा का पांचवां चरण

निर्मल, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी प्रजा संग्राम यात्रा के पांचवें चरण के शुभारंभ पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आने पर भैंसा का नाम महिषा रखेगी। बंडी ने मंगलवार को भैंसा शहर से तीन किलोमीटर दूर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज सभी मामलों को हटाने के अलावा, भाजपा शहर को गोद लेगी और उसका नाम बदल देगी।

बंदी संजय ने यह आरोप लगाते हुए कि राज्य 5 लाख करोड़ रुपये के वित्तीय घाटे का सामना कर रहा है और कर्ज में डूबा हुआ है, यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव बेरोजगार युवाओं को भत्ता देने में विफल रहे और राजीव गांधी विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए।

तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय की प्रजा संग्राम पदयात्रा का पांचवा चरण निर्मल जिले के भैंसा नगर से शुरू किया गया। यह पदयात्रा करीमनगर तक होगी। महासभा में सबसे पहले संसद सोयम बापूराव ने राज्य सीएम केसीआर पर निशाना साधते कहा कि तेलंगाना राज्य विभाजन के बाद केसीआर ने कहा आदिलाबाद को कश्मीर बनाएँगे, लेकिन भैंसा को पाकिस्तान बनाने में लगे है तो नगर सतर्क रहें। ईटेला राजेन्दर ने कहा कि सत्ता में जो पार्टी ने भयभीत होकर प्रजा संग्राम यात्रा पुरजोर रोकने की कोशिश की है। आगे उन्होंने कहा कि बासर ट्रिपल आईटी कालेज में विद्यार्थियों को भोजन सही नहीं खिला रहे हैं और न सही शिक्षा दी जा रही है। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि पुलिस के रोकने के बाद न्यायलय का सहारा ले आज इस सभा आयोजित की गई।

पहले से केसीआर इस प्रजा संग्राम यात्रा को विफल करने का प्रयास कर चुकी है, पर भाजपा के नेता प्रजाओं के लिए जेल भी जाने को तैयार है। बंडी संजय ने कहा कि राज्य की जनता के साथ हमेशा भाजपा खड़ी है। यहां किसी भी प्रकार की सांप्रदायिक हिंसा नहीं होना दिया जाएगा। इस यात्रा के शुरू होने से पहले आयोजित बैठक में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, ईटेला राजेन्दर, आदिलाबाद सांसद सोयम बापूराव ने हिस्सा लिया। इस मौके पर आदिलाबाद जिला प्रभारी अलजापुर श्रीनिवास, निर्मल जिला अध्यक्ष पड़कँटी रमादेवी, संसद संयोजक अय्यनगारी भुमैया, निर्मल जिला उप प्रभारी मान महेश, जिला मुख्य सचिव पाडिपेल्ली गंगाधर, मेडिसेम राजू, नारायण रेड्डी, राउलारामनाथ, रवि पाण्डे,अप्पाला गणेश, मोहन पटेल, रामाराव पटेल, डॉ मल्लिकार्जुन रेड्डी, ओमप्रकाश लड्डा, गोपाल सारडा, समा राजेश्वर रेड्डी, विधानसभा संयोजक ताडेवार साईंनाथ, भैंसा शहर के नेताओं और भूत अध्यक्षों ने भाग लिया। पांचवें चरण की यह पदयात्रा 222 किलोमीटर की दूरी के लिए 20 दिनों तक जारी रहेगी। यह यात्रा 17 दिसंबर तक जारी रहेगी।

कंटी वेलुगु के दूसरे चरण को सफल बनाएं : हरीश राव

मंत्री ने अधिकारियों से की कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि राज्य सरकार 18 जनवरी, 2023 से कंटी वेलुगु कार्यक्रम के दूसरे चरण की शुरुआत करेगी। अधिकारियों को प्रस्तावित कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए और इसे एक भव्य कार्यक्रम बनाना चाहिए। हरीश राव मंगलवार को यहां एमसीआर एचआरडीओ में आगामी कंटी वेलुगु कार्यक्रम के लिए जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों (डीएम और एचओ), डिप्टी डीएम और एचओ, गुणवत्ता टीमों और प्रोग्रामिंग अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कक्षाओं में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कंटी वेलुगु की अनूठी नेत्र देखभाल पहल तैयार की है, जिसका उद्देश्य बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग करना और गरीब रोगियों को मुफ्त में गुणवत्ता वाले चश्मे वितरित करना है। उन्होंने बताया कि पहले चरण के दौरान 1.54 करोड़ से अधिक व्यक्तियों की जांच की गई और 50 लाख चश्मे मुफ्त में वितरित किए गए। राज्य सरकार ने कंटी वेलुगु के दूसरे चरण के लिए पहले ही 200 रुपये निर्धारित कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि 18 जनवरी से 100 दिनों की अवधि में गरीब मरीजों को मुफ्त में गुणवत्ता वाले चश्मों की बड़े पैमाने पर जांच और वितरण किया जाएगा।

यह कहते हुए कि राज्य सरकार 5 जनवरी को जिला कलेक्टरों और राज्य भर के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की योजना बना रही है, हरीश राव ने संबंधित अधिकारियों से अन्य विभागों के सहयोग से विभिन्न चरणों में एक कार्य योजना तैयार करने और इसे मुख्यमंत्री की इच्छा के अनुरूप भव्य बनाने के लिए कहा।

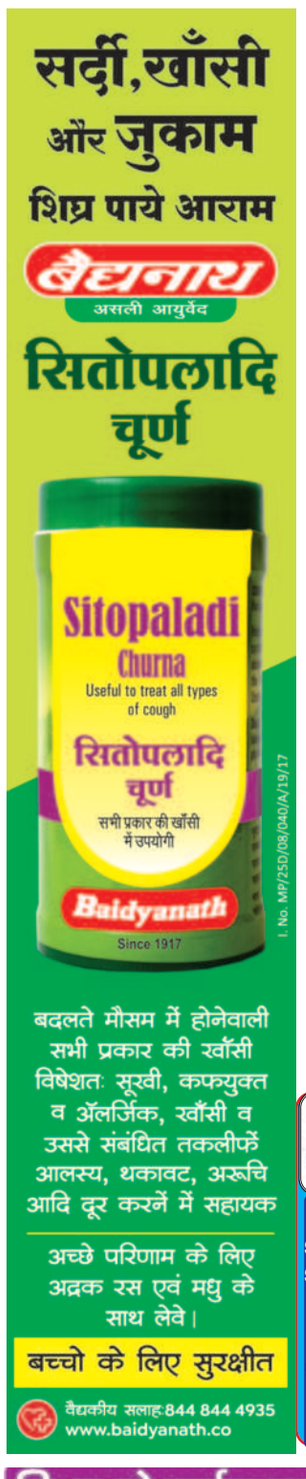

डॉ. लक्ष्मण ने पार्टी नेता के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी के सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने आज पार्टी के नेता एम. नरसिंह राव गौड़ के निधन पर शोक व्यक्त किया, जिन्होंने पार्टी के नगरसेवक के रूप में भी चुनाव लड़ा था। एक बयान में उन्होंने कहा कि गौड़ मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के वरिष्ठ नेता थे और उन्होंने पार्टी में कई जिम्मेदारियों का निर्वहन किया था। उन्होंने कहा कि गौड़ ने निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के विकास के लिए बहुत मेहनत की थी और याद दिलाया कि गौड़ हमेशा जनता की समस्याओं के समाधान के लिए तरसेंगे। उन्होंने कहा कि गौड को ताड़ी निकालने वालों की समस्याओं के बारे में पूरी जानकारी थी और कहा कि दिवंगत नेताओं ने राज्य की राजधानी के बेघर परिवारों को पक्के घर दिए थे। उन्होंने कहा कि गौड़ की पत्नी ने राज्य की राजधानी में नगरसेवक के रूप में भी चुनाव लड़ा था। लक्ष्मण ने कहा कि मुशीराबाद विधानसभा क्षेत्र में गौड़ का निधन पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है. उन्होंने गौड़ के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

पुलिस ने छह माओवादी सदस्यों को गिरफ्तार किया

मुलुगु, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेंकटपुरम पुलिस ने प्रतिबंधित सीपीआई माओवादी पार्टी के छह मिलिशिया सदस्यों को गिरफ्तार किया, जो तेलंगाना स्टेट कमेटी, सीपीआई (माओवादी) और अन्य समितियों के नाम पर पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के समारोहों के पोस्टर चिपकाने की कोशिश कर रहे थे। एएसपी ने उन्हें मीडिया के सामने पेश करते हुए कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में कुर्सम रामबाबू, बडिसे बलराजू, कुंजा शंकर, कुर्सम मलैया, गट्टुपाली रामबाबू और कोरम सत्यम शामिल हैं। पूछताछ के दौरान, उन्होंने खुलासा किया कि वे प्रतिबंधित भाकपा माओवादीपार्टी के प्रति आकर्षित थे और शुरुआत में 2018 में पार्टी से सहानुभूति रखने वालों के रूप में शामिल हुए थे। तब से, वे दलम के सदस्यों को आश्रय देने के अलावा प्रावधान और भोजन प्रदान करके उनकी मदद कर रहे थे। उसके बाद वे मिलिशिया सदस्य बन गए और वेंकटपुरम-वज़ीदु क्षेत्र समिति के सचिव सुधाकर के लिए काम कर रहे थे। इस बीच उनकी भाकपा माओवादी पार्टी के प्रमुख नेताओं, दलम सदस्यों और मिलिशिया सदस्यों से भी जान पहचान हो गई। एक सप्ताह पहले, सुधाकर के निर्देशानुसार, वे छत्तीसगढ़ राज्य के उतलापल्ली गांव के वन क्षेत्र में गए और अलुबका क्षेत्र में गुप्त रूप से पीएलजीए सप्ताह समारोह से संबंधित पोस्टर/पैम्फलेट प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि वे मुथाराम गांव की ओर बढ़ रहे थे, तभी वेंकटपुरम पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

दो गिरफ्तार, 2.80 लाख रुपये मूल्य का पीडीएस चावल जब्त

वारंगल, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स पुलिस ने डुपाकुंटा स्थित राजा राजेश्वरी मिनी आधुनिक राइस मिल पर छापा मारा और मालिक वड्डापल्ली जनार्दन और संचालक पासथम महेश्वर को मंगलवार को उनके कब्जे से 18 क्विंटल पीडीएस चावल और 90 क्विंटल टूटा हुआ पीडीएस चावल जब्त किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने आसपास के इलाकों से पीडीएस चावल खरीदा था और अवैध लाभ के लिए उच्च कीमत पर बेच रहे थे। जब्त संपत्ति को आरोपियों समेत आगे की कार्रवाई के लिए गीसुगोंडा पुलिस को सौंप दिया गया है।

विवेकानंद रेड्डी की हत्या का मामला तेलंगाना स्थानांतरित

हैदराबाद, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने कडप्पा के पूर्व सांसद वाईएस विवेकानंद रेड्डी की सनसनीखेज हत्या के मामले को पड़ोसी आंध्र प्रदेश राज्य से तेलंगाना राज्य में स्थानांतरित कर दिया है। उसने कहा कि वह इस मामले को हैदराबाद शहर में सीबीआई की विशेष अदालत में स्थानांतरित कर रही है। इसने कहा कि यह विवेकानंद रेड्डी की बेटी के मौलिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए मामले को हैदराबाद स्थानांतरित कर रहा है, जो मामले की सुनवाई से खुश नहीं हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एमआर शाह ने बेटी विवेकानंद रेड्डी सुनीता रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए आदेश पारित किया, जिसमें संयुक्त राज्य से मामले को एक अलग राज्य में स्थानांतरित करने का आग्रह किया गया था। अपनी याचिका में, उसने एससी को बताया कि मामले के आरोपी अपने पिता की हत्या के मामले में सजा से बचने के लिए मामले के गवाहों को धमकी दे रहे थे। अपने आदेश में, एससी ने कहा कि मृतक विवेकानंद रेड्डी की बेटी द्वारा देश की शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाना हत्या में शामिल साजिशों का संकेत देने के अलावा मामले की गंभीरता को दिखाएगा। इसने कहा कि मामले में सबूतों के नष्ट होने को साबित करने के लिए सबूत थे और कहा कि मामले में सभी तरह के सबूतों को नष्ट कर दिया गया था। इसमें कहा गया है कि तथ्यों को सामने लाने के लिए मामले में जांच की जानी चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मार्च तक लोगों को उपलब्ध कराई जाएगी प्रगति रिपोर्ट : मंत्री

करीमनगर, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी मंत्री केटी रामा राव ने अधिकारियों से अगले साल मार्च तक शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, पीने के पानी, बिजली और कल्याण जैसे क्षेत्रों में प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए कहा है। मंगलवार को सिरसिल्ला में एक समीक्षा बैठक में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद कई कल्याणकारी योजनाएं और विकास कार्य हुए हैं। हालांकि यह अन्य क्षेत्रों की तुलना में एक छोटा जिला था, राजन्ना-सिरसिला जिले ने पिछले आठ वर्षों के दौरान काफी विकास हासिल किया था। जिला शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई, पेयजल, बिजली, कल्याण और अन्य क्षेत्रों में राष्ट्र के लिए एक आदर्श बन जाएगा। उन क्षेत्रों में हुई प्रगति के बारे में लोगों को

लंपी त्वचा रोग : कर्नाटक-तेलंगाना सीमा पर लगा चेक पोस्ट

संगारेड्डी, 29 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के पशुपालन विभाग ने लंपी त्वचा रोग से पीड़ित मवेशियों के प्रवेश को रोकने के लिए जहीराबाद के पास मडगी में तेलंगाना-कर्नाटक सीमा पर एक चेक-पोस्ट स्थापित किया है। एलएसडी अत्यधिक संक्रामक होने के कारण विभाग ऐसे मामलों पर कड़ी निगरानी रख रहा है। सितंबर और अक्टूबर के दौरान, जिले ने ज़हीराबाद, गुम्मदीदला और पाटनचेरु मंडलों में 22 एलएसडी मामलों की सूचना दी। पशुपालन विभाग की संयुक्त निदेशक डॉ. एम वसंता कुमारी ने कहा कि आमतौर पर गायों और सांडों सहित सफेद मवेशियों के मामले सामने आते हैं। नमूने एकत्र किए गए और पशु चिकित्सा जैविक संस्थान को भेजे गए, जिसने उन्हें एलएसडी घोषित कर दिया। रिपोर्टों के बाद, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 1.05 लाख वैक्सीन खुराक भेजी हैं। चूंकि 5 किमी के दायरे में रहने वाले मवेशियों को जहां एलएसडी के मामलों की सूचना दी गई थी, उनका टीकाकरण किया जाना था, संयुक्त निदेशक ने कहा कि उन्होंने अब तक एक लाख से अधिक मवेशियों का टीकाकरण किया है। रोग के लक्षणों में तेज बुखार, लैक्रिमेशन, हाइपरसेलिपेशन और विशिष्ट त्वचा का फटना शामिल हैं।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी
9810940158

साईनाथ की विशेष पूजा
श्री साई बाबा मंदिर भवानी कॉलोनी प्रेमवतीपीठ राजेंद्रनगर, हैदराबाद
(ॐ साईं राम) सब का मालिक एक प्रति गुरुवार को साईनाथ महाराज जी का विशेष पूजा अर्चना साईनाथ महाराज का अभिषेक एवं मध्याह्न 12:30 बजे आरती के बाद महा अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है इस कार्यक्रम को तन मन धन से सहयोग करके साईनाथ महाराज का आशीर्वाद ग्रहण करे। श्री साई बाबा मंदिर भवानी कॉलोनी प्रेमवतीपीठ राजेंद्रनगर, हैदराबाद
मुख्य अतिथि
गोपाल-मंजू बल्दवा
कार्यक्रम से संबंधित अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
गणेश जोशी (8465902900)
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेड रोड नं. 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाइल : 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.